डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2024-2026
लाइसेंस क्र. Tech/23-04/08/2024-2026
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

प्रति सोमवार को प्रकाशित, भोपाल 30.09.2024 से 06.10.2024 ▶ वर्ष-41 ▶ अंक-40 ▶ मूल्य ₹ 10.00

संक्षिप्त खबर

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा सफल

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विश्व के लोकप्रिय नेता और यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा को सफल और यादगार बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन से मुलाकात और यूनाइटेड नेशंस समिट ऑफ द फ्यूचर में प्रधानमंत्री श्री मोदी का ओजस्वी वक्तव्य भारत की बढ़ती वैश्विक साख को दर्शाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी एक सच्चे ग्लोबल लीडर हैं। वे आज पूरे विश्व का मार्गदर्शन कर रहे हैं। कोविड के दौर में पूरी दुनिया ने मोदी जी के नेतृत्व का लोहा माना। प्रधानमंत्री श्री मोदी की 'वन अर्थ, वन फेमली, वन फ्यूचर' की सोच वैश्विक शांति और मानव कल्याण का मार्ग प्रशस्त करती है।

मेक इन इंडिया अभियान से समृद्धि के नए प्रतिमान स्थापित

भोपाल, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जारी 'मेक इन इंडिया' अभियान की 10वीं वर्षगांठ पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सभी नागरिकों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने नागरिकों के जीवन में व्यापक बदलाव लाने वाले इस अभियान के सफलतम 10 वर्ष पूर्ण होने पर समस्त मध्यप्रदेशवासियों की ओर से प्रधानमंत्री श्री मोदी का आभार माना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश को 5 ट्रिलियन डॉलर की इकॉनोमी बनाते हुए वर्ष 2047 तक विकसित और शक्तिशाली भारत के संकल्प की सिद्धि में 'मेक इन इंडिया अभियान' निर्णायक सिद्ध हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में वोकल फॉर लोकल के मंत्र के साथ इस अभियान ने देश की क्षमता और दक्षता में ऐतिहासिक वृद्धि करते हुए विकास और समृद्धि के नए-नए प्रतिमान गढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

प्राणपुर, सावरवानी एवं लाडपुरा खास को सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम पुरस्कार

नई दिल्ली, केन्द्र सरकार ने अंतराष्ट्रीय पर्यटन दिवस पर मध्यप्रदेश के तीन गांवों को विभिन्न श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम से सम्मानित किया है। प्राणपुर को शिल्प श्रेणी में और सावरवानी एवं लाडपुरा खास को जिम्मेदार पर्यटन की श्रेणी में पुरस्कृत किया गया है। ये गांव भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय की सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम प्रतियोगिता 2024 में विजेता रहे हैं। प्राणपुर चंदेरी में, लाडपुरा खास निवाड़ी और सावरवानी छिंदवाड़ा जिले में हैं।

भीतर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा** - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सागर में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के उद्घाटन समारोह को किया संबोधित

23 हजार 181 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त

बुन्देलखंड क्षेत्र के स्वरूप में आयेगा बदलाव

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव सागर में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के शुभारंभ सत्र को संबोधित करते हुए

सागर, प्रदेश में उद्योगों के विकास का कार्य निरंतर जारी रहेगा। छोटे से छोटे उद्यमी की सहायता के लिए भी राज्य सरकार पूर्ण सहायोग प्रदान करेगी। केन-बेतवा परियोजना क्रियान्वयन से बुन्देलखंड के ढाई लाख हेक्टेयर में सिंचाई क्षमता की वृद्धि होगी, जिससे बुन्देलखंड क्षेत्र का स्वरूप बदल जायेगा। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सागर में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के शुभारंभ सत्र को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि सागर में एयरपोर्ट का निर्माण होगा जिससे एविएशन क्षेत्र में संभावनाएं बढ़ेंगी।

प्रदेश के कई स्थानों पर विमानन की गतिविधियों के लिए केन्द्र सरकार का पूर्ण सहयोग मिल रहा है, इससे रोज़गार भी बढ़ेगा। मुख्यमंत्री ने सागर संभाग के 6 जिलों सागर, पन्ना, टीकमगढ़, निवाड़ी, छतरपुर और दमोह में इन्वेस्टमेंट फेसिलिटेशन सेंटर और संभागीय मुख्यालय में एमपीआईडीसी के रीजनल ऑफिस का शुभारंभ किया। इसके साथ ही कोयंबटूर (तमिलनाडु) में एमपीआईडीसी के कार्यालय का भी वर्चुअल शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर औद्योगिक क्षेत्र से सिंघगवां की जलापूर्ति के लिए नगर निगम सागर और एमपीआईडीसी के मध्य ट्रीटेड वाटर प्रदाय के लिए एमओयू भी हुआ। मुख्यमंत्री ने 96 औद्योगिक इकाइयों के आशय-पत्र जारी किए। इन इकाइयों को 240 एकड़ भूमि आवंटित की जाना है। इससे 1 हजार 560 करोड़ का पूंजी निवेश एवं 5 हजार 900 से अधिक व्यक्तियों को रोजगार प्रदाय किया जाना प्रस्तावित है। कॉन्क्लेव में 23 हजार 181 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त से 27 हजार 375 लोगों को रोज़गार मिलेगा।

निवाड़ी में 3200 करोड़ की लागत से स्टील प्लांट

पेसिफिक मेटा-स्टील के श्री जे. पी. अग्रवाल ने कहा कि वे निवाड़ी में 3200 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इंटीग्रेटेड स्टील प्लांट से 10 हजार लोगों को रोज़गार मिलेगा और प्रतिवर्ष लगभग 1 हजार करोड़ रुपये का राजस्व भी शासन को प्राप्त होगा। बंसल समूह के श्री सुनील बंसल ने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में समूह कार्य कर रहा है।

डेटा सेंटर संचालन महत्वपूर्ण उपलब्धि

मुख्यमंत्री ने कहा कि बड़े पैमाने पर निवेश से स्थानीय व्यापार प्रोत्साहित होता है। इस कॉन्क्लेव से पूरा संभाग लाभान्वित होगा। संभाग के सभी जिलों में उद्योग तथा व्यापारिक गतिविधियां प्रारंभ होंगी। बीना में कई इकाइयां आएंगी। पेट्रोलियम क्षेत्र में भी 120 करोड़ रुपये का निवेश हो रहा है। प्रदेश में सागर में चलने वाले डेटा सेंटर की स्थापना महत्वपूर्ण कदम है। यह 1700 करोड़ रुपये का निवेश है और इससे लगभग एक हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि नये 6 लेन और 4 लेन मार्गों का लाभ भी बुन्देलखंड क्षेत्र को प्राप्त होगा।

भारतीय दर्शन में अनादिकाल से कृतज्ञता एवं संरक्षण का भाव है - श्री इन्दर सिंह परमार

भोपाल, भारत के ग्रामीण परिवेश में गृहिणियों को रसोई में किसी नापतौल की आवश्यकता नहीं होती, यह सर्वोत्कृष्ट एवं कुशल प्रबंधन है। इसका किसी शैक्षणिक संस्थान में कोई पाठ्यक्रम उपलब्ध नहीं है, यह हमारा परंपरागत ज्ञान है। भारतीय दर्शन, सभ्यता एवं विरासत को श्रेष्ठ ज्ञान परम्परा के साथ जोड़ना होगा। इसके लिए भारत की परम्पराओं पर युगानुकूल परिप्रेक्ष्य दृष्टिकोण के आधार पर पुनः शोध एवं अनुसंधान करने की आवश्यकता है।

यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय में नवनिर्मित केंद्रीय कम्प्यूटर भवन के लोकार्पण अवसर पर कही। मंत्री श्री परमार ने केंद्रीकृत कम्प्यूटर लैब एवं इंग्लिश लैंग्वेज लैब का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि भारतीय दर्शन में अनादिकाल से कृतज्ञता एवं संरक्षण का भाव है। हमारी संस्कृति में नदी, वन, पर्यावरण एवं सूर्य आदि समस्त ऊर्जा के स्रोत हैं। इनसे हमने संरक्षण एवं कृतज्ञता के भाव से पूजा पद्धति, उपासना पद्धति और सम्मान करना सीखा, जो भारतीय ज्ञान परंपरा की अमूल्य निधि है। पुनः इस परंपरा को स्थापित करना है।

भारत की ज्ञान परंपरा में प्राचीन काल से ही वेदों एवं ज्ञान का भंडार रहा है। भारत के पूर्वज निरक्षर नहीं थे, वे सभी आध्यात्म से प्राप्त होने वाले ज्ञान से ओतप्रोत थे, उनमें वेदों का ज्ञान था। श्री परमार ने कहा कि देश तथा प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसरण में भारत केंद्रित, भारतीयता समावेशी शिक्षा से शिक्षा जगत को समृद्ध करना है। इसके लिए अपनी परम्पराओं को पुनः वैज्ञानिक आधार पर तथ्यपूर्ण शोध कर, लोक कल्याणकारी मान्यताओं एवं परंपराओं का शिक्षा में समावेश करने की आवश्यकता है।

श्रीअन्न की खेती को प्रोत्साहन

भोपाल, मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में श्रीअन्न उत्पादक किसानों को प्रोत्साहित करने के लिये ऐतिहासिक फैसला लेते हुए रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना को लागू करने का फैसला किया गया है। मध्यप्रदेश में श्रीअन्न के विस्तार के लिये निरंतर कार्य किये जा रहे हैं। साथ ही मध्यप्रदेश राज्य मिलेट्स मिशन संचालित है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 'श्रीअन्न प्रोत्साहन कंसोर्टियम ऑफ फार्मर्स प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड' के नाम से मिलेट फेडरेशन का पंजीयन भी कराया गया है। प्रदेश में वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष के रूप में व्यापक तौर पर मनाया गया। मिलेट्स के उत्पादन और उपयोग के प्रोत्साहन के लिये निरंतर कार्यक्रम किये जा रहे हैं।

मिलेट की पैदावार इन जिलों में

प्रदेश में मिलेट फसलें जैसे कोदो-कुटकी, ज्वार-बाजरा, रागी आदि किसानों द्वारा उगाई जाती हैं। इनमें कोदो-कुटकी की खेती मुख्य रूप से अनुसूचित जनजाति बहुल क्षेत्रों जैसे मंडला, डिण्डोरी, शहडोल, अनूपपुर, उमरिया, छिन्दवाड़ा आदि जिलों में की जाती है। रागी की खेती प्रदेश में डिण्डोरी, मण्डला, सिवनी और जबलपुर में होती है। प्रदेश के खरगोन, खण्डवा, बड़वानी, छिंदवाड़ा, बैतूल, राजगढ़ और गुना जिले में ज्वार की खेती होती है। प्रदेश में बाजरे की खेती मुख्य रूप से मालवा क्षेत्र में होती है। मिलेट्स की खेती मुख्यत: खरीफ ऋतु में की जाती है।

कोलकाता समिट सफल, लगभग 20 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले

कोलकाता, विकास के कारवां में सरकार को उद्योगपतियों के साथ बराबरी से चलना होगा। हम उद्योगपतियों के साथ सकारात्मक और सहयोगी दृष्टिकोण से कार्य के इच्छुक हैं। मध्यप्रदेश उद्योगपतियों का पलक पांवड़े बिछाकर स्वागत करता है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कोलकाता में आयोजित रोड शो और उद्योगपतियों व औद्योगिक संगठनों से चर्चा सत्र को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि युक्ति, बुद्धि, क्षमता, योग्यता में भारतीय विश्व में अग्रणी हैं, लेकिन उपलब्धियां अर्जित करने के लिए शासन की सकारात्मक सोच और अनुकूलता आवश्यक है।

देश-विदेश के लगभग 700 डेलिगेट्स हुए शामिल

प्रदेश में निवेश व औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ाने के लिए कोलकाता सहित देश के बड़े औद्योगिक नगरों में उद्योगपतियों से चर्चा सत्र आयोजित किया गया। समिट में खाद्य प्रसंस्करण, रसायन,

सीमेंट, स्टील, प्लास्टिक और नवकरणीय ऊर्जा सहित विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 20 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्राप्त हुए, जिससे 9,450 रोज़गार के अवसर सृजित होंगे।

समय का करें सदुपयोग

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की अर्थव्यवस्था 11वें से विश्व में 5वें स्थान पर पहुंच गई। वे देश की अर्थव्यवस्था को तीसरे नम्बर पर लाना चाहते हैं। मध्यप्रदेश भी प्रधानमंत्री श्री मोदी के इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिये प्रतिबद्ध है। उन्होंने उद्योगपतियों से आह्वान किया कि हम सब समय का सदुपयोग करते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में स्वयं तथा देश की उन्नति के लिए अग्रसर हों।

21 सितम्बर

136 शहरों में आयोजित होगी सीटेट परीक्षा

● केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीटेट) के लिए परीक्षा शहरों की संख्या कम कर दी है। पहले यह परीक्षा 184 शहरों में होनी थी, लेकिन अब यह केवल 136 शहरों में होगी। सीबीएसई 15 दिसम्बर को उन परीक्षा शहरों में परीक्षा आयोजित करेगी जहां रजिस्ट्रेशन अधिक हुए हैं। सीटेट के लिए आवेदन 16 अक्टूबर तक किया जा सकता है। इस परीक्षा में बाल विकास और शिक्षाशास्त्र, गणित, पर्यावरण अध्ययन, सामाजिक अध्ययन और सामाजिक विज्ञान से संबंधित विषय शामिल होंगे। यह परीक्षा देश भर के परीक्षा केंद्रों में बीस भाषाओं में आयोजित की जाएगी।

● केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कक्षा 10वीं एवं 12वीं के बाद अब 9वीं-11वीं के विद्यार्थियों के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू कर दी है। दोनों ही कक्षाओं के लिए स्कूलों को निर्धारित अंतिम तिथि 16 अक्टूबर तक रजिस्ट्रेशन करवाने होंगे। रजिस्ट्रेशन ऑनलाइन माध्यम से संगम पोर्टल पर होंगे। छात्र अपने स्कूल की मदद लेकर ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया पूर्ण कर सकते हैं। 9वीं कक्षा में रजिस्ट्रेशन के लिए 300 रुपये एवं 11वीं कक्षा में रजिस्ट्रेशन के लिए 600 रुपये शुल्क जमा करना होगा।

22 सितम्बर

31 एमक्यू-9बी ड्रोन खरीदेगा भारत

● भारत अमेरिकी रक्षा कंपनी 'जनरल एटामिक्स' से 31 एमक्यू-9बी सशस्त्र ड्रोन खरीदेगा। इससे भारत के सशस्त्र बलों की खुफिया निगरानी और टोही क्षमताओं में वृद्धि होगी। अमेरिका की मदद से भारत में राष्ट्रीय सुरक्षा सेमीकंडक्टर निर्माण संयंत्र की स्थापना भी की जाएगी। इस संयंत्र में सैन्य हार्डवेयर और अगली पीढ़ी के दूरसंचार में उपयोग के लिए चिप का उत्पादन किया जाएगा। इसके साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने चीन की बढ़ती सैन्य ताकत पर साझा चिंताओं के बीच रक्षा उपकरणों की पारस्परिक आपूर्ति को बढ़ावा देने का संकल्प लिया है।

● ओटीटी प्लेटफॉर्म पर फिल्मों के शुरू और बीच में 30 सेकंड के तंबाकू के दुष्प्रभाव दिखाने वाले विज्ञापन अनिवार्य होंगे। स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस संबंध में मसौदा संशोधन जारी किया है। इस पर सभी हितधारकों से 13 अक्टूबर तक सुझाव मांगे गए हैं। मसौदे के मानदंडों के अनुसार, 20 सेकंड का ऑडियो-विजुअल डिस्क्लेमर देना होगा। इसे स्किप नहीं किया जा सकेगा। यह नियम 1 सितम्बर, 2023 को या उसके बाद रिलीज होने वाली भारतीय और विदेशी मूल की सभी फिल्मों पर लागू होगा। मसौदे के प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि तंबाकू सेवन वाले दृश्यों में स्क्रीन के निचले हिस्से में चेतावनी भी प्रदर्शित करनी होगी।

23 सितम्बर

एअर इंडिया की उड़ानों में नवम्बर से मिलेगा वाई-फाई

● एअर इंडिया नवंबर से अपनी अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों में वाई-फाई की सुविधा शुरू करने जा रही है। टाटा समूह द्वारा एअर इंडिया का नियंत्रण संभालने के बाद एयरलाइन में कई बदलाव किए जा रहे हैं। इन बदलावों में 9 हजार नए क्रू की भर्ती भी शामिल है। कंपनी लगातार बेड़े और नेटवर्क को बढ़ाने, ग्राहक सेवाओं में सुधार और संचालन में विश्वसनीयता बढ़ाने पर ध्यान दे रही है।

● लेबनान की राजधानी बेरूत के उपनगर में हुए इजरायली हमले में मरने वालों की संख्या 37 से अधिक हो गई है। मृतकों और घायलों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि गाइडेड बमों से हुए हमले से ध्वस्त दोनों भवनों के मलबे में दबे लोगों की तलाश का काम अभी जारी है। इस हमले में हिजबुल्लाह की सैन्य शाखा का प्रमुख इब्राहीम अकील और अन्य कमांडर मारे गए हैं। मरने वालों में हिजबुल्लाह का सीनियर कमांडर अहमद वाहबी भी शामिल है। वह वर्ष 1997 में दक्षिणी लेबनान में घात लगाकर इजरायली सैनिकों की हत्या में शामिल था। इस हमले के बारे में हिजबुल्लाह ने देर रात कहा कि इजरायली हमलों में उसके 15 लोग मारे गए हैं। वर्ष 2006 के इजरायल-हिजबुल्लाह युद्ध के बाद बेरूत पर इजरायली सेना का यह सबसे भीषण हमला था।

24 सितम्बर

इग्नू ने शुरू किया डिजास्टर रिस्क रिडक्शन एंड मैनेजमेंट कोर्स

● इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (इग्नू) ने डिजास्टर रिस्क रिडक्शन एंड मैनेजमेंट कोर्स में पीजी डिप्लोमा (पीजीडीडीआरआरएम) शुरू किया है। इसका उद्देश्य शिक्षार्थियों की रोज़गार संभावनाओं को बढ़ाने के साथ ही जागरूकता के माध्यम से देश को आपदाओं से सुरक्षित एवं उन से निपटने में अधिक सक्षम बनाना है। इस प्रोग्राम में इंटर्नशिप भी शामिल की गई है। कार्यक्रम में प्रवेश वर्ष में दो बार, जुलाई और जनवरी प्रवेश चक्र में लिया जा सकता है। आधिकारिक वेबसाइट https://ignouadmission.samarth.edu.in/ के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है। इसमें अभ्यर्थियों को 7400 रुपए प्रवेश शुल्क जमा करना होगा। पीजीडीडीआरआरएम की अवधि एक वर्ष है, जिसे पूरा करने के लिए न्यूनतम 1 वर्ष और अधिकतम 3 वर्ष हैं।

● एलन मस्क ने अपनी अंतरिक्ष कंपनी स्पेस-एक्स के स्टारशिप मिशन की समय सीमा की जानकारी दी है। मस्क ने कहा है कि स्पेस-एक्स अगले दो वर्ष के भीतर मंगल ग्रह पर बिना चालक दल के पांच स्टारशिप उड़ानें शुरू करने की योजना बना रहा है। यह मिशन अगर सफल रहे तो कंपनी चार साल में मानव युक्त स्टारशिप मिशन भी लॉन्च करेगी।

25 सितम्बर

कॉलेजों में दिया जाएगा भारतीय ज्ञान परंपरा का शिक्षण

● विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) अक्टूबर से शिक्षकों के प्रशिक्षण को लेकर एक बड़ा अभियान शुरू करने जा रहा है। इसमें कॉलेजों में पढ़ाने वाले 10,000 शिक्षकों व एक हजार शोधार्थियों को छह माह में भारतीय ज्ञान से जुड़ा प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण में छात्रों को प्रत्येक स्तर पर भारतीय ज्ञान परंपरा से परिचित कराने पर जोर दिया गया है। यह प्रशिक्षण देश के 75 विश्वविद्यालयों के जरिये दिया जाएगा और क्षमता के आधार पर संस्थानों का चयन किया जाएगा। प्रत्येक चयनित संस्थान को मदद भी दी जाएगी।

● आने वाले दिनों में भारत, अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच सैन्य सहयोग की शुरुआत होने वाली है। इसके तहत तीनों देशों के बीच सैन्य प्रशिक्षण, युद्धाभ्यास और सैन्य क्षेत्र से जुड़े सहयोग स्थापित किये जाएंगे। इसकी घोषणा अमेरिका व यूएई के शीर्ष नेताओं की बैठक के बाद जारी संयुक्त रणनीतिक बयान में की गई है। संयुक्त बयान में अमेरिका व यूएई ने क्षेत्रीय स्थिरता के लिए भारत के साथ सैन्य सहयोग को महत्वपूर्ण मानते हुए इसे ज्यादा प्रगाढ़ करने की बात कही है। उक्त दोनों देशों ने भारत से मध्य पूर्व क्षेत्र से होते हुए यूरोप तक की कनेक्टिविटी परियोजना को भी पूरा समर्थन देने की बात कही है।

26 सितम्बर

दुनिया के शीर्ष 100 बी-स्कूलों में भारत के 4 बी-स्कूल भी शामिल

● वैश्विक बिजनेस स्कूल और उच्च शिक्षा विश्लेषक क्वाक्वेरेली साइमंड्स के टॉप 100 रैंकिंग में इस वर्ष भारत के चार संस्थान शामिल हैं। क्यूएस ग्लोबल रैंकिंग वर्ष 2025 में आईआईएम बैंगलोर ने देश में शीर्ष बी-स्कूल के रूप में अपना स्थान बरकरार रखा है। इसके अलावा आईआईएम अहमदाबाद, आईआईएम कोलकाता और भारतीय स्कूल ऑफ बिजनेस हैदराबाद भी शीर्ष 100 में हैं। अमेरिका का स्टैनफोर्ड स्कूल ऑफ बिजनेस लगातार पांचवें साल बी-स्कूलों में शीर्ष स्थान पर बना हुआ है।

● देश में जरूरी दवाओं की आपूर्ति सुगम बनाने के लिए केंद्र सरकार ने चुनिंदा देशों से आयातित दवाओं के नियमित नमूना परीक्षण में छूट दी है। केंद्रीय औषधि नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) के नए दिशा-निर्देशों के अनुसार यह छूट अमेरीका, ऑस्ट्रेलिया, जापान, कनाडा और यूरोपीय संघ के देशों से आयातित उन दवाओं के लिए दी गई है जो पिछले पांच वर्षों में गुणवत्ता परीक्षण में विफल न हुई हों। ऐसी दवाओं के अब दो वर्ष में एक बार अथवा लगातार 20 खेपों में से किसी एक खेप का ही नमूना परीक्षण किया जाएगा। यदि किसी उत्पाद का नमूना गुणवत्ता परीक्षण में विफल हो जाता है, तो उत्पाद की अगली पांच लगातार खेपों का नमूना परीक्षण किया जाएगा। इसके साथ ही सरकार ने बंदरगाह अधिकारियों के लिए एक मार्गदर्शन दस्तावेज भी जारी किया है, जिसमें बताया गया है कि आयातित दवाई की गुणवत्ता की निगरानी कैसे करें।

27 सितम्बर

नई एयरलाइन 'शंख' को मिली उड़ान भरने की अनुमति

● एयरलाइन कंपनी 'शंख एयर' को देश में परिचालन के लिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय से मंजूरी मिल गई है। हालांकि, उड़ान भरने से पहले, शंख एयर को नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) से अंतिम स्वीकृति प्राप्त करनी होगी। मंत्रालय द्वारा जारी अनुमति पत्र में शंख एयर को सभी लागू नियमों का पालन करने का निर्देश दिया गया है, जिसमें प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से संबंधित नियम भी शामिल हैं। एयरलाइन को जारी किया गया 'नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट' (एनओसी) तीन साल के लिए मान्य है। यह उत्तर प्रदेश की पहली विमानन कंपनी होगी। इसका केंद्र लखनऊ और नोएडा में होगा। कंपनी सेवाओं की शुरुआत नई पीढ़ी के बोइंग 737-800 एनजी विमानों के बेड़े के साथ करेगी।

● भारत हिंद-प्रशांत और यूरोपीय संस्थानों के बीच सहयोग व सूचनाओं के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए खनिज सुरक्षा वित्त नेटवर्क (एमएसएफएन) में औपचारिक रूप से शामिल हो गया है। अमेरिका ने इस नेटवर्क की शुरुआत की है। इस पहल का उद्देश्य दुर्लभ खनिजों के लिए टिकाऊ आपूर्ति श्रृंखला बनाना है, जिससे इन संसाधनों पर चीन के नियंत्रण वाली चिंताओं का समाधान हो सके। इस नई साझेदारी के तहत सभी देशों ने माना है कि स्वच्छ ऊर्जा के टारगेट को हासिल करने के लिए महत्वपूर्ण खनिजों की बढ़ती वैश्विक मांग को पूरा करना किसी एक संस्था के बस की बात नहीं है। इसके लिए सार्वजनिक और निजी क्षेत्र को मिलकर काम करना होगा।

● भारत का शुक्र मिशन मार्च 2028 में लॉन्च किया जाएगा। केंद्र सरकार ने 19 सितम्बर को इस मिशन की मंजूरी दी। यह मिशन चार साल का होगा। वीनस यानी शुक्र ग्रह धरती से करीब 4 करोड़ किलोमीटर दूर है। वीनस को पृथ्वी का जुड़वां ग्रह भी कहा जाता है। हालांकि यहां का दिन-रात पृथ्वी की तुलना में काफी लंबा होता है। दरअसल वीनस अपनी धुरी पर बहुत धीमे घूमता है। इसकी वजह से वीनस का एक दिन पृथ्वी के 243 दिनों के बराबर होता है। भारत का यह मिशन वीनस के ऑर्बिट का अध्ययन करेगा। ग्रह की सतह, वायुमंडल, ऑयनोस्फियर (वायुमंडल का बाहरी हिस्सा) की जानकारी जुटाएगा। वीनस सूर्य के नजदीक (करीब 11 करोड़ किलोमीटर) है। ऐसे में सूर्य का इस पर क्या प्रभाव पड़ता है। इसका भी पता लगाएगा।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित
फोटो : गूगल से साभार)

R-50082/2024

वर्ष 41, अंक 40 30.09.2024 से 06.10.2024

रोज़गार और निर्माण

www rojgaraurnirman.in

- प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खाड़े
- सम्पादक - रंजना चितले
- प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
- प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
- आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
- वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इनसे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

मध्यप्रदेश के 267 विकासखंडों के 11 हजार 377 गांवों का होगा कायाकल्प

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय कैबिनेट ने 18 सितंबर 2024 को जनजातीय बहुल गांवों और आकांक्षी जिलों में जनजातीय परिवारों, समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के लिये एक बड़ा कदम उठाया है। केन्द्रीय कैबिनेट ने कुल 79 हजार 156 करोड़ रुपये बजट परिव्यय से प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान (पीएमजेयूजीए) को मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान का प्रमुख उद्देश्य जनजातीय होम स्टे कार्यक्रम, वनाधिकार पत्र धारकों के लिये समर्थन, सिकल सेल एनीमिया रोग का उन्मूलन, 4 जी मोबाइल कनेक्टिविटी तथा डिजिटल पहल जैसे अभिनव प्रयासों को बढ़ावा देना है। प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान में मध्यप्रदेश के 51 जिलों के 267 विकासखण्डों के 11 हजार 377 जनजातीय बहुल गांवों को कवर किया जायेगा। मध्यप्रदेश के 18 लाख 58 हजार 795 जनजातीय परिवारों और 93 लाख 23 हजार 125 जनजातीय आबादी को इस अभियान का सीधा लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जनजातीय समाज के आर्थिक सशक्तिकरण, सर्वसमावेशी विकास और इस समुदाय के समग्र उत्थान के लिये प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान को मंजूरी देने के लिये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का अभिनंदन कर आभार व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान में केन्द्र सरकार का हिस्सा 56 हजार 333 करोड़ रुपये और राज्यों का हिस्सा 22 हजार 823 करोड़ रुपये होगा। इस अभियान में देश के 63 हजार गांव शामिल किये जायेंगे, जिससे 5 करोड़ से अधिक जनजातीय आबादी को लाभ मिलेगा। देश के 30 राज्यों तथा केन्द्र शासित प्रदेशों के 569 जिलों के 2,740 विकासखंडों के सभी जनजातीय बहुल गांव इस अभियान में शामिल किये गये हैं। अभियान का लक्ष्य भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के जरिये गांवों के सामाजिक बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका में वर्गीय असमानता को कम करना और जनजातीय क्षेत्रों तथा समुदायों का समग्र और सतत विकास सुनिश्चित करना है। अभियान में 25 प्रकार की नागरिक सेवायें और सुविधाएं शामिल की गई हैं, जिन्हें केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय सहित 17 मंत्रालयों द्वारा क्रियान्वित किया जायेगा। यह सभी मंत्रालय और विभाग अनुसूचित जनजातियों के लिये अपनी-अपनी विकास कार्ययोजना (डीएपीएसटी) के तहत उन्हें दी गई बजट राशि से अगले 5 वर्षों (वित्त वर्ष 2024-25 से 2028-29) में तय लक्ष्यों पर चरणबद्ध रूप से काम करेंगे। यह सभी मंत्रालय जनजातीय वर्ग के कल्याण से संबंधित उनकी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिये जिम्मेदार भी होंगे। अभियान में केन्द्र सरकार द्वारा 4 प्रमुख लक्ष्य तय किये गये हैं। इसमें सभी पात्र जनजातीय परिवारों को पक्का घर एवं उनके गांवों के बुनियादी ढांचे में सुधार किया जायेगा। कौशल विकास, उद्यमिता संवर्द्धन और स्वरोज़गार के जरिये जनजातीय समुदायों के आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया जायेगा। जनजातीय वर्ग के बच्चों की अच्छी शिक्षा तक पहुंच का लोकव्यापीकरण तथा स्वस्थ जीवन और सम्मानजनक वृद्धावस्था यापन के लिये समुचित व्यवस्था करना भी इस अभियान के लक्ष्यों में शामिल है। अभियान की भौतिक और वित्तीय प्रगति की निगरानी पीएम गतिशक्ति मंच पर की जायेगी। अभियान में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले जिलों को पुरस्कृत भी किया जायेगा। अभियान में हो रहे कामकाज की निगरानी और क्रियान्वयन के लिये नीति निर्धारण और दिशा-निर्देश तय करने केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्री की अध्यक्षता में एक उच्चाधिकार समिति गठित की जायेगी। अभियान में बुनियादी ढांचे की मंजूरी और निर्माण की प्रगति की निगरानी और संचालन संबंधी दिशा-निर्देशों की समीक्षा के लिये जनजातीय कार्य मंत्रालय के सचिव की अध्यक्षता में मिशन संचालन समिति काम करेगी।

दूरबीन और टेलीस्कोप के बगैर भी आसानी से देखा जा सकेगा दुर्लभ धूमकेतु

अंतरिक्ष में कई घटनाएं विचित्र होती हैं जिसके बारे में हमें कम ही जानकारी होती है। ग्रहों और उपग्रहों की अठखेलियां हों या फिर सूर्य चंद्रमा की परिक्रमा का कार्य यह अलग ही नजर आता है। जल्द ही अंतरिक्ष से दुर्लभ मेहमान धूमकेतु के आने की दस्तक हुई है जो सितम्बर और अक्टूबर के महीने में अनोखी घटना के रूप में नजर आएगा। यह अवसर 80 हजार साल बाद पहली बार देखने के लिए मिल रहा है। अंतरिक्ष विज्ञान से जुड़े वैज्ञानिकों के अनुसार 80 हजार साल में पहली बार बेहद चमकीला धूमकेतु त्सुचिनशान-एटलस नजर आने वाला है। जिसे दुनियाभर में देखा जाएगा और इसे देखने के लिए किसी भी प्रकार के दूरबीन या टेलीस्कोप की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। वैसे तो धूमकेतु देखने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है, लेकिन यह दुर्लभ धूमकेतु 27 सितम्बर से 2 अक्टूबर के बीच देखने को मिल रहा है। वैसे तो यह दुर्लभ धूमकेतु है जो पूर्व-दक्षिणपूर्वी दिशा में सूरज के उगने से ठीक आधे घंटे पहले दिखाई देने वाला है। इसे देखने के लिए सही समय की बात की जाए तो, 29 सितम्बर और 30 सितंबर की सुबह इसे देखा जा सकता है। यह सुबह अर्ध-चंद्राकार चंद्रमा के साथ दिखाई देगा। रात में सबसे ज्यादा चमकने वाले 20 तारों जैसा दिखाई दे सकता है। अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के अनुसार धूमकेतु की पहचान मुश्किल नहीं है। इसे आप आसानी से देख पाएंगे। यह 2 अक्टूबर के बाद सूरज की रोशनी में गुम हो जाएगा। इसके बाद यह 12 अक्टूबर को फिर दिखाई देगा।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

महात्मा गांधी जयंती - 2 अक्टूबर

छुआछूत और जातिवाद मुक्त समाज की रचना के लिये समर्पित रहा गांधीजी का जीवन

सत्य और अहिंसा के आधार पर राष्ट्र रचना के लिये गांधीजी ने राम राज्य स्थापित करने की कल्पना की थी। वे एक ऐसी समाज व्यवस्था के पक्षधर थे जो जातिवाद, वर्ग भेद और ऊंच-नीच के भेदभाव से मुक्त हो। गांधीजी का पूरा जीवन इन्हीं मूल्यों की स्थापना के लिये समर्पित रहा। एक स्वस्थ और स्वच्छ समाज के लिये वे स्वयं झाड़ू लेकर निकले और जातिभेद से ऊपर समरस समाज की रचना के लिये हरिजन बस्तियों में गये और स्वदेशी एवं आत्मनिर्भरता के लिये हाथ में चरखा उठाया।

आज भारत स्वच्छ, स्वस्थ्य, समृद्ध, समरस और आत्मनिर्भरता का आकार लेने के लिये नई करवट ले रहा है। भारत राष्ट्र के इस स्वरूप की कल्पना लगभग सवा सौ वर्ष पहले गांधीजी ने की थी। वे मानते थे कि देश की स्वतंत्रता प्राप्त करना जितना संघर्षमय है उससे कहीं अधिक पुरुषार्थ उस स्वतंत्रता को बनाये रखने के लिये करना होगा। इसीलिए उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के साथ सामाजिक जाग्रति के उन अधारभूत बिन्दुओं की ओर समाज को जागरूक करने का अभियान छेड़ा जो स्वतंत्रता के बाद भारत को सशक्त और संगठित रखने के लिये आवश्यक थे। गांधीजी कहते थे कि किसी भी व्यक्ति, समाज, परिवार या राष्ट्र की पहली आवश्यकता स्वास्थ्य है और उसके लिये पहली सीढ़ी स्वच्छता है। तन और मन का स्वस्थ होना तभी संभव है जब व्यक्ति की आधारभूत आवश्यकताओं की पूर्ति सरलता से हो और आसपास का वातावरण स्वच्छ हो, समरस हो। इसीलिये गांधीजी ने स्वतंत्रता आंदोलन के साथ स्वच्छता, स्वदेशी, आर्थिक आत्मनिर्भरता, सामाजिक समरसता जैसे अभियान छेड़े। इन आधारभूत आवश्यकता पर गांधीजी ने तब भी काम किया था जब वे अपनी पढ़ाई पूरी करके लंदन से लौटे थे। वे स्वयं बस्तियों में सफाई करने और सामाजिक समरसता के लिये विभिन्न बस्तियों में गये थे। कुछ दिन रुककर वकालत करने दक्षिण अफ्रीका चले गये। गांधीजी वर्ष 1914 तक दक्षिण अफ्रीका में रहे और लौटकर भारत आये तब भारत महामारी से जूझ रहा था। उन्होंने पहले भारत के विभिन्न स्थानों की यात्रा की। अपनी भारत यात्रा में गांधीजी ने देखा कि एक ओर भारत गरीबी और अभाव से पीड़ित है और दूसरी ओर अंग्रेजों का शोषण एवं अमानुषिक व्यवहार। वे यह देखकर बहुत व्यथित हुए कि इतनी विपत्तियों के साथ भारत उन आंतरिक विसंगतियों में भी उलझा है जो भारतीय समाज रचना का मौलिक चिंतन नहीं हैं। इनमें छुआछूत थी, जातिवाद था और ऊंच-नीच की चर्चा थी। गांव के गांव खाली हो रहे थे, जो भारत कभी अन्न और धन से इतना संपन्न था कि 'सोने की चिड़िया' कहा जाता था, उस भारत में दो समय का भोजन मुश्किल हो रहा था। लोग भूख से मर रहे थे। यह सब देख गांधीजी ने भारत को इस दयनीय अवस्था से मुक्त करने का संकल्प लिया और स्वतंत्रता आंदोलन के साथ इन आधारभूत प्राथमिकताओं के प्रति जन जागरण आरंभ किया।

वे हाथ में झाड़ू लेकर स्वच्छता के लिये, चरखा लेकर स्वदेशी एवं आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिये और जातिवाद से ऊपर सामाजिक समरस समाज रचना के लिये सेवा बस्तियों में गये। गांधीजी ने इन बस्तियों में जाकर स्वयं सफाई अभियान चलाया और वहीं बैठकर दूध या अल्पाहार भी लेते थे।

जातिवाद से मुक्त भारत बनाना चाहते थे गांधीजी

गांधीजी सामाजिक समानता और समरसता के पक्षधर थे। वे वर्ण व्यवस्था और जाति व्यवस्था को अलग-अलग मानते थे उनका मानना था कि जातिवाद भारत की मौलिक अवधारणा नहीं है। यह समय की विसंगतियों से हावी हो गई है। वे कहते थे कि जातिवाद का वर्ण व्यवस्था से कोई संबंध नहीं। वर्ण व्यवस्था गुण, कर्म आधारित थी, जन्म आधारित नहीं। उन्होंने इन विषय पर आलेख भी लिखे और सभा संगोष्ठियों में अपने विचार भी रखे। गांधीजी का मानना था कि समाज के विभिन्न वर्गों के बीच जातिगत मतभेद और छुआछूत भी भारत की अनेक समस्याओं का कारण है, इसे मिटाना होगा। उनकी रामराज्य की कल्पना में वही समाज रचना थी जिसमें रामजी शबरी के झूठे बेर खाते हैं और निषादराज को गले लगाते हैं। गांधीजी ने अपने संबोधनों में भारतीय वांड्मय की वर्ण व्यवस्था की व्याख्या की और स्पष्ट किया कि इसमें छूआछूत को कोई स्थान नहीं है। वे कहते थे कि छुआछूत मानवीय मूल्यों और भारतीय अवधारणाओं के विरुद्ध है। गांधीजी का सार्वजानिक जीवन सामाजिक समानता और समाज जीवन की समरसता के लिये ही समर्पित रहा। जिन बस्तियों को अछूत समाज की बस्तियां माना जाने लगा था, गांधीजी ने उन बस्तियों को 'हरिजन बस्ती' नाम दिया। गांधीजी का मानना था कि इन बस्तियों में जो लोग रहते हैं वे जीवन के ऐसे सेवा कार्यों से जुड़े हैं जिनके बिना जीवन चलना संभव नहीं। यदि गली मोहल्लों की सफाई न हो, घरों से गंदगी न उठाई जाये, पशुओं की मृत देह को न उठाया जाये तो जीवन कैसे चल पायेगा। जीवनवर्धक कार्य करने वाले इस समाज को गांधीजी ने हरिजन नाम दिया और इनकी बस्तियों को हरिजन बस्ती। गांधीजी ने इन बस्तियों में स्वयं जाकर छुआछूत के विरुद्ध अभियान चलाया। समाज में एक समूह ऐसा भी हो गया था जो छुआछूत को मानने लगा था। गांधीजी ने इस समूह में जाकर भी मानवीय सत्य से अवगत कराया, उनके अभियान का प्रभाव पड़ा। इस दिशा में काम करने के लिये अनेक कार्यकर्ता तैयार हुए। गांधीजी सबको साथ लेकर मंदिरों में भी गये और एकरूपता की भावना को जाग्रत किया।

रामराज्य और ग्राम स्वराज की अवधारणा

आत्मनिर्भर भारत के लिये गांधीजी की स्वराज की अवधारणा केवल शासन व्यवस्था तक सीमित नहीं थी। इसमें आर्थिक और सामाजिक आत्मनिर्भरता के विषय भी शामिल थे। गांधीजी के चिंतन में केन्द्रीय स्वराज व्यवस्था के अंतर्गत ऐसी शासन व्यवस्था की कल्पना की थी जिसमें कोई दुखी न हो। सबको सब प्रकार की सुविधा हो और व्यक्ति, परिवार एवं समाज आत्मनिर्भर हो। ऐसी शासन व्यवस्था को गांधीजी ने रामराज्य की संज्ञा दी थी। और इसकी न्यूनतम इकाई ग्राम को माना और ग्राम स्वराज्य की अवधारणा प्रस्तुत की। उस समय भारत की अधिकतर जनसंख्या गांवों में निवास करती थी। जीवन की लगभग सभी आवश्यकताएं वन और ग्राम संपदा से पूरी होती थीं। वन संपदा के नगरों तक आने का मार्ग भी ग्राम थे। इसलिए गांधीजी गांवों में ऐसी व्यवस्था चाहते थे जो पूरी तरह आत्मनिर्भर हो। केवल और केवल नमक की आवश्यकता की आपूर्ति बाहर से हो और अन्य सभी उत्पादन गांव में स्थानीय ही हों। इसी प्रकार गांव की शासन व्यवस्था भी ग्रामीण स्तर पर ही हो। सबको अपने गांव में न्याय मिले। गांधीजी ने दो प्रकार की व्यवस्था प्रस्तुत की थी एक ग्राम पंचायत जो प्रशासनिक कार्य करे दूसरी न्याय पंचायत जो गांव के विवादों का समाधान गांव में ही कर दे। इस संयुक्त व्यवस्था को ही ग्राम स्वराज्य का नाम दिया था।

गांधीजी ग्रामों को देश और समाज जीवन की न्यूनतम इकाई बनाना चाहते थे और कहते थे कि ग्राम किसी केन्द्रीय सत्ता के आधीन नहीं होगा। प्रत्येक ग्राम आत्मनिर्भर होगा। गांधीजी का मानना था कि पंचायती राज लोकतंत्र का प्रतिनिधि है और इससे समाज का सशक्तिकरण होगा। गांधीजी ने अपनी स्वराज की अवधारणा में ऐसे स्वशासन की कल्पना प्रस्तुत की जो आदर्श जीवनशैली और आत्मसंयम से युक्त हो। वह सभी प्रकार के प्रतिबंधों से मुक्त हो और पूरी तरह आदर्श एवं आत्म- अनुशासित हो। सभी गांव और उनके निवासी सद्गुणों से युक्त हों। गांधीजी की कल्पना के गांव पूरी तरह अपराध और नशा दोनों से मुक्त हैं। गांधीजी की दृष्टि में यही स्वरूप राम राज्य का है। वे ऐसी शासन व्यवस्था के पक्षधर थे जो पूरी तरह विकेंद्रीकृत हो। जिसमें जनता के अधिकार जनता के पास हों। प्रत्येक गांव के प्रत्येक निवासी के पास अपना घर हो। कोई आवासहीन न रहे और प्रत्येक अपनी योग्यतानुसार रोज़गार करे। गांव की सभी आधारभूत आवश्यकता की पूर्ति गांव स्वयं करे। गांव के सभी घर पूर्ण स्वच्छता, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और वायु संचार युक्त हों। घर में ऐसे आंगन हों, जहां परिवार अपने उपयोग के लिए फल, सब्जी लगा सकें, आवश्यकतानुसार पशुपालन कर सकें। गांव की गलियां और रास्ते गंदगी और धूल से मुक्त हों। गांव के बाहर ऐसी खुली जगह हो जहां पशुधन विचरण कर सकें, बच्चे खेल सकें। गांव में ऐसे विद्यालय हों, जिसमें सामान्य शिक्षा के साथ-साथ औद्योगिक शिक्षा का भी प्रबंध हो। व्यक्ति और समाज का यह सशक्तिकरण ही लोकतंत्र का सशक्तिकरण होगा।

सर्वोदय एवं महिला सशक्तिकरण

अपने चिंतन और भारतीय दर्शन के अनुरूप गांधीजी प्रत्येक व्यक्ति का उत्थान चाहते थे। इसके लिये उन्होने 'सर्वोदय' अभियान की शुरुआत की, जिसे उनके बाद विनोबा जी ने आगे बढ़ाया। इसी प्रकार महिला सशक्तिकरण और जागरूकता के लिये गांधीजी ने अपने आंदोलनों में महिलाओं की सहभागिता पर जोर दिया। गांधीजी भारतीय दर्शन के समर्थक थे जिसमें महिलाओं को अपेक्षाकृत अधिक सम्मानित माना गया था। गांधीजी का यह दर्शन और व्यवहार घर में अपनी पत्नी कस्तूरबा गांधी को प्राथमिकता देने तथा आंदोलन में महिलाओं की सहभागिता दोनों प्रकार से झलकता है। उन्होंने अपने आलेखों में स्पष्ट लिखा कि महिलाओं को समाज में अद्वितीय योगदान देने वाली रचनात्मक शक्ति के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने महिलाओं को राजनीति में भाग लेने और स्वतंत्र सोच विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। गांधीजी ने महिलाओं के लिए शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। और बाल विवाह को अव्यवहारिक बताया।

रमेश शर्मा

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग इंदौर

सहायक प्राध्यापक (गृह विज्ञान) दिनांक 09.06.2024 (रविवार) परीक्षा परिणाम

विज्ञप्ति क्र.-4298/20/2024/अनु.-10 **इंदौर, दिनांक : 19.09.2024**

01. विज्ञापन क्रमांक-30/2022/30.12.2022, ऑनलाइन आवेदन अंतिम तिथि 31.03.2023।

(1)	विज्ञप्ति क्रमांक-12640/2022/अनु.-06 दिनांक 05.01.2023 (विज्ञापन के संबंध में केविएट याचिका दायर किए जाने के संबंध में)।
(2)	शुद्धि पत्र क्रमांक-01/16/2022 से 53/2022, दिनांक 10.01.2023 (सहायक प्राध्यापक, ग्रंथपाल एवं क्रीड़ा अधिकारी के विभिन्न विज्ञापनों के संबंध में ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि में संशोधन)।
(3)	शुद्धि पत्र क्रमांक-03/16/2022 से 53/2022, दिनांक 25.07.2023 सहायक प्राध्यापक, ग्रंथपाल एवं क्रीड़ा अधिकारी के विभिन्न विज्ञापनों के संबंध में ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि में संशोधन)।
(4)	शुद्धि पत्र क्रमांक-04/30/2022, दिनांक 24.11.2023 (सहायक प्राध्यापक गृह विज्ञान हेतु ऑनलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया पुनः प्रारंभ करने संबंधी)।
(5)	शुद्धि पत्र क्रमांक-01/30/2022, दिनांक 22.12.2023 (सहायक प्राध्यापक गृह विज्ञान हेतु परीक्षा आयोजन की सूचना संबंधी)।
(6)	विज्ञप्ति क्रमांक-3016/2024/प.नि. दिनांक 13.01.2024 (सहायक प्राध्यापक, ग्रंथपाल एवं क्रीड़ा अधिकारी परीक्षा-2022 तिथि परिवर्तन के संबंध में)।
(7)	विज्ञप्ति क्रमांक-3139/पेड/2024/प.-9, दिनांक 27.02.2024 (सहायक प्राध्यापक, ग्रंथपाल एवं क्रीड़ा अधिकारी परीक्षा-2022 को आयोजित परीक्षा के स्थगन के संबंध में)।
(8)	शुद्धि पत्र क्रमांक-07/16-53/2022 दिनांक 28.03.2024 (सहायक प्राध्यापक परीक्षा-2022 (समस्त विज्ञापित विषयों हेतु) एवं ग्रंथपाल एवं क्रीड़ा अधिकारी के पदों के लिए अतिथि विद्वानों को अधिकतम आयु सीमा में 10 वर्ष की छूट प्रदान किए जाने एवं समस्त अभ्यर्थियों हेतु ऑनलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया पुनः प्रारंभ करने विषयक।
(9)	शुद्धि पत्र क्रमांक-08/16-53/2022 दिनांक 12.04.2024 (संशोधित तिथि विन्यास) (सहायक प्राध्यापक परीक्षा-2022 (समस्त विज्ञापित विषयों हेतु) एवं ग्रंथपाल एवं क्रीड़ा अधिकारी के पदों के लिए अतिथि विद्वानों को अधिकतम आयु सीमा में अधिकतम 10 वर्ष की छूट प्रदान किए जाने एवं समस्त अभ्यर्थियों हेतु ऑनलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया पुनः प्रारंभ करने विषयक।
(10)	शुद्धि पत्र क्रमांक-09/16-53/2022 दिनांक 27.05.2024 (सहायक प्राध्यापक परीक्षा-2022 परीक्षा आयोजन की सूचना संबंधी)।
(11)	शुद्धि पत्र क्रमांक-02/16/2022 से 51/2022 दिनांक 15.03.2023 (अर्हकारी अंकों में 5 प्रतिशत अंकों की छूट के संदर्भ में)।
(12)	शुद्धि पत्र क्रमांक-11/30/2022 दिनांक 10.09.2024 (सहायक प्राध्यापक परीक्षा (गृह विज्ञान) परीक्षा-2022 विज्ञापित पदों हेतु मुख्य एवं प्रावधिक भाग की जानकारी)।

02. उपरोक्त विज्ञापन के अंतर्गत **सहायक प्राध्यापक (गृह विज्ञान)** जिला मुख्यालय इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, मुरैना, रीवा, सागर, शहडोल एवं उज्जैन के केन्द्रों पर दिनांक 09.06.2024 (रविवार) को दो सत्रों में प्रथम प्रश्न पत्र सामान्य अध्ययन प्रातः 10.00 से 11.00 बजे तक एवं द्वितीय प्रश्न पत्र गृह विज्ञान दोपहर 01.00 से 04.00 बजे तक आयोजित की गई थी।

03. उपरोक्तानुसार जारी विज्ञापन एवं शुद्धि पत्रों के माध्यम से विज्ञापित पदों की कुल संख्या निम्नानुसार है :–

श्रेणीवार/वर्गवार कुल विज्ञापित

क्र.	विवरण	UR	SC	ST	OBC	EWS	TOTAL
(अ)	कुल रिक्तियों की संख्या (TOTAL POST)	21	7	9	3	2	42
(ब)	कुल रिक्तियों में से महिलाओं के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या (FEMALE)	7	2	3	1	1	14
(स)	कुल रिक्तियों में से भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या (Exser)	-	-	-	-	-	-
(द)	कुल रिक्तियों में से दिव्यांगजन हेतु आरक्षित पद रिक्तियों की संख्या (PH)	-					-

04. राज्य सेवा परीक्षा-2019 के संबंध में माननीय उच्च न्यायालयों में लंबित याचिकाओं के अंतरिम आदेशों के परिप्रेक्ष्य में एवं सामान्य प्रशासन विभाग, म.प्र. भोपाल के ''पत्र क्रमांक-एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक, भोपाल, दिनांक 29 सितंबर 2022'' के प्रकाश में विज्ञापित विज्ञापन क्रमांक-17/2022/30.12.2022 में मुख्य एवं प्रावधिक भाग के विज्ञापित पदों के अनुसार आयोग द्वारा बैठक दिनांक 10.07.2023 के निर्णय क्र.-55 में उल्लेखित प्रक्रिया का पालन करते हुए उपरोक्त परीक्षा का परिणाम घोषित करने का निर्णय लिया गया है।

परीक्षा परिणाम घोषित किए जाने हेतु निम्नांकित प्रक्रिया का पालन किया जा रहा है :–

1. सामान्य प्रशासन विभाग के उपरोक्त पत्रानुसार प्रारंभिक परीक्षा/लिखित परीक्षा में चयनित (शॉर्टलिस्टेड) प्रावधिक अर्ह अभ्यर्थी परीक्षा के अगले प्रत्येक चरण (मुख्य परीक्षा, साक्षात्कार) में प्रावधिक रूप से ही सम्मिलित होंगे। माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय आने के उपरांत वह अपने संबंधित वर्ग (अन्य पिछड़ा वर्ग या अनारक्षित) में रोके गए 13 प्रतिशत पद के विरुद्ध ही चयनित होंगे न कि पूर्व घोषित हो चुके 87 प्रतिशत पद के विरुद्ध।
2. परीक्षा परिणामों के मुख्य भाग (87 प्रतिशत) एवं प्रावधिक भाग (13 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग एवं 13 प्रतिशत अनारक्षित) में अर्ह अभ्यर्थी अपने-अपने भाग में ही बने रहेंगे। चयन के किसी भी स्तर पर ये एक दूसरे से अंतर परिवर्तन (इंटरचेंज) हेतु दावा नहीं कर सकेंगे। चयन प्रक्रिया के प्रत्येक अगले चयन हेतु इस आशय का अभिवचन पत्र भी अभ्यर्थियों से अनिवार्यतः प्राप्त किया जाए।
   सामान्य प्रशासन विभाग के ''पत्र क्रमांक-एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक, भोपाल दिनांक 29 सितंबर 2022'' में दिए गए निर्देशों एवं आयोग के निर्णय अनुसार सहायक प्राध्यापक (गृह विज्ञान) के अंतर्गत विज्ञापित पदों का परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग में घोषित किया जाना है। सहायक प्राध्यापक (गृह विज्ञान) हेतु मुख्य भाग 87 प्रतिशत (14 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग के पदों) तथा (ब) प्रावधिक भाग (13 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अनारक्षित श्रेणी हेतु) के पदों का रिक्ति विवरण प्राप्त हुआ है। विज्ञापित पदों का रिक्ति विवरण निम्नानुसार है :–

स. क्र.	पद का नाम	अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु विज्ञापित कुल पद	मुख्य भाग 87 प्रतिशत (14 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग के पदों)	प्रावधिक भाग (13 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग एवं 13 प्रतिशत अनारक्षित श्रेणी हेतु)
1.	सहायक प्राध्यापक (गृह विज्ञान)	3	3	निरंक

उपरोक्तानुसार सहायक प्राध्याक (गृह विज्ञान) के परीक्षा परिणाम में **मुख्य भाग-अ** के लिए साक्षात्कार हेतु विज्ञापित पदों के 3 गुना+समान अंक प्राप्त प्रावधिक रूप से अर्ह कुल-131 अभ्यर्थियों की अनुक्रमांकवार सूची निम्नानुसार है :–

MADHYA PRADESH PUBLIC SERVICE COMMISSION
ASSISTANT PROFESSOR EXAM 2022 (HOME SCIENCE) - PART A (MAIN)
ROLL NUMBER WISE LIST OF SELECTED CANDIDATES

S.NO.	ROLL NO.	S.NO.	ROLL NO.	S.NO.	ROLL NO.	S.NO.	ROLL NO.
1.	150001	34.	150115	67.	150326	100.	150705
2.	150003	35.	150118	68.	150350	101.	150715
3.	150005	36.	150120	69.	150357	102.	150716
4.	150006	37.	150124	70.	150361	103.	150722
5.	150008	38.	150126	71.	150374	104.	150731
6.	150012	39.	150131	72.	150381	105.	150737
7.	150016	40.	150132	73.	150389	106.	150743
8.	150017	41.	150136	74.	150412	107.	150761
9.	150023	42.	150145	75.	150444	108.	150769
10.	150025	43.	150148	76.	150448	109.	150775
11.	150027	44.	150151	77.	150465	110.	150777
12.	150028	45.	150160	78.	150473	111.	150780
13.	150030	46.	150162	79.	150486	112.	150785
14.	150034	47.	150164	80.	150497	113.	150792
15.	150037	48.	150171	81.	150509	114.	150815
16.	150040	49.	150177	82.	150516	115.	150830
17.	150044	50.	150178	83.	150525	116.	150834
18.	150047	51.	150187	84.	150526	117.	150839
19.	150051	52.	150192	85.	150529	118.	150842
20.	150058	53.	150227	86.	150562	119.	150880
21.	150061	54.	150229	87.	150576	120.	150907
22.	150062	55.	150248	88.	150597	121.	150928
23.	150065	56.	150259	89.	150606	122.	150972
24.	150068	57.	150261	90.	150611	123.	150983
25.	150070	58.	150262	91.	150619	124.	150987
26.	150080	59.	150268	92.	150620	125.	151013
27.	150084	60.	150271	93.	150630	126.	151017
28.	150086	61.	150278	94.	150642	127.	151068
29.	150087	62.	150283	95.	150673	128.	151070
30.	150095	63.	150284	96.	150674	129.	151075
31.	150106	64.	150299	97.	150691	130.	151089
32.	150112	65.	150305	98.	150692	131.	151097
33.	150114	66.	150315	99.	150704		

प्रावधिक-(ब)

सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक-1416/4369/2021/38-1, भोपाल, दिनांक 06.09.2024 के माध्यम से पुनरीक्षित पद विवरण प्राप्त हुआ है जिसमें प्रावधिक भाग-ब हेतु पदों की संख्या निरंक है। अतः सहायक प्राध्यापक (गृह विज्ञान) परीक्षा-2022 का प्रावधिक भाग-ब निरंक है।

साक्षात्कार के लिए अभिलेख प्रेषित करने के संबंध में निर्देश :–

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, इंदौर

परिशिष्टि प्रपत्र-01

विज्ञापन क्रमांक :– 30/2022 दिनांक 30.12.2022	पद/परीक्षा का नाम :– सहायक प्राध्यापक (गृह विज्ञान)
अनुक्रमांक -	अभ्यर्थी का नाम :– .....

स. क्र.	दस्तावेज का विवरण	संलग्न दस्तावेजों के पृष्ठ क्रमांक	संलग्नक के पृष्ठों की कुल संख्या
1.	उपरोक्त परीक्षा के लिए भरे गए ऑनलाइन आवेदन पत्र की छायाप्रति।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
2.	उपरोक्त परीक्षा के प्रवेश पत्र की छायाप्रति।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
3.	उपस्थिति पत्रक-1 मूल प्रति।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
4.	व्यक्तिगत विवरण पत्रक-1 मूल प्रति एवं 5 छायाप्रतियां। (केवल मूल प्रति पर नम्बरिंग करना है। छायाप्रतियों पर नम्बरिंग नहीं करना है।)	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
5.	अनुप्रमाणन फॉर्म-3 मूल प्रति।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
6.	घोषणा पत्र (किसी भी चयन/परीक्षा से विवर्जित (Debar) नहीं होने संबंधी) 01 मूल प्रति।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
7.	हाईस्कूल की अंकसूची। (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
8.	हायर सेकेण्डरी की अंकसूची। (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
9.	स्नातक एवं स्नातकोत्तर की समस्त वर्षों की अंकसूचियां एवं उपाधि। (स्नातक परीक्षा दिनांक 13.04.2024 के पूर्व उत्तीर्ण होना अनिवार्य है) (छायाप्रति)।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
10.	यू.जी.सी. नेट/मध्यप्रदेश राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) उत्तीर्ण प्रमाण पत्र। (दिनांक 13.04.2024 तक का जारी प्रमाण पत्र) (छायाप्रति)।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
11.	प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में कार्यरत अतिथि विद्वानों के लिए निर्धारित प्रारूप में अध्यापन अनुभव प्रमाण पत्र। (दिनांक 13.04.2024 तक का जारी प्रमाण पत्र) (छायाप्रति)।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
12.	मध्यप्रदेश के मूल निवासी होने की स्थिति में म.प्र. राज्य का रोज़गार कार्यालय का जीवित पंजीयन प्रमाण-पत्र। (आयोग कार्यालय में अभिलेख प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक का जारी प्रमाण पत्र) (छायाप्रति)।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....

(शेष अगले पृष्ठ पर)

(पिछले पृष्ठ का शेष)

13.	मूल निवासी/स्थानीय निवासी प्रमाण-पत्र की प्रति। (प्रमाण-पत्र में प्रकरण क्रमांक, गोलसील, जावक क्रमांक, दिनांक का उल्लेख होना आवश्यक है।) (आयोग कार्यालय में अभिलेख प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक का जारी प्रमाण पत्र) (छायाप्रति)।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
14.	आरक्षित श्रेणी होने की स्थिति में सक्षम अधिकारी द्वारा जारी म.प्र. शासन का जाति प्रमाण पत्र। विवाहित महिलाओं के मामले में स्वयं के नाम के साथ पिता के नाम का जाति प्रमाण पत्र। (जाति प्रमाण पत्र में जारी करने की दिनांक, गोलसील एवं प्रकरण क्रमांक का उल्लेख होना आवश्यक है। अन्य राज्य के जारी जाति प्रमाण पत्र मान्य नहीं होंगे।) (म.प्र. शासन की सेवाओं हेतु निर्धारित प्रारूप में जाति प्रमाण-पत्र मान्य होंगे)। (आयोग कार्यालय में अभिलेख प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक का जारी प्रमाण पत्र (छायाप्रति)।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
15.	म.प्र. का मूल निवासी होने की स्थिति में अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को क्रीमीलेयर श्रेणी के अंतर्गत न आने संबंधी प्रस्तुत किए जाने वाला घोषणा पत्र-01 मूल प्रति।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
16.	म.प्र. का मूल निवासी होने की स्थिति में ई.डब्ल्यू.एस. श्रेणी के अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किए गए वित्तीय वर्ष :– (1) विज्ञापन क्रमांक-30/2022/30.12.2022 अनुसार ऑनलाइन आवेदन दिनांक 28.03.2023 से दिनांक 27.04.2023 तक ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किए गए आवेदकों द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-2023 का ई.डब्ल्यू.एस. श्रेणी का वैध प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाना है। अथवा (2) आयोग के शुद्धि पत्र क्रमांक-04/44/2022 दिनांक 24.11.2023 अनुसार ऑनलाइन आवेदन दिनांक 30.11.2023 से दिनांक 15.12.2023 तक ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किए गए आवेदकों द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-2024 का ई.डब्ल्यू.एस. श्रेणी का वैध प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाना है। अथवा (3) आयोग के शुद्धि पत्र क्रमांक-08/16-53/2022 दिनांक 12.04.2024 अनुसार ऑनलाइन आवेदन दिनांक 05.04.2024 से दिनांक 13.04.2024 तक ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किए गए आवेदकों द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-2025 का ई.डब्ल्यू.एस. श्रेणी का वैध प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाना है।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
17.	महिला अभ्यर्थियों हेतु विवाहोपरांत उपनाम परिवर्तन की स्थिति में शपथ पत्र की प्रति। (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
18.	म.प्र. शासन की सेवा में सेवारत शासकीय सेवक होने की स्थिति में विभाग द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण-पत्र की प्रति। अनापत्ति प्रमाण-पत्र न हो तो विभाग को अनापत्ति हेतु प्रस्तुत पत्र की प्रति संलग्न करें। (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
19.	मध्यप्रदेश शासन की सेवा में सेवारत होने की स्थिति में शासकीय सेवक हेतु अभिवचन पत्र-1 मूल प्रति।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
20.	भूतपूर्व सैनिक होने की स्थिति में ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 13.04.2024 के पूर्व भूतपूर्व सैनिक होने संबंधी दस्तावेज की प्रति एवं सेवावधि का विवरण पत्रक की प्रति। (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
21.	अभ्यर्थी का स्वयं का पहचान पत्र। (आधार कार्ड, मतदाता परिचय पत्र/पेन कार्ड/फोटोयुक्त बैंक पास बुक की प्रति/शासकीय कर्मचारी होने की स्थिति में नियोक्ता द्वारा जारी परिचय पत्र की प्रति/ड्रायविंग लायसेंस) (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
22.	दिव्यांग अभ्यर्थी होने की स्थिति में दिव्यांगता के प्रमाण पत्र की छायाप्रति। (ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि ....13.04.2024 के पूर्व प्रमाण पत्र जारी होना अनिवार्य है।)	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
23.	यदि अभ्यर्थी के विरुद्ध कोई आपराधिक प्रकरण/न्यायालयीन प्रकरण दर्ज हो जिसका निराकरण लंबित हो या हो चुका हो तो उससे संबंधित दस्तावेज।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
24.	आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध विज्ञापित पदों के मुख्य भाग (87 प्रतिशत) एवं प्रावधिक भाग (13 प्रतिशत) के आधार अभ्यर्थी ''अभिवचन'' पत्र की पूर्ति कर आयोग कार्यालय में साक्षात्कार दिवस को अनिवार्यतः प्रस्तुत करना सुनिश्चित करेंगे।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
25.	अन्य कोई दस्तावेज जो अभ्यर्थी प्रस्तुत करना चाहता है।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
	कुल संलग्नक दस्तावेजों की संख्या (अंकों में)		

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर :- .....

05. साक्षात्कार हेतु अर्ह अभ्यर्थी विज्ञापन अनुसार वांछित अपनी अर्हता संबंधी समस्त अभिलेख उपरोक्त परिशिष्ट प्रपत्र-01 अनुसार क्रम में प्रमाण-पत्रों की प्रमाणित/स्वप्रमाणित छायाप्रति संलग्न कर अभ्यर्थी अपना नाम, अनुक्रमांक, पृष्ठ क्रमांक एवं संलग्न दस्तावेज के कुल पृष्ठों की संख्या स्पष्टतः अंकित कर **दिनांक 10.10.2024 तक** आयोग कार्यालय में प्रेषित करें। डाक विभाग या अन्य किसी माध्यम से प्रेषित किए गए अभ्यर्थियों के अभिलेख आयोग कार्यालय में विलंब से प्राप्त होने पर आयोग जिम्मेदार नहीं होगा न ही इस संबंध में कोई पत्र व्यवहार मान्य किया जाएगा। अतः अभ्यर्थी निर्धारित तिथि तक अपने अभिलेख आयोग कार्यालय भेजना सुनिश्चित करें। जिन अभ्यर्थियों के अभिलेख अंतिम तिथि तक प्राप्त नहीं होंगे उनके विषय में यह माना जाएगा कि वे साक्षात्कार में भाग नहीं लेना चाह रहे हैं, उनकी उम्मीदवारी निरस्त कर आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। अभ्यर्थी द्वारा आवेदन पत्र में दी गई समस्त जानकारियों की आयोग कार्यालय द्वारा सूक्ष्म जांच करने के उपरांत सही पाए जाने पर ही अभ्यर्थी को साक्षात्कार की पात्रता होगी। साक्षात्कार की दिनांक पृथक से घोषित की जाएगी।

महत्वपूर्ण टीप :-

1. सूची में दर्शाए गए परीक्षा परिणाम पूर्णतः प्रावधिक हैं। यदि अभ्यर्थी सहायक प्राध्यापक (गृह विज्ञान) के लिए अधिसूचित नियमों एवं शर्तों को पूर्ण नहीं करते हैं तो साक्षात्कार हेतु उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जाएगी।
2. आरक्षित वर्ग के वे अभ्यर्थी जिनके प्राप्तांक अनारक्षित वर्ग के प्राप्तांकों के बराबर या अधिक हैं उन्हें नियमानुसार मुख्य तथा प्रावधिक दोनों ही भागों में अनारक्षित वर्ग में लघुसूचीकृत किया गया है।
3. सहायक प्राध्यापक (गृह विज्ञान) के साक्षात्कार की दिनांक पृथक से घोषित की जाएगी।
4. न्यायालयीन प्रकरणों का अंतिम चयन परिणाम माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा।
5. ऑनलाइन आवेदन पत्र में त्रुटिपूर्ण, अपूर्ण, असत्य जानकारी देने अथवा आयोग द्वारा जारी विज्ञापन में चाही गई वांछित औपचारिकताएं पूर्ण न करने के परिणाम स्वरूप चयन के किसी भी स्तर पर अभ्यर्थी की उम्मीदवारी निरस्त की जा सकेगी।
6. साक्षात्कार हेतु प्रावधिक रूप से अर्ह अभ्यर्थियों की सूची आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.mp.gov.in** पर उपलब्ध है। यह स्पष्ट किया जाता है कि मुद्रण त्रुटियों के लिए आयोग जिम्मेदार नहीं होगा एवं आयोग कार्यालय में रखी परीक्षा परिणाम की सूची ही प्रमाणिक मानी जाएगी।
7. उपरोक्तानुसार जारी प्रावधिक लिखित परीक्षा परिणाम का अंतिम चयन परिणाम माननीय उच्च न्यायालय में लंबित याचिका क्रमांक डब्ल्यू.पी.-5901/2019 एवं समान अन्य याचिकाओं एवं माननीय उच्चतम न्यायालय में दायर याचिका क्रमांक- एस.एल.पी. 12398/2023 के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा।
8. सहायक प्राध्यापक परीक्षा-2022 में उच्च शिक्षा विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुसार मध्यप्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों के अतिथि विद्वान (रिक्त पदों के विरुद्ध एवं जनभागीदारी) तथा मध्यप्रदेश के विश्वविद्यालयों में संविदा आधार पर कार्यरत अतिथि विद्वानों के संबंध में माननीय उच्च न्यायालय में प्रचलित न्यायालयीन प्रकरण याचिका क्र.-WP No.-3709/2023, WP No.-10455/2023 एवं अन्य समान याचिकाओं का अंतिम चयन परिणाम माननीय उच्च न्यायालय द्वारा याचिकाओं के पारित अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा।
9. लिखित परीक्षा परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कोई तकनीकी त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि संज्ञान में आती है तो आयोग के पास परीक्षा परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
10. आयोग की बैठक दिनांक 30.10.2023 में लिए गए निर्णय क्रमांक-31 के अनुसार सहायक प्राध्यापक (गृह विज्ञान) की अंतिम उत्तरकुंजी में विलोपित किए गए प्रश्नों के अंक परीक्षा में सम्मिलित समस्त अभ्यर्थियों को समान रूप से प्रदाय किए गए हैं अर्थात् दोनों प्रश्न पत्रों के लिए न्यूनतम उत्तीर्णांक की गणना हेतु निर्धारित पूर्णांक यथावत हैं।
10. अभ्यर्थियों को निर्देशित किया जाता है कि वे अपने अभिलेख **दिनांक 10.10.2024 तक** निम्न पते पर भेजना सुनिश्चित करें :-

प्रति,
सचिव,
मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग,
रेसीडेंसी एरिया, इंदौर

अभ्यर्थी अपने अभिलेख के लिफाफे पर **सहायक प्राध्यापक (गृह विज्ञान) के साक्षात्कार हेतु अभिलेख** अवश्य लिखें।

जी-16526/50069/2024 **उप परीक्षा नियंत्रक**

कार्यालय महानिरीक्षक पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक, मध्यप्रदेश

''पंजीयन भवन'' प्लॉट नं. 35-ए, अरेरा हिल्स भोपाल-462011

(वेबसाइट : www.mpigr.gov.in, ई-मेल : igrebpl@nic.in)

क्रमांक 262/स्था. सेवा/2024 **भोपाल, दिनांक : 24.09.2024**

स्टेनोग्राफर एवं सहायक ग्रेड-3 के निःशक्तजनों (दिव्यांगजन) के पदों की पूर्ति हेतु विज्ञापन (वर्ष 2024)

दिव्यांगजन हेतु चिह्नांकित पदों में से स्टेनोग्राफर एवं सहायक ग्रेड-3 के रिक्त पदों की पूर्ति एम.पी. ऑनलाइन के माध्यम से आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाकर निम्नानुसार की जानी है -

1. दिव्यांगजनों के रिक्त पदों का विवरण निम्नानुसार है :–

क्र.	पदनाम	कुल रिक्त पद	रिक्त पदों में दिव्यांगजन की श्रेणी
1.	स्टेनोग्राफर	01	दृष्टि बाधित और कम दृष्टि - 01 पद
2.	सहायक ग्रेड-3	01	दृष्टि बाधित और कम दृष्टि - 01 पद

2. ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की अवधि :– दिनांक 26.09.2024 से 21.10.2024 तक तथा आवेदन संशोधन दिनांक 23.10.2024 तक रहेगी।

3. ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की उपलब्धता :– एम.पी. ऑनलाइन लिमिटेड, मध्यप्रदेश भोपाल की वेबसाइट **www.mponline.gov.in** के माध्यम से स्वयं एवं एम.पी. ऑनलाइन के किसी कियोस्क केन्द्र के माध्यम से आवेदन पत्र ऑनलाइन भरा जा सकता है।

4. सामान्य शर्तें :–

4.1 मध्यप्रदेश के स्थायी निवासी आवेदकों के लिए आयु सीमा संबंधी प्रावधान, वेतनमान, शैक्षणिक अर्हता आदि समस्त विस्तृत विवरण/नियम पुस्तिका एम.पी. ऑनलाइन लिमिटेड, मध्यप्रदेश भोपाल की वेबसाइट **www.mponline.gov.in** पर एवं पंजीयन विभाग की वेबसाइट **www.mpigr.gov.in** पर उपलब्ध है।

4.2 आवेदकों के पास समस्त निर्धारित न्यूनतम अर्हताएं, आवेदन नियम पुस्तिका (रूल बुक) में उल्लेख अनुसार होना अनिवार्य है। इसके बाद किसी भी दिनांक को अर्हताएं अर्जित करने वाले आवेदक विज्ञापित पद के लिए विचारित होने की पात्रता नहीं रखेंगे।

विशेष नोट :– सम्पूर्ण चयन प्रक्रिया के दौरान यदि कोई कम्प्यूटर/टंकण/लिपिकीय त्रुटि पायी जाती है तो पंजीयन विभाग किसी भी स्तर पर वैध सुधार का अधिकार सुरक्षित रखता है।

उप महानिरीक्षक पंजीयन

जी-16661/50074/2024 **वास्ते महानिरीक्षक पंजीयन मध्यप्रदेश**

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग इंदौर

सहायक प्राध्यापक (संस्कृत) परीक्षा-2022 दिनांक 09.06.2024 (रविवार) परीक्षा परिणाम

विज्ञप्ति क्र.-4297/19/2024/अनु.-10 **इंदौर, दिनांक : 19.09.2024**

01. विज्ञापन क्रमांक-44/2022/30.12.2022, ऑनलाइन आवेदन अंतिम तिथि 27.04.2023

(1)	विज्ञप्ति क्रमांक-12654/2022/अनु.-06 दिनांक 05.01.2023 (विज्ञापन के संबंध में केविएट याचिका दायर किए जाने के संबंध में)।
(2)	शुद्धि पत्र क्रमांक-01/16/2022 से 53/2022, दिनांक 10.01.2023 (सहायक प्राध्यापक, ग्रंथपाल एवं क्रीड़ा अधिकारी के विभिन्न विज्ञापनों के संबंध में ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि में संशोधन)।
(3)	शुद्धि पत्र क्रमांक-03/16/2022 से 53/2022, दिनांक 25.07.2023 सहायक प्राध्यापक, ग्रंथपाल एवं क्रीड़ा अधिकारी के विभिन्न विज्ञापनों के संबंध में ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि में संशोधन)।
(4)	शुद्धि पत्र क्रमांक-04/44/2022, दिनांक 24.11.2023 (सहायक प्राध्यापक संस्कृत हेतु ऑनलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया पुनः प्रारंभ करने संबंधी)।
(5)	सूचना पत्र क्रमांक-01/44/2022, दिनांक 22.12.2023 (सहायक प्राध्यापक संस्कृत हेतु परीक्षा आयोजन की सूचना)।
(6)	विज्ञप्ति क्रमांक-3016/2024/प.नि. दिनांक 13.01.2024 (सहायक प्राध्यापक, ग्रंथपाल एवं क्रीड़ा अधिकारी परीक्षा-2022 तिथि परिवर्तन के संबंध में)।
(7)	विज्ञप्ति क्रमांक-3139/पेड/2024/प.-9, दिनांक 27.02.2024 सहायक प्राध्यापक, ग्रंथपाल एवं क्रीड़ा अधिकारी परीक्षा-2022 दिनांक 03.03.2024 को आयोजित परीक्षा के स्थगन की सूचना संबंधी।
(8)	शुद्धि पत्र क्रमांक-07/16-53/2022 दिनांक 28.03.2024 (सहायक प्राध्यापक परीक्षा-2022 (समस्त विज्ञापित विषयों हेतु) एवं ग्रंथपाल एवं क्रीड़ा अधिकारी के पदों के लिए अतिथि विद्वानों को अधिकतम आयु सीमा में 10 वर्ष की छूट प्रदान किए जाने एवं समस्त अभ्यर्थियों हेतु ऑनलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया पुनः प्रारंभ करने विषयक।
(9)	शुद्धि पत्र क्रमांक-08/16-53/2022 दिनांक 12.04.2024 (संशोधित तिथि विन्यास) (सहायक प्राध्यापक परीक्षा-2022 (समस्त विज्ञापित विषयों हेतु) एवं ग्रंथपाल एवं क्रीड़ा अधिकारी के पदों के लिए अतिथि विद्वानों को अधिकतम आयु सीमा में अधिकतम 10 वर्ष की छूट प्रदान किए जाने एवं समस्त अभ्यर्थियों हेतु ऑनलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया पुनः प्रारंभ करने विषयक।
(10)	शुद्धि पत्र क्रमांक-09/16-53/2022 दिनांक 27.05.2024 (सहायक प्राध्यापक परीक्षा-2022 परीक्षा आयोजन की सूचना संबंधी)।
(11)	शुद्धि पत्र क्रमांक-02/16/2022 से 51/2022 दिनांक 15.03.2023 (अर्हकारी अंकों में 5 प्रतिशत अंकों की छूट के संदर्भ में)।
(12)	शुद्धि पत्र क्रमांक-11/44/2022 दिनांक 10.09.2024 (सहायक प्राध्यापक परीक्षा (संस्कृत) परीक्षा-2022 विज्ञापित पदों हेतु मुख्य एवं प्रावधिक भाग की जानकारी)।

02. उपरोक्त विज्ञापन के अंतर्गत **सहायक प्राध्यापक (संस्कृत) परीक्षा-2022** जिला मुख्यालय इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, मुरैना, रीवा, सागर, शहडोल एवं उज्जैन के केन्द्रों पर दिनांक 09.06.2024 (रविवार) को दो सत्रों में प्रथम प्रश्न पत्र सामान्य अध्ययन प्रातः 10.00 से 11.00 बजे तक एवं द्वितीय प्रश्न पत्र संस्कृत दोपहर 01.00 से 04.00 बजे तक आयोजित की गई थी।

03. उपरोक्तानुसार जारी विज्ञापन एवं शुद्धि पत्रों के माध्यम से विज्ञापित पदों की कुल संख्या निम्नानुसार है :–

श्रेणीवार/वर्गवार कुल विज्ञापित

क्र.	विवरण	UR	SC	ST	OBC	EWS	TOTAL
(अ)	कुल रिक्तियों की संख्या (TOTAL POST)	13	-	1	2	1	17
(ब)	कुल रिक्तियों में से महिलाओं के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या (FEMALE)	4	-	-	1	-	5
(स)	कुल रिक्तियों में से भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या (Exser)	-	-	-	-	-	-
(द)	कुल रिक्तियों में से दिव्यांगजन हेतु आरक्षित पद रिक्तियों की संख्या (PH)	-					-

04. राज्य सेवा परीक्षा-2019 के संबंध में माननीय उच्च न्यायालयों में लंबित याचिकाओं के अंतरिम आदेशों के परिप्रेक्ष्य में एवं सामान्य प्रशासन विभाग, म.प्र. भोपाल के ''पत्र क्रमांक-एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक, भोपाल, दिनांक 29 सितंबर 2022'' के प्रकाश में विज्ञापित विज्ञापन क्रमांक-17/2022/30.12.2022 में मुख्य एवं प्रावधिक भाग के विज्ञापित पदों के अनुसार आयोग द्वारा बैठक दिनांक 10.07.2023 के निर्णय क्र.-55 में उल्लेखित प्रक्रिया का पालन करते हुए उपरोक्त परीक्षा का परिणाम घोषित करने का निर्णय लिया गया है।

परीक्षा परिणाम घोषित किए जाने हेतु निम्नांकित प्रक्रिया का पालन किया जा रहा है :–

1. सामान्य प्रशासन विभाग के उपरोक्त पत्रानुसार प्रारंभिक परीक्षा/लिखित परीक्षा में चयनित (शॉर्टलिस्टेड) प्रावधिक अर्ह अभ्यर्थी परीक्षा के अगले प्रत्येक चरण (मुख्य परीक्षा, साक्षात्कार) में प्रावधिक रूप से ही सम्मिलित होंगे। माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय आने के उपरांत वह अपने संबंधित वर्ग (अन्य पिछड़ा वर्ग या अनारक्षित) में रोके गए 13 प्रतिशत पद के विरुद्ध ही चयनित होंगे न कि पूर्व घोषित हो चुके 87 प्रतिशत पद के विरुद्ध।
2. परीक्षा परिणामों के मुख्य भाग (87 प्रतिशत) एवं प्रावधिक भाग (13 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग एवं 13 प्रतिशत अनारक्षित) में अर्ह अभ्यर्थी अपने-अपने भाग में ही बने रहेंगे। चयन के किसी भी स्तर पर ये एक दूसरे से अंतर परिवर्तन (इंटरचेंज) हेतु दावा नहीं कर सकेंगे। चयन प्रक्रिया के प्रत्येक अगले चयन हेतु इस आशय का अभिवचन पत्र भी अभ्यर्थियों से अनिवार्यतः प्राप्त किया जाए।

सामान्य प्रशासन विभाग के ''पत्र क्रमांक-एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक, भोपाल दिनांक 29 सितंबर 2022'' में दिए गए निर्देशों एवं आयोग के निर्णय अनुसार सहायक प्राध्यापक (संस्कृत) परीक्षा-2022 के अंतर्गत विज्ञापित पदों का परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग में घोषित किया जाना है। सहायक प्राध्यापक (संस्कृत) परीक्षा-2022 हेतु मुख्य भाग 87 प्रतिशत (14 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग के पदों) तथा (ब) प्रावधिक भाग (13 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अनारक्षित श्रेणी हेतु) के पदों का रिक्ति विवरण प्राप्त हुआ है जिसे आयोग द्वारा शुद्धि पत्र क्रमांक-11/44/2022 दिनांक 10.09.2024 को आयोग की वेबसाइट पर प्रकाशित भी कर दिया गया है। विज्ञापित पदों का रिक्ति विवरण निम्नानुसार है :–

स. क्र.	पद का नाम	अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु विज्ञापित कुल पद	मुख्य भाग 87 प्रतिशत (14 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग के पदों)	प्रावधिक भाग (13 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग एवं 13 प्रतिशत अनारक्षित श्रेणी हेतु)
1.	सहायक प्राध्यापक (संस्कृत) परीक्षा-2022	2	2	निरंक

उपरोक्तानुसार सहायक प्राध्याक (संस्कृत) परीक्षा-2022 के परीक्षा परिणाम में **मुख्य भाग-अ** के लिए साक्षात्कार हेतु विज्ञापित पदों के 3 गुना+समान अंक प्राप्त प्रावधिक रूप से अर्ह कुल-64 अभ्यर्थियों की अनुक्रमांकवार सूची निम्नानुसार है :–

MADHYA PRADESH PUBLIC SERVICE COMMISSION
ASSISTANT PROFESSOR EXAM 2022 (SANSKRIT) - PART A (MAIN)
ROLL NUMBER WISE LIST OF SELECTED CANDIDATES

S.NO.	ROLL NO.	S.NO.	ROLL NO.	S.NO.	ROLL NO.	S.NO.	ROLL NO.
1.	170005	17.	170295	33.	170577	49.	170909
2.	170039	18.	170355	34.	170581	50.	170940
3.	170059	19.	170356	35.	170586	51.	170941
4.	170066	20.	170367	36.	170614	52.	170973
5.	170081	21.	170416	37.	170650	53.	170974
6.	170095	22.	170421	38.	170658	54.	170975
7.	170122	23.	170435	39.	170672	55.	170982
8.	170127	24.	170451	40.	170692	56.	171072
9.	170139	25.	170452	41.	170698	57.	171093
10.	170161	26.	170463	42.	170701	58.	171097
11.	170170	27.	170489	43.	170703	59.	171125
12.	170176	28.	170497	44.	170714	60.	171143
13.	170197	29.	170521	45.	170746	61.	171170
14.	170233	30.	170522	46.	170787	62.	171300
15.	170236	31.	170537	47.	170817	63.	171309
16.	170243	32.	170543	48.	170854	64.	171436

प्रावधिक-(ब)

मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग, मंत्रालय के पत्र क्रमांक-1416/4369/2021/38-1, भोपाल, दिनांक 06.09.2024 के माध्यम से पुनरीक्षित पद विवरण प्राप्त हुआ है जिसे आयोग द्वारा शुद्धि पत्र क्रमांक-11/44/2022 दिनांक 10.09.2024 को आयोग की वेबसाइट पर प्रकाशित कर दिया गया है। शुद्धि पत्र में प्रावधिक भाग-ब हेतु पदों की संख्या निरंक है। अतः सहायक प्राध्यापक (संस्कृत) परीक्षा-2022 का प्रावधिक भाग-ब निरंक है।

साक्षात्कार के लिए अभिलेख प्रेषित करने के संबंध में निर्देश :–

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, इंदौर

परिशिष्टि प्रपत्र-01

विज्ञापन क्रमांक :– 44/2022 **दिनांक** : 30.12.2022	**पद/परीक्षा का नाम** :– सहायक प्राध्यापक (संस्कृत) परीक्षा-2022
अनुक्रमांक -	**अभ्यर्थी का नाम** :– .....

स. क्र.	दस्तावेज का विवरण	संलग्न दस्तावेजों के पृष्ठ क्रमांक	संलग्नक के पृष्ठों की कुल संख्या
1.	उपरोक्त परीक्षा के लिए भरे गए ऑनलाइन आवेदन पत्र की छायाप्रति।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
2.	उपरोक्त परीक्षा के प्रवेश पत्र की छायाप्रति।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
3.	उपस्थिति पत्रक-1 मूल प्रति।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
4.	व्यक्तिगत विवरण पत्रक-1 मूल प्रति एवं 5 छायाप्रतियां। (केवल मूल प्रति पर नम्बरिंग करना है। छायाप्रतियों पर नम्बरिंग नहीं करना है।)	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
5.	अनुप्रमाणन फॉर्म-3 मूल प्रति।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
6.	घोषणा पत्र (किसी भी चयन/परीक्षा से विवर्जित (Debar) नहीं होने संबंधी) 01 मूल प्रति।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
7.	हाईस्कूल की अंकसूची। (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
8.	हायर सेकेण्डरी की अंकसूची। (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
9.	स्नातक एवं स्नातकोत्तर की समस्त वर्षों की अंकसूचियां एवं उपाधि। (स्नातक परीक्षा दिनांक 13.04.2024 के पूर्व उत्तीर्ण होना अनिवार्य है) (छायाप्रति)।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
10.	यू.जी.सी. नेट/मध्यप्रदेश राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) उत्तीर्ण प्रमाण पत्र। (दिनांक 13.04.2024 तक का जारी प्रमाण पत्र) (छायाप्रति)।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
11.	प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में कार्यरत अतिथि विद्वानों के लिए निर्धारित प्रारूप में अध्यापन अनुभव प्रमाण पत्र। (दिनांक 13.04.2024 तक का जारी प्रमाण पत्र) (छायाप्रति)।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
12.	मध्यप्रदेश के मूल निवासी होने की स्थिति में म.प्र. राज्य का रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन प्रमाण-पत्र। (आयोग कार्यालय में अभिलेख प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक का जारी प्रमाण पत्र) (छायाप्रति)।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
13.	मूल निवासी/स्थानीय निवासी प्रमाण-पत्र की प्रति। (प्रमाण-पत्र में प्रकरण क्रमांक, गोलसील, जावक क्रमांक, दिनांक का उल्लेख होना आवश्यक है।) (आयोग कार्यालय में अभिलेख प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक का जारी प्रमाण पत्र) (छायाप्रति)।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....

(शेष अगले पृष्ठ पर)

(पिछले पृष्ठ का शेष)

14.	आरक्षित श्रेणी होने की स्थिति में सक्षम अधिकारी द्वारा जारी म.प्र. शासन का जाति प्रमाण पत्र। विवाहित महिलाओं के मामले में स्वयं के नाम के साथ पिता के नाम का जाति प्रमाण पत्र। (जाति प्रमाण पत्र में जारी करने की दिनांक, गोलसील एवं प्रकरण क्रमांक का उल्लेख होना आवश्यक है। अन्य राज्य के जारी जाति प्रमाण पत्र मान्य नहीं होंगे।) (म.प्र. शासन की सेवाओं हेतु निर्धारित प्रारूप में जाति प्रमाण-पत्र मान्य होंगे)। (आयोग कार्यालय में अभिलेख प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक का जारी प्रमाण पत्र (छायाप्रति)।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
15.	म.प्र. का मूल निवासी होने की स्थिति में अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को क्रीमीलेयर श्रेणी के अंतर्गत न आने संबंधी प्रस्तुत किए जाने वाला घोषणा पत्र-01 मूल प्रति।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
16.	म.प्र. का मूल निवासी होने की स्थिति में ई.डब्ल्यू.एस. श्रेणी के अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किए गए वित्तीय वर्ष :– (1) विज्ञापन क्रमांक-44/2022/30.12.2022 अनुसार ऑनलाइन आवेदन दिनांक 28.03.2023 से दिनांक 27.04.2023 तक ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किए गए आवेदकों द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-2023 का ई.डब्ल्यू.एस. श्रेणी का वैध प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाना है। अथवा (2) आयोग के शुद्धि पत्र क्रमांक-04/44/2022 दिनांक 24.11.2023 अनुसार ऑनलाइन आवेदन दिनांक 30.11.2023 से दिनांक 15.12.2023 तक ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किए गए आवेदकों द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-2024 का ई.डब्ल्यू.एस. श्रेणी का वैध प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाना है। अथवा (3) आयोग के शुद्धि पत्र क्रमांक-08/16-53/2022 दिनांक 12.04.2024 अनुसार ऑनलाइन आवेदन दिनांक 05.04.2024 से दिनांक 13.04.2024 तक ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किए गए आवेदकों द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-2025 का ई.डब्ल्यू.एस. श्रेणी का वैध प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाना है।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
17.	महिला अभ्यर्थियों हेतु विवाहोपरांत उपनाम परिवर्तन की स्थिति में शपथ पत्र की प्रति। (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
18.	म.प्र. शासन की सेवा में सेवारत शासकीय सेवक होने की स्थिति में विभाग द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण-पत्र की प्रति। अनापत्ति प्रमाण-पत्र न हो तो विभाग को अनापत्ति हेतु प्रस्तुत पत्र की प्रति संलग्न करें। (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
19.	मध्यप्रदेश शासन की सेवा में सेवारत होने की स्थिति में शासकीय सेवक हेतु अभिवचन पत्र-1 मूल प्रति।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
20.	भूतपूर्व सैनिक होने की स्थिति में ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 13.04.2024 के पूर्व भूतपूर्व सैनिक होने संबंधी दस्तावेज की प्रति एवं सेवावधि का विवरण पत्रक की प्रति। (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
21.	अभ्यर्थी का स्वयं का पहचान पत्र। (आधार कार्ड, मतदाता परिचय पत्र/पेन कार्ड/फोटोयुक्त बैंक पास बुक की प्रति/ शासकीय कर्मचारी होने की स्थिति में नियोक्ता द्वारा जारी परिचय पत्र की प्रति/ड्रायविंग लायसेंस) (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
22.	दिव्यांग अभ्यर्थी होने की स्थिति में दिव्यांगता के प्रमाण पत्र की छायाप्रति। (ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि ....13.04.2024 के पूर्व प्रमाण पत्र जारी होना अनिवार्य है।)	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
23.	यदि अभ्यर्थी के विरुद्ध कोई आपराधिक प्रकरण/ न्यायालयीन प्रकरण दर्ज हो जिसका निराकरण लंबित हो या हो चुका हो तो उससे संबंधित दस्तावेज।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
24.	आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध विज्ञापित पदों के मुख्य भाग (87 प्रतिशत) एवं प्रावधिक भाग (13 प्रतिशत) के आधार अभ्यर्थी ''अभिवचन'' पत्र की पूर्ति कर आयोग कार्यालय में साक्षात्कार दिवस को अनिवार्यतः प्रस्तुत करना सुनिश्चित करेंगे।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
25.	अन्य कोई दस्तावेज जो अभ्यर्थी प्रस्तुत करना चाहता है।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
	कुल संलग्नक दस्तावेजों की संख्या (अंकों में)		

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर :- .....

05. साक्षात्कार हेतु अर्ह अभ्यर्थी विज्ञापन अनुसार वांछित अपनी अर्हता संबंधी समस्त अभिलेख उपरोक्त परिशिष्ट प्रपत्र-01 अनुसार क्रम में प्रमाण-पत्रों की प्रमाणित/स्वप्रमाणित छायाप्रति संलग्न कर अभ्यर्थी अपना नाम, अनुक्रमांक, पृष्ठ क्रमांक एवं संलग्न दस्तावेज के कुल पृष्ठों की संख्या स्पष्टतः अंकित कर **दिनांक 10.10.2024 तक** आयोग कार्यालय में प्रेषित करें। डाक विभाग या अन्य किसी माध्यम से प्रेषित किए गए अभ्यर्थियों के अभिलेख आयोग कार्यालय में विलंब से प्राप्त होने पर आयोग जिम्मेदार नहीं होगा न ही इस संबंध में कोई पत्र व्यवहार मान्य किया जाएगा। अतः अभ्यर्थी निर्धारित तिथि तक अपने अभिलेख आयोग कार्यालय भेजना सुनिश्चित करें। जिन अभ्यर्थियों के अभिलेख अंतिम तिथि तक प्राप्त नहीं होंगे उनके विषय में यह माना जाएगा कि वे साक्षात्कार में भाग नहीं लेना चाह रहे हैं, उनकी उम्मीदवारी निरस्त कर आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। अभ्यर्थी द्वारा आवेदन पत्र में दी गई समस्त जानकारियों की आयोग कार्यालय द्वारा सूक्ष्म जांच करने के उपरांत सही पाए जाने पर ही अभ्यर्थी को साक्षात्कार की पात्रता होगी। साक्षात्कार की दिनांक पृथक से घोषित की जाएगी।

सर्व शिक्षा अभियान (जिला शिक्षा केन्द्र)
कार्यालय कलेक्टर, प्रथम तल, कक्ष क्र. 125
जिला बड़वानी-451551

Ph. - 07290-291026, 222287, Email - zskbarwani@gmail.com

क्र./2203/एसएसए/बालिका शिक्षा/2024 — बड़वानी, दिनांक : 23.09.2024

विज्ञप्ति

सर्व शिक्षा अभियान जिला बड़वानी अंतर्गत संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय सिलावद, बुदी, पलसूद, गेरूघाटी एवं नेताजी सुभाष चन्द्र बोस बालिका छात्रावास डोंगरगांव, ओसाड़ा, कुआं, सोलवन में सहायक वार्डन के रिक्त प्रभार हेतु जिले की शासकीय विद्यालयों में कार्यरत सहायक शिक्षिका/प्राथमिक शिक्षिका से आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। उक्त पद हेतु जिला शिक्षा केन्द्र बड़वानी में आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदन का प्रारूप एवं शर्तें जिला/जनपद शिक्षा केन्द्र पर देखा जा सकता है।

विशेष :– विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से **15 दिवस** के मध्य आवेदन स्वीकार्य हैं।

जिला परियोजना समन्वयक
जिला शिक्षा केन्द्र, बड़वानी

जी-16676/50076/2024

संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क
तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोज़गार विभाग भोपाल
मध्यप्रदेश शासन के अधीन

Hazrat Nizamuddin Colony Road, Narela Shankari, Bhopal, Madhya Pradesh
Pin Code-462022
Web. : http://globalskillspark.in | Email: directorssrgsp.admfin@gmail.com

Ref : SSRGSP/HR/Advt/2024/942 — Date : 24.09.2024

CORRIGENDUM

This is with reference to the advertisement Ref.GSP/Bpl/Advt/823 dated 30-August-2024, published on 1-September-2024, the "Trainer Terms of Reference (TOR)" under Educational Qualifications should be read as: "Graduate degree/diploma in Mechanical/Production Engineering with an advanced certificate in Precision Engineering.

Additionally, the reservation of categories as per the Madhya Pradesh Government norms, which was not mentioned in the original advertisement, details of which are in the official website, will be followed for all the concerned positions.

To address these, we are re-opening the advertisement for a further **15 days** from the date of this corrigendum.

Applicants who have already applied for different positions need not re-apply, as their applications would be considered. Those who are re-applying for some reason, need to mention clearly that which application is to be considered.

For more details, please visit our official website.

Chief Executive Officer
SSR Global Skills Park, Bhopal

G-16615/50073/2024

महत्वपूर्ण टीप :-

1. सूची में दर्शाए गए परीक्षा परिणाम पूर्णतः प्रावधिक हैं। यदि अभ्यर्थी सहायक प्राध्यापक (संस्कृत) परीक्षा-2022 के लिए अधिसूचित नियमों एवं शर्तों को पूर्ण नहीं करते हैं तो साक्षात्कार हेतु उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जाएगी।
2. आरक्षित वर्ग के वे अभ्यर्थी जिनके प्राप्तांक अनारक्षित वर्ग के प्राप्तांकों के बराबर या अधिक हैं उन्हें नियमानुसार मुख्य तथा प्रावधिक दोनों ही भागों में अनारक्षित वर्ग में लघुसूचीकृत किया गया है।
3. सहायक प्राध्यापक (संस्कृत) परीक्षा-2022 के साक्षात्कार की दिनांक पृथक से घोषित की जाएगी।
4. न्यायालयीन प्रकरणों का अंतिम चयन परिणाम माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा।
5. ऑनलाइन आवेदन पत्र में त्रुटिपूर्ण, अपूर्ण, असत्य जानकारी देने अथवा आयोग द्वारा जारी विज्ञापन में चाही गई वांछित औपचारिकताएं पूर्ण न करने के परिणाम स्वरूप चयन के किसी भी स्तर पर अभ्यर्थी की उम्मीदवारी निरस्त की जा सकेगी।
6. साक्षात्कार हेतु प्रावधिक रूप से अर्ह अभ्यर्थियों की सूची आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.mp.gov.in** पर उपलब्ध है। यह स्पष्ट किया जाता है कि मुद्रण त्रुटियों के लिए आयोग जिम्मेदार नहीं होगा एवं आयोग कार्यालय में रखी परीक्षा परिणाम की सूची ही प्रमाणिक मानी जाएगी।
7. उपरोक्तानुसार जारी प्रावधिक लिखित परीक्षा परिणाम का अंतिम चयन परिणाम माननीय सर्वोच्च न्यायालय में लंबित याचिका क्रमांक TRANSFER PETITION (C) No. 1120 OF 2023 Dated 02.09.2024 एवं माननीय उच्च न्यायालय में याचिका क्रमांक-5596/2024, 2108/2022 एवं समान अन्य याचिकाओं व माननीय उच्चतम न्यायालय में दायर याचिका क्रमांक-एस.एल.पी. 12398/2023 के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा। उपरोक्त परीक्षा से संबंधित प्रचलित न्यायालयीन प्रकरणों का अंतिम चयन परिणाम माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा।
8. सहायक प्राध्यापक परीक्षा-2022 में उच्च शिक्षा विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुसार मध्यप्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों के अतिथि विद्वान (रिक्त पदों के विरुद्ध एवं जनभागीदारी) तथा मध्यप्रदेश के विश्वविद्यालयों में संविदा आधार पर कार्यरत अतिथि विद्वानों के संबंध में माननीय उच्च न्यायालय में प्रचलित न्यायालयीन प्रकरण याचिका क्र.-WP No.-24490/2023 एवं अन्य समान याचिकाओं का अंतिम चयन परिणाम माननीय उच्च न्यायालय द्वारा याचिकाओं के पारित अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा।
9. लिखित परीक्षा परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कोई तकनीकी त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि संज्ञान में आती है तो आयोग के पास परीक्षा परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
10. आयोग की बैठक दिनांक 30.10.2023 में लिए गए निर्णय क्रमांक-31 के अनुसार सहायक प्राध्यापक (संस्कृत) परीक्षा-2022 की अंतिम उत्तरकुंजी में विलोपित किए गए प्रश्नों के अंक परीक्षा में सम्मिलित समस्त अभ्यर्थियों को समान रूप से प्रदाय किए गए हैं अर्थात् दोनों प्रश्न पत्रों के लिए न्यूनतम उत्तीर्णांक की गणना हेतु निर्धारित पूर्णांक यथावत हैं।
10. अभ्यर्थियों को निर्देशित किया जाता है कि वे अपने अभिलेख **दिनांक 10.10.2024 तक** निम्न पते पर भेजना सुनिश्चित करें :-

प्रति,

सचिव,
मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग,
रेसीडेंसी एरिया, इंदौर

अभ्यर्थी अपने अभिलेख के लिफाफे पर **सहायक प्राध्यापक (संस्कृत) परीक्षा-2022 के साक्षात्कार हेतु अभिलेख** अवश्य लिखें।

जी-16588/50070/2024 — उप परीक्षा नियंत्रक

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

क्रमांक 8318/35/2023/चयन इंदौर, दिनांक : 20.09.2024

पदनाम - व्याख्याता, अगद तंत्र
चयन-सूची (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)

आयोग के विज्ञापन क्रमांक **20/2023** दिनांक **05.07.2023** एवं समय-समय पर जारी शुद्धिपत्रादि, सूचनाओं आदि के संदर्भ में म.प्र. शासन, आयुष विभाग के अंतर्गत विज्ञापित पद - **व्याख्याता, अगद तंत्र** के **कुल-03 पद** (अनारक्षित-निरंक, अ.जा.-01, अ.ज.जा.-01, अ.पि.वर्ग-01, ई.डब्ल्यू.एस.-निरंक) विज्ञापित किए गए हैं। उक्त पदों की पूर्ति के लिए अर्ह आवेदकों के साक्षात्कार **दिनांक 31 अगस्त, 2024** को आयोजित किए गए।

2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक दिनांक 29.09.2022 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग के रूप में घोषित किया जाना प्रावधानित किया गया है। चूंकि उक्त विज्ञापित पदों में अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु विज्ञापित पद की संख्या 01 होने के कारण इस पद हेतु 87 एवं 13 प्रतिशत पदों के विभाजन की आवश्यकता नहीं है। अतएव चयन परिणाम केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) का घोषित किए जाने के प्रावधान के तहत मुख्य भाग हेतु विज्ञापित रिक्तियों का विवरण निम्नांकित तालिका में अंकित है। अन्य पिछड़ा वर्ग के पदों की संख्या 01 होने के कारण प्रावधिक भाग-13 प्रतिशत हेतु रिक्तियों की संख्या निरंक होने के परिणाम स्वरूप पृथक से प्रावधिक भाग का चयन परिणाम जारी किए जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

3. अतएव साक्षात्कार में प्राप्तांकों के गुणानुक्रम के आधार पर निम्नानुसार केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) की चयन सूची घोषित की जाती है :–

व्याख्याता, अंगद तंत्र (म.प्र. शासन आयुष विभाग)
पद विवरण तालिका (मुख्य भाग -87 प्रतिशत)

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई.डब्ल्यू.एस.	योग
कुल पदों की संख्या	0	1	1	1	0	3

मुख्य सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	Seat	श्रेणी
1.	14806	DR. POORNIMA MANSORIA	F	ST	ST
2.	14808	ROHIT KUMAR KHATIK	M	SC	SC
3.	14809	SHATRUNJAY MARKAM	M	OBC	OBC

अनुपूरक सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	श्रेणी
1.	14802	SHEETAL CHOUDHARI	F	OBC
2.	14801	NEELAM MALVIYA	F	SC

टीप :– 1. चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि आयोग के संज्ञान में आती है तो आयोग के पास चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

सचिव
जी-16665/50075/2024 **म.प्र. लोक सेवा आयोग, इंदौर**

कौशल विकास संचालनालय म.प्र.

क्र./कौविसं/स्टेट सेल/प्रवेश/2024/1552 भोपाल, दिनांक : 24.09.2024

विज्ञप्ति

म.प्र. राज्य एवं राज्य के बाहर के इच्छुक आवेदक विभाग के पोर्टल **(www.dsd.mp.gov.in)** पर ''प्रवेश रजिस्ट्रेशन 2024'' पर जाकर रजिस्ट्रेशन/रजिस्ट्रेशन में त्रुटिसुधार एवं च्वाईस फिलिंग कर सकेंगे। पूर्व से रजिस्टर्ड अप्रवेशित आवेदकों को भी सूचित किया जाता है कि वे रिक्त सीटों के अनुरूप किसी 01 संस्था के किसी एक व्यवसाय की नवीन च्वाईस फिलिंग अनिवार्यतः करें। आवेदक एलॉटमेंट प्रिंट करके, समस्त आवश्यक दस्तावेजों सहित संबंधित आईटीआई में स्वयं उपस्थित होकर प्रवेश की संपूर्ण कार्यवाही उसी दिन पूर्ण अवश्य करें। प्रवेश हेतु रजिस्ट्रेशन/त्रुटिसुधार एवं च्वाईस फिलिंग हेतु पोर्टल पर **''पहले आओ पहले पाओ''** राउण्ड की प्रक्रिया दिनांक 30.09.2024 तक प्रारंभ है।

म.प्र. की आईटीआई में प्रवेश - 2024
''पहले आओ पहले पाओ'' राउण्ड (अंतिम तिथि - 30.09.2024)

स.क्र.	गतिविधियां	तिथियां
1.	''पहले आओ पहले पाओ'' राउण्ड • नवीन रजिस्ट्रेशन/च्वाईस फिलिंग/त्रुटि सुधार हेतु पोर्टल प्रारंभ। • केंडिडेट स्वेच्छा से किसी 01 आईटीआई के किसी 01 ट्रेड की च्वाईस फिलिंग कर सकेंगे। • समस्त रजिस्टर्ड केंडिडेट को प्रवेश हेतु च्वाईस फिलिंग करना अनिवार्य है। • च्वाईस लॉक करने के पश्चात संशोधन किया जाना संभव नहीं है। अतः केंडिडेट को सावधानी पूर्वक आईटीआई/व्यवसाय का चयन करना चाहिए। • च्वाईस फिलिंग करने के पूर्व आईटीआई में व्यवसायवार रिक्त सीटों की संख्या अवश्य जांच कर लेवें। • केंडिडेट को प्रवेश के लिए रु. 50 का भुगतान कर च्वाईस लॉक करना होगा, तत्पश्चात अलॉटमेंट लेटर प्रिंट कर संबंधित आईटीआई में प्रवेश हेतु समस्त दस्तावेज की मूल प्रति एवं 02 सेट फोटोकॉपी सहित पहुंचकर वेरिफिकेशन उसी दिवस करवाना होगा। • वेरिफिकेशन के पश्चात प्रवेश फीस का भुगतान कर प्रवेश स्लिप प्रिंट कर आईटीआई में जमा करना होगा। • यदि केंडिडेट द्वारा उपरोक्त प्रक्रिया को पूर्ण नहीं किया जाता है तो उनका अलॉटमेंट संस्था द्वारा अगले कार्यालयीन दिवस में दोपहर 02 बजे के पश्चात निरस्त कर रिक्त सीट अनुसार अन्य आवेदक को प्रवेश दिया जा सकेगा।	अंतिम तिथि 30.09.2024

प्रवेश पोर्टल पर किसी भी प्रकार की समस्या होने पर संपर्क करें
फोन नं. - 9171257462, 8982018733, 9111749057
ईमेल - mpiticounselling2024@gmail.com

संयुक्त संचालक
जी-16734/50081/2024 **कौशल विकास संचालनालय, म.प्र.**

कार्यालय, अध्यक्ष काउंसलिंग समिति
तकनीकी शिक्षा संचालनालय, मध्यप्रदेश

टैगोर छात्रावास, क्रमांक टी-2, दूरदर्शन रोड, श्यामला हिल्स, भोपाल-462002
अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्, नई दिल्ली के संशोधित शैक्षणिक कैलेण्डर क्रमांक AICTE/RB-AC-cir/2024 Dated 24/09/2024 के परिपालन में प्रवेश का अवसर

संस्था स्तर की काउंसलिंग (CLC)

सत्र 2024-25

(मध्यप्रदेश के शासकीय/स्वशासी/अनुदान प्राप्त/स्ववित्तीय/निजी क्षेत्र संस्थानों में संचालित, एआईसीटीई द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम)

प्रवेश हेतु उपलब्ध पाठ्यक्रम

इंजीनियरिंग डिप्लोमा	बी.ई./बी.टेक.
लेटरल एंट्री-आई.टी.आई. से डिप्लोमा	लेटरल एंट्री-बी.ई./बी.टेक.
डिप्लोमा (एम.ओ.एम./बी.सी.सी./फिल्म टेक्नोलॉजी एण्ड टी.व्ही. प्रोडक्शन)	बी.डिजाइन
डिप्लोमा - अम्बेडकर/एकलव्य योजनान्तर्गत	बैचलर इन होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी (BHMCT)
एम.ई./एम.टेक.	एकीकृत एम.बी.ए. (IIMBA)
एम.बी.ए.	एकीकृत एम.सी.ए. (IIMCA)
एम.सी.ए.	वर्किंग प्रोफेशनल- (डिप्लोमा, बीई./बी.टेक., एम.ई/एम.टेक.)
एम. प्लानिंग	

***

समय-सारणी

पंजीयन	प्रवेश का अवसर प्राप्त करने हेतु तिथियां
30.09.2024 से 08.10.2024 रात्रि 11:30 बजे तक	07.10.2024 एवं रिक्तियां रहने पर 08.10.2024 प्रात: 10:30 बजे से रात्रि 11:45 तक
उपरोक्त काउंसलिंग उपरांत रिक्त रह गई सीटों के लिये	
09.10.2024 से 16.10.2024 रात्रि 11:30 बजे तक	15.10.2024 एवं रिक्तियां रहने पर 16.10.2024 प्रात: 10:30 बजे से रात्रि 11:45 तक
उपरोक्त काउंसलिंग उपरांत रिक्त रह गई सीटों के लिये	
17.10.2024 से 23.10.2024 रात्रि 11:30 बजे तक	22.10.2024 एवं रिक्तियां रहने पर 23.10.2024 प्रात: 10:30 बजे से रात्रि 11:45 तक

महत्वपूर्ण:-

- प्रवेश का अवसर प्राप्त करने के लिये संस्था स्तर की काउंसलिंग हेतु पंजीयन करा चुके अभ्यर्थी, अधिकृत वेबसाइट पर संस्था/ब्रांच की उपलब्ध रिक्तियों का अवलोकन कर उपरोक्त दर्शायी गई तिथियों पर प्रवेश का अवसर प्राप्त करने के लिये इच्छुक संस्था में प्रात: 10:30 बजे स्वयं उपस्थित होकर उपस्थिति दर्ज करवाना आवश्यक है। तत्पश्चात मेरिट के अनुसार प्रवेश की कार्यवाही की जावेगी।
- प्रवेश प्रथमत: प्रवेश परीक्षा के आधार पर और तदुपरांत अर्हकारी (Qualifying) परीक्षा के प्राप्त अंकों के आधार पर संस्था स्तर पर दिया जायेगा।
- प्रवेश नियम, विस्तृत समय-सारणी, अभ्यर्थी मार्गदर्शिका/काउंसलिंग प्रक्रिया, अधिकृत सहायता केन्द्रों की सूची इत्यादि, वेबसाइट **dte.mponline.gov.in** पर उपलब्ध है। काउंसलिंग में सम्मिलित होने के पूर्व इनका सूक्ष्मता से अध्ययन कर लें।

प्रवेश निरस्त

- संस्था स्तर की काउंसलिंग (CLC) में, प्रवेश का अवसर प्राप्त करने की दिनांक को, प्रवेश निरस्तीकरण की सुविधा उपलब्ध नहीं रहेगी।
- AICTE द्वारा सत्र 2024-25 में प्रवेश के लिए जारी किये गये पूर्व में जारी किये शैक्षणिक कैलेण्डर के अनुसार दिनांक 11.09.2024 तक प्रवेश निरस्त कराने पर फीस वापसी का प्रावधान था। AICTE द्वारा जारी संशोधित शैक्षणिक कैलेण्डर के अनुसार प्रवेश निरस्त कराने पर किसी भी प्रकार की फीस की वापसी नहीं होगी।

Contact:- 0755-6720205, 2660441, Email:- dte.helpcenter@mp.gov.in

म.प्र. माध्यम/116624/2024 R-50097/2024 **आयुक्त तकनीकी शिक्षा**

संचालनालय, किसान कल्याण तथा कृषि विकास
मध्यप्रदेश, भोपाल

क्रमांक/स्था./अ-3-अ/AEO/दिव्यांग/2024/2075 भोपाल, दिनांक : 27 सितम्बर, 2024

शुद्धि-पत्र

कृषि विस्तार अधिकारी एवं सहायक ग्रेड-03 संवर्ग के नि:शक्तजनों (दिव्यांगजन) के पदों की पूर्ति हेतु विज्ञापन (वर्ष 2024)

मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय भोपाल के पत्र क्रमांक एफ 7-19/2019/आ.प्र./एक, दिनांक 31.05.2024 द्वारा माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर में दायर याचिका क्रमांक WP No. 7275/2019 विरुद्ध मध्यप्रदेश शासन व अन्य में पारित निर्णय दिनांक 30 जनवरी, 2024 के परिपालन में दिव्यांगजनों के लिए बैकलॉग के पदों सहित चिन्हांकित किए गए निम्नांकित रिक्त पदों की पूर्ति हेतु ''**वॉक-इन-इंटरव्यू**'' (Walk-in-Interview) के माध्यम से इस संचालनालय द्वारा जारी ससंख्यक विज्ञापन क्रमांक 1869 दिनांक 03.09.2024 की दोनों पदों की रूल बुक के नियम 15.5 के अंतर्गत भर्ती हेतु पदों की संख्या संशोधित कर निम्नानुसार की जाती है:-

1. **पदों का विवरण :-**

स. क्र.	दिव्यांग श्रेणी का विवरण	कृषि विस्तार अधिकारी के भर्ती हेतु पदों की संख्या	सहायक ग्रेड- 03 के भर्ती हेतु पदों की संख्या
1	दृष्टि बाधित और कम दृष्टि (VH)	76	11
2	बहरे और कम सुनने वाले (EH)	81	10
3	लोकोमोटर डिसेबिलिटी जिसमें सम्मिलित है, सेरेब्रल पाल्सी, कुष्ठ रोग मुक्त, बौनापन, एसिड अटैक पीड़ित, मस्कुलर डिस्ट्राफी (LD)	37	निरंक
4	ऑटिज्म, बौद्धिक दिव्यांगता, स्पेसिफिक लर्निंग डिसेबिलिटी और मानसिक बीमारी और बहु विकलांगता (MD)	90	10
	योग	284	31

2. कृषि विस्तार अधिकारी एवं सहायक ग्रेड-03 हेतु जारी रूल बुक में भी उपरोक्तानुसार भर्ती हेतु पदों की संख्या का संशोधन मान्य होगा।
शेष शर्तें यथावत रहेंगी।

म.प्र. माध्यम/116637/2024 R-50098/2024 **संचालक**

पोस्ट बेसिक बी.एससी. नर्सिंग (PBBSc Nursing) तथा मास्टर ऑफ साइंस नर्सिंग (M.Sc. Nursing) सिलेक्शन टेस्ट-2024

आवेदन पत्र भरने की तिथि :- 25.09.2024 से 09.10.2024 तक | **ऑनलाइन परीक्षा पद्धति समय सारणी** | **आवेदन पत्र में संशोधन करने की तिथि 25.09.2024 से 14.10.2024 तक**

परीक्षा दिनांक	परीक्षा की पाली	अभ्यर्थियों के लिए रिपोर्टिंग समय	उत्तर अंकित का समय
26 अक्टूबर, 2024 से प्रारंभ	प्रथम	प्रात: 07:00 से प्रात: 08:00 बजे तक	प्रात: 09:00 से 11:00 बजे तक(02 घंटे)
	द्वितीय	दोपहर 12:00 से दोपहर 01:00 बजे तक	दोपहर 02:00 से 04:00 बजे तक (02 घंटे)

परीक्षा शहर : भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, रतलाम, रीवा, सागर, सतना, उज्जैन, खण्डवा एवं नीमच

आवेदन पत्र भरने की प्रकिया एवं महत्वपूर्ण निर्देश :-

1. परीक्षा की विस्तृत नियमपुस्तिका मण्डल की वेबसाइट **www.esb.mp.gov.in** पर उपलब्ध रहेगी, जिसमें उल्लेखित समस्त नियमों/जानकारी का अध्ययन करके ही आवेदन पत्र भरा जावे।
2. वेबसाइट **www.esb.mponline.gov.in** के माध्यम से आवेदन पत्र भरा जा सकता है।
3. **परीक्षा शुल्क***

अनारक्षित अभ्यर्थियों के लिए	रु. 500/- प्रति प्रश्न पत्र
अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/दिव्यांगजन एवं ई.डब्ल्यू.एस. अभ्यर्थियों के लिए (केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासियों के लिए)	रु. 250/-प्रति प्रश्न पत्र
ऑनलाइन आवेदन- कियोस्क के माध्यम से ऑनलाइन भरने वाले अभ्यर्थियों हेतु एम.पी. ऑनलाइन का पोर्टल शुल्क	रु. 60/-
अतिरिक्त रजिस्टर्ड सिटिजन यूजर के माध्यम से लॉगिन कर फार्म भरने पर पोर्टल शुल्क	रु. 20/-

विशेष निर्देश

1. अभ्यर्थी का आधार पंजीयन अनिवार्य है।
2. मण्डल द्वारा आयोजित परीक्षाओं में मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र लाना अनिवार्य होगा। मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र के रूप में अभ्यर्थी मतदाता पहचान पत्र, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, आधार कार्ड, पासपोर्ट में से कोई एक को चयनित कर सकता है। यू.आई.डी.ए.आई. (UIDAI) के द्वारा सत्यापित (Verify) होने पर ही ई-आधार मान्य होगा। मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र के अभाव में परीक्षार्थी को परीक्षा में सम्मिलित होने से वंचित किया जाएगा।
3. अभ्यर्थी को नियम पुस्तिका में विनिश्चित मूल परिचय पत्र के अतिरिक्त अपना आधार कार्ड/ई - आधार कार्ड की छायाप्रति/ आधार नंबर/आधार VID की जानकारी लाना अनिवार्य है।
4. परीक्षा में प्रवेश के समय एवं परीक्षा के दौरान बहुस्तरीय बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य है। अत: जिन अभ्यर्थियों का आधार नंबर लॉक हैं वह परीक्षा दिनांक को परीक्षा केंद्र पर उपस्थिति के पूर्व आधार अनलॉक करवाना सुनिश्चित करें।
5. परीक्षार्थियों को परीक्षा में रिपोर्टिंग समय तक परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति होगी। इसके पश्चात विलम्ब से आने पर अभ्यर्थियों की प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।
6. परीक्षा कक्ष में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस यथा मोबाइल फोन, कैलक्युलेटर, लॉग टेबल्स, डिजीटल घड़ी, नकल पर्चा एवं sun glasses (धूप का चश्मा) आदि का उपयोग पूर्णत: वर्जित है।
7. ऑनलाइन आवेदन-पत्र क्रमांक के द्वारा ही ऑनलाइन परीक्षा हेतु अभ्यर्थी अपना प्रवेश-पत्र प्राप्त कर सकते हैं। अत: आवेदन-पत्र क्रमांक आवश्यक रूप से संभाल कर रखें, जिसकी समस्त जिम्मेदारी आवेदक की ही होगी।
8. परीक्षा केंद्र पर आवेदक को काला बाल प्वाइंट पेन तथा परीक्षा हॉल में प्रवेश हेतु मण्डल वेबसाइट से डाउनलोड किये गये प्रवेश-पत्र साथ लाना अनिवार्य है।
9. किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा प्रारंभ होने के पश्चात् परीक्षा समाप्ति तक परीक्षा कक्ष छोड़ने की अनुमति नहीं होगी।
10. आवेदन-पत्र भरते समय उम्मीदवारों के किसी भी प्रमाण पत्र का परीक्षण मण्डल द्वारा नहीं किया जाकर नियुक्ति प्रकिया के दौरान संबंधित विभाग द्वारा किया जाता है। अत: कम्प्यूटर आधारित (Online) परीक्षा में उम्मीदवारों की पात्रता (Eligibility) पूर्णत: प्रावधिक (Provisional) होगी।

विशेष नोट- मण्डल अपनी सुविधानुसार परीक्षा तिथि/परीक्षा पाली/शहरों/केन्द्रों एवं अन्य बिन्दुओं में परिवर्तन कर सकता है।

विज्ञापन क्र. 36/2024

संचालक

मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मण्डल
'चयन भवन' मेन रोड नं. - 1, चिनार पार्क (ईस्ट) भोपाल - 462011
Fax : +91-0755-2550498, Website : www.esb.mp.gov.in

म.प्र. माध्यम/116559/2024 R-50087/2024

म.प्र. शासन, स्कूल शिक्षा विभाग एवं म.प्र. शासन, जनजातीय कार्य विभाग द्वारा प्राथमिक शिक्षक के लिए संयुक्त पात्रता परीक्षा 2024

ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की तिथि 01.10.2024 से 15.10.2024 तक | **ऑनलाइन परीक्षा पद्धति समय सारणी** | **आवेदन पत्र में संशोधन करने की तिथि 01.10.2024 से 20.10.2024 तक**

संभावित परीक्षा तिथि	परीक्षा की पाली	अभ्यर्थियों के लिए रिपोर्टिंग समय	उत्तर अंकित का समय
10 नवम्बर 2024 से प्रारंभ	प्रथम	प्रात: 07:00 से प्रात: 08:00 बजे तक	प्रात: 09:00 से 11:30 बजे तक (02:30 घंटे)
	द्वितीय	दोपहर 12:30 से दोपहर 01:30 बजे तक	दोपहर 02:30 से 05:00 बजे तक (02:30 घंटे)

टीप- 1. प्राथमिक शिक्षक के लिए संयुक्त पात्रता परीक्षा की वैधता आजीवन रहेगी। प्राथमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा वर्ष 2020 में पात्र अभ्यर्थियों को पुन: पात्रता परीक्षा में सम्मिलित होने की आवश्यकता नहीं है।

2. शिक्षक के रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु विभाग द्वारा विज्ञापन जारी कर चयन परीक्षा आयोजित की जायेगी। पात्रता परीक्षा में अर्ह अभ्यर्थियों को शिक्षक चयन परीक्षा में सम्मिलित होना होगा। नियुक्ति के लिये विज्ञापन एवं प्रक्रिया राज्य शासन के आदेश द्वारा विनिर्दिष्ट की जायेगी।

परीक्षा शहर : बालाघाट, भोपाल, ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर, खण्डवा, नीमच रतलाम, रीवा, सागर, सतना, सीधी एवं उज्जैन।

आवेदन पत्र भरने की प्रकिया एवं महत्वपूर्ण निर्देश :-

1. परीक्षा की विस्तृत नियम पुस्तिका मण्डल की वेबसाइट **www.esb.mp.gov.in** पर उपलब्ध रहेगी, जिसमें उल्लेखित अर्हताओं/नियमों/शर्तों/अन्य समस्त जानकारियों का अध्ययन करके ही आवेदन पत्र भरा जावे।
2. वेबसाइट **www.esb.mponline.gov.in** के माध्यम से आवेदन पत्र भरा जा सकता है।
3. **परीक्षा शुल्क***

अनारक्षित अभ्यर्थियों के लिए	रु. 500/-
केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/ई.डब्ल्यू.एस. एवं दिव्यांगजन अभ्यर्थियों के लिए	रु. 250/-
ऑनलाइन आवेदन-कियोस्क के माध्यम से ऑनलाइन भरने वाले अभ्यर्थियों हेतु एम.पी. ऑनलाइन का पोर्टल शुल्क	रु. 60/-
अतिरिक्त रजिस्टर्ड सिटीजन यूजर के माध्यम से लॉगिन कर फार्म भरने पर पोर्टल शुल्क	रु. 20/-

विशेष निर्देश :

1. अभ्यर्थी का आधार पंजीयन अनिवार्य है।
2. मण्डल द्वारा आयोजित परीक्षाओं में मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र लाना अनिवार्य होगा। मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र के रूप में अभ्यर्थी मतदाता पहचान पत्र, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, आधार कार्ड, पासपोर्ट, में से कोई एक को चयनित कर सकता है। यू.आई.डी.ए.आई. (UIDAI) के द्वारा सत्यापित (Verify) होने पर ही ई-आधार मान्य होगा। मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र के अभाव में परीक्षार्थी को परीक्षा में सम्मिलित होने से वंचित किया जाएगा।
3. अभ्यर्थी को नियम पुस्तिका में विनिश्चित मूल परिचय पत्र के अतिरिक्त अपना आधार कार्ड/ई-आधार कार्ड की छायाप्रति/आधार नंबर/आधार VID की जानकारी लाना अनिवार्य है।
4. परीक्षा में प्रवेश के समय एवं परीक्षा के दौरान बहुस्तरीय बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य है। अत: जिन अभ्यर्थियों का आधार नंबर लॉक हैं वह परीक्षा दिनांक को परीक्षा केंद्र पर उपस्थिति के पूर्व आधार अनलॉक करवाना सुनिश्चित करें।
5. परीक्षार्थियों को परीक्षा में रिपोर्टिंग समय तक परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति होगी। इसके पश्चात विलम्ब से आने पर अभ्यर्थियों की प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।
6. परीक्षा कक्ष में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस यथा मोबाइल फोन, कैलकुलेटर, लॉग टेबल्स, डिजीटल घड़ी, नकल पर्चा एवं **sun glasses** (धूप का चश्मा) आदि का उपयोग पूर्णत: वर्जित है।
7. ऑनलाइन आवेदन-पत्र क्रमांक के द्वारा ही ऑनलाइन परीक्षा हेतु अभ्यर्थी अपना प्रवेश-पत्र प्राप्त कर सकते हैं। अत: आवेदन-पत्र क्रमांक आवश्यक रूप से संभाल कर रखें, जिसकी समस्त जिम्मेदारी आवेदक की ही होगी।
8. परीक्षा केंद्र पर आवेदक को काला बाल प्वाइंट पेन तथा परीक्षा हाल में प्रवेश हेतु मण्डल वेबसाइट से डाउनलोड किये गये प्रवेश-पत्र साथ लाना अनिवार्य है।
9. किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा प्रारंभ होने के पश्चात् परीक्षा समाप्ति तक परीक्षा कक्ष छोड़ने की अनुमति नहीं होगी।
10. आवेदन-पत्र भरते समय उम्मीदवारों के किसी भी प्रमाण पत्र का परीक्षण मण्डल द्वारा नहीं किया जाकर नियुक्ति प्रकिया के दौरान सम्बंधित विभाग द्वारा किया जाता है। अत: कम्प्यूटर आधारित (Online) परीक्षा में उम्मीदवारों की पात्रता (Eligibility) पूर्णत: प्रावधिक (Provisional) होगी।

विशेष नोट : मण्डल अपनी सुविधानुसार परीक्षा तिथि/परीक्षा पाली/शहरों/केन्द्रों एवं अन्य बिन्दुओं में परिवर्तन कर सकता है

विज्ञापन क्र. 37/2024

संचालक

मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मण्डल
'चयन भवन' मेन रोड नं. - 1, चिनार पार्क (ईस्ट) भोपाल - 462011
Fax : +91-755-2550498, Website : www.esb.mp.gov.in

म.प्र. माध्यम/116615/2024 R-50094/2024

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)
No. 12107/22/D-12/ Brg.DPR/2024 Bhopal, Dated : 26.09.2024

DPR CONSULTANCY OF BRIDGES
(Short Time E-Procurement Notice)

Online Bids are invited from the reputed Consultants for preparation of DPR of Bridge under PMGSY-III as per details given below :-

- **No. of Packages - 01**
- **Nodal PIU - Sehore**
- **No. of Bridges - 02**

Total Estimated Construction Cost (in Rs.) : Rs. 31232000.00

● Cost of Bid Document, Bid Security (EMD) and service charges as appearing on e-procurement portal are to be paid simultaneously through Debit Card/Credit Card/Internet Banking or system generated challan. For detailed procedure of online payment of EMD and submission of affidavit please refer condition number 2 of detailed NIT.

1. RFP document may be seen, downloaded and purchased from our e-procurement website **https://mptenders.gov.in** from 17:30 hrs. on 27.09.2024 .
2. Last Date of Submission of Bid is date **14.10.2024 upto 15.00 hrs.**

Other details & Conditions may be seen in the detailed NIT and Tender Document for preparation of DPR of Bridges under PMGSY January-2020 amended up to date on our Website **http://mptenders.gov.in.**

M.P. M./116604/2024 **CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)**

'मेरी सड़क' ऐप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

R-50093/2024

मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी लिमिटेड

(मध्यप्रदेश शासन नगरीय विकास एवं आवास विभाग का उपक्रम)
5, अमरकंटक भवन, इन्दिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स, एम.पी. नगर, भोपाल-11
फोन : 91755-2763060,61,62, ई-मेल : mpusipbpl@gmail.com
क्र. MPUDC/PMU/2024/8253 दिनांक : 25.9.2024

प्रतिनियुक्ति/संविदा नियुक्ति हेतु विज्ञापन

मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड, मुख्यालय भोपाल में कंपनी सचिव के रिक्त पद पर संविदा पर नियुक्ति हेतु निम्नानुसार आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं:-

क्र.	पदनाम	पद संख्या	एकमुश्त वेतन
01	कंपनी सचिव	01	80,000

नोट :-

1. आवेदन पत्र दिनांक 14.10.2024 सायं 05:00 बजे तक कंपनी के कार्यालय में डाक अथवा व्यक्तिगत रूप से प्रस्तुत किये जा सकते हैं। लिफाफे पर आवेदित पद का नाम अंकित करें। समय सीमा के पश्चात प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा।
2. आवेदन का प्रारूप पदों के लिये न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता तथा अनुभव संबंधी विस्तृत विवरण, कम्पनी की वेबसाइट **www.mpudc.co.in** पर उपलब्ध है।
3. आवेदन के संबंध में प्रबंध संचालक का निर्णय अंतिम एवं बाध्यकारी होगा।

म.प्र. माध्यम/116603/2024 **अतिरिक्त प्रबंध संचालक**

R-50092/2024

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Bhopal, (M.P.)
No./11999/22/D-12/NIT-Maint./2024 Bhopal, Dated : 25.09.2024

NOTICE INVITING TENDER No. 313/MTN/2024 (BW)

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below :-

Name of Work : Repair/Maintenance of Rural Roads.

1. Name of Work - Post 5 Years (BW)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Katni	1	13159000.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **30.09.2024 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER

M.P. Madhyam/116584/2024 R-50090/2024 **(TENDER)**

'मेरी सड़क' ऐप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)
No./11893/22/D-12/MPRRDA/2024 Bhopal, Dated : 23.09.2024

NOTICE INVITING TENDER EL-83

Online Percentage rate Tenders are invited for "Shifting/ Raising of High Voltage (HV)/Medium Voltage (MV)/Low Voltage (LV) lines and poles from alignment of PMGSY/ CMGSY Road from contractors having 'A' class valid license issued by Madhya Pradesh Licensing Board (Electrical) and registered with MPPWD in appropriate class of contractors on e-procurement portal **https://www.mptenders.gov.in**.
Contractors are to quote rate in percentage below/above or at par of the estimated rates given in BOQ including all Taxes except GST.

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1.	Ratlam	1	276665.00
2.	Vidisha	1	669458.00

1. Tender document can be purchased and submitted only online from the above website from **25.09.2024 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed NIT and tender document on the above mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/116547/2024 R-50085/2024 **(TENDER)**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)
No./12005/22/D-12/NIT-Maint./2024 Bhopal, Dated : 25.09.2024

NOTICE INVITING TENDER No. 311/MTN/2024

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below :-

- **SSR Applicable : SSR issued by M.P Rural Road Development Authority effective from 01.01.2024 and amendments upto issue date of NIT.**

1. **Table No. 1 : Name of Work - Repair/Maintenance of the Rural Roads for Five Years Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 5 Year)**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Ashoknagar	1	13884990.00
2.	Betul	1	4914195.00
3.	Dewas	1	4023041.00
4.	Dhar	1	1281934.00
5.	Harda	1	1732454.00
6.	Jabalpur	2	12373330.00
7.	Narsinghpur	4	51266366.00
8.	Raisen	3	5811003.00

2. **Table No. 2 : Name of Work - Repair/Maintenance of the Rural Roads for Five Years Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 10 Year)**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Khandwa	1	4180079.00

3. **Table No. 3 : Name of Work - Repair/Maintenance of the Rural Roads for Five Years Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 15 Year)**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Burhanpur	2	18087666.00
2.	Katni	1	11214846.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **30.09.2024 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/116581/2024 **(TENDER)**
"मेरी सड़क" एप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

R-50088/2024

दीनदयाल उपाध्याय पंचायत सतत विकास पुरस्कार के लिये समिति गठित

भोपाल, राज्य शासन ने दीनदयाल उपाध्याय पंचायत सतत विकास पुरस्कार वर्ष 2024 के लिये राज्य स्तरीय मूल्यांकन समिति गठित की है। गठित समिति के अध्यक्ष प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास होंगे। समिति के सदस्य सचिव संचालक पंचायत राज संचालनालय बनाये गये हैं। समिति के अन्य सदस्यों में आयुक्त मनरेगा, संचालक स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, संचालक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, संचालक महिला एवं बाल विकास, मुख्य कार्यपालन अधिकारी राज्य आजीविका मिशन, संचालक एसआईआरडी जबलपुर सदस्य के रूप में शामिल किये गये हैं।

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER No. 1202 UPG

No./11890/22/D-12/MPRRDA/2024 Bhopal, Dated : 23.09.2024
Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.mptenders.gov.in** as detailed below.
• **Name of work :** UPG (MPRRDA SSR : 05.11.2019)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1	Dewas	1	9576000.00
2	Raisen	1	29248000.00

1. Tender document can be purchased and submitted only online from the above website from **25.09.2024 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document for construction & maintenance of rural roads/Bridges Sept. 2017 on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/116549/2024 **(Tender)**
"मेरी सड़क" ऐप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

R-50086/2024

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)
No./12002/22/D-12/NIT-Maint./2024 Bhopal, Dated : 25.09.2024

NOTICE INVITING TENDER No. 312/MTN/2024

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below :-

- **SSR Applicable : SSR issued by M.P Rural Road Development Authority effective from 05.11.2019 and amendments upto issue date of NIT.**

1. **Table No. 1 : Name of Work - Repair/Maintenance of the Rural Roads for Five Years Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 5 Year)**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Anuppur	1	3931562.00
2.	Burhanpur	1	11011459.00
3.	Chhindwara	1	8778032.00
4.	Dhar	1	2150968.00
5.	Harda	1	9629166.00
6.	Narsinghpur	3	26585944.00
7.	Raisen	1	1957422.00

2. **Table No. 2 : Name of Work - Repair/Maintenance of the Rural Roads for Five Years Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 10 Year)**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Harda	1	3587668.00
2.	Jabalpur	1	641016.00
3.	Khandwa	1	1744257.00
4.	Narsinghpur	3	20233200.00

3. **Table No. 3 : Name of Work - Repair/Maintenance of the Rural Roads for Five Years Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 15 Year)**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Raisen	2	3314667.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **30.09.2024 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/116582/2024 **(TENDER)**
"मेरी सड़क" एप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

R-50089/2024

इस वर्ष 4 लाख 50 हजार विद्यार्थियों को मिलेंगी नि:शुल्क साइकिल

भोपाल, स्कूल शिक्षा विभाग इस वर्ष 2024-25 में नि:शुल्क साइकिल प्रदाय योजना में 4 लाख 50 हजार शासकीय स्कूलों के विद्यार्थियों को नि:शुल्क साइकिल प्रदान करेगा। इस संबंध में विभाग ने जिला शिक्षा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये हैं।

योजना में कक्षा-6 एवं 9 में प्रथम प्रवेश पर पात्र विद्यार्थियों को अध्ययन सुविधा के लिये नि:शुल्क साइकिल प्रदान की जाती है। योजना में पिछले वर्ष 4 लाख 7 हजार विद्यार्थियों को नि:शुल्क साइकिल प्रदान की गई थीं। योजना में उन छात्राओं को भी लाभ दिया जायेगा, जिनके छात्रावास और शासकीय स्कूल के बीच की दूरी 2 किलोमीटर या इससे ज्यादा हो। विभागीय अधिकारियों को साइकिल की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखे जाने के लिये कहा गया है।

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र. 1, भदभदा रोड, भोपाल
क्र./1185/तशा/प.यं./2024 दिनांक : 25.09.2024

प्रेस विज्ञप्ति

इस कार्यालय द्वारा एम्को परिसर भोपाल में मरम्मत/रेनोवेशन/संधारण कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा क्रमांक 2024_MPPHC_372142_1 **दिनांक 11.10.2024 समय अपरान्ह 17:00 बजे तक** खरीदी जा सकती है। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।
म.प्र. माध्यम/116592/2024 R-50091/2024 **परियोजना यंत्री**

म.प्र. पुलिस हाऊसिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड

कार्यालय परियोजना यंत्री, डी-5/2, एम.आय.जी., महाश्वेता नगर इस्कॉन मंदिर के सामने, उज्जैन (म.प्र.)
E-mail : mpphcl_ujjain@yahoo.in, मोबाइल : 9406808103
क्र. 1175/पयं/मप्रपुहाइडेकालि/24/उज्जैन दिनांक : 23.09.2024

निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 16/2024-25 (द्वितीय आमंत्रण)

मध्यप्रदेश पुलिस हाऊसिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड, संभाग उज्जैन के अंतर्गत निविदा क्रमांक-16/2024-25 दिनांक 23.09.2024 के अंतर्गत जिला चिकित्सालय शाजापुर में तृतीय तल पर क्रिटिकल केयर हेल्थ ब्लॉक के निर्माण कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा आईडी क्र. 2024_MPPHC_371430 आमंत्रित की गई है।
निविदा प्रपत्र ऑनलाइन **दिनांक 03.10.2024 17.00 बजे तक** प्रस्तुत किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।
म.प्र. माध्यम/116542/2024 R-50084/2024 **परियोजना यंत्री**

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, ए-2/2, एम.आय.जी., एरिना ग्राउण्ड के पास, महानंदा नगर, उज्जैन (म.प्र.)
फोन : 2527715, मोबा. : 9406808103
E-mail : mpphcl_ujjain@yahoo.in
क्र. 1172/पय/मप्रपुआअविनि/24/ उज्जैन, दिनांक : 23.09.2024

निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 15/2024-25

मध्यप्रदेश पुलिस हाउसिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड, संभाग उज्जैन के अंतर्गत निविदा क्रमांक 15/2024-25 दिनांक 23.09.2024 के अंतर्गत (1) बाह्य विद्युतीकरण कार्य सी.एम. राइज स्कूल भवन, चंदवासा जिला मंदसौर (2) बाह्य विद्युतीकरण कार्य सी.एम. राइज स्कूल भवन, भानपुरा जिला मंदसौर (3) बाह्य विद्युतीकरण कार्य सी.एम. राइज स्कूल भवन, लदूना जिला मंदसौर (4) बाह्य विद्युतीकरण कार्य सी.एम. राइज स्कूल भवन, गरोठ जिला मंदसौर हेतु ऑनलाइन निविदा आईडी क्र. 2024_MPPHC_371138, 2024_MPPHC_371139, 2024_MPPHC_371140, 2024_MPPHC_371141 आमंत्रित की गई है।
निविदा प्रपत्र ऑनलाइन **दिनांक 08.10.2024 17.00 बजे तक** प्रस्तुत किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal: https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।
म.प्र. माध्यम/116534/2024 R-50083/2024 **परियोजना यंत्री**

संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क

तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोज़गार विभाग, भोपाल मध्यप्रदेश शासन के अधीन
Hazrat Nizamuddin Colony Road, Narela Shankari, Bhopal, Madhya Pradesh, Pin Code-462022
Web. : http://globalskillspark.in
E-mail : ceo.ssrgsp@gmail.com
Ref. : SSRGSP/HR/Advt/2024/959 Date : 25.09.2024

ADDENDUM TO CORRIGENDUM

This is with reference to the corrigendum Ref. SSRGSP/HR/Advt/2024/942 dated 24-September-2024, for the advertisement Ref. GSP/Bpl/Advt/823 dated 30-August-2024, the "Trainer Terms of Reference (TOR)" under Educational Qualifications should be read as : "Graduate Degree/Diploma in Mechanical/Production Engineering and an advanced certificate in Precision Engineering/Equivalent."
For more details, please visit our official website.

CHIEF EXECUTIVE OFFICER
SSR GLOBAL SKILLS PARK,
G-16804/50096/2024 BHOPAL

25 सितंबर : जयंती विशेष

पं. दीनदयाल उपाध्याय : स्वावलंबी और समर्थ समाज निर्माण के प्रेरक

● डॉ. मोहन यादव

विलक्षण व्यक्तित्व के धनी, ऋषि, राजनेता, एकात्म मानव दर्शन तथा अंत्योदय के प्रणेता और हमारे मार्गदर्शक पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के चरणों में कोटिशः नमन।

संपूर्ण समाज, मानवता और राष्ट्र के लिये समर्पित श्रद्धेय दीनदयाल जी ने राष्ट्र निर्माण के लिये जो सूत्र दिये हैं वह भारतीय संस्कृति, परंपरा, देशज ज्ञान और एकात्म पर केंद्रित हैं। श्रद्धेय दीनदयाल जी ने जनसंघ की स्थापना से लेकर अंतिम सांस तक, अपने जीवन को यज्ञ में आहुति की तरह समर्पित किया और समग्र कल्याण का दर्शन दिया। इस दर्शन को विश्व एकात्म मानव दर्शन के रूप में जानता है।

पंडित जी मौलिक विचारक थे। उनका कहना था कि हमारी विरासत हजारों साल पुरानी है। हमें अतीत से प्रेरणा लेनी है और उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करना है। उनका मानना था, जब समाज आत्म-निर्भर होगा तभी स्वाभिमानी होगा और जब स्वाभिमानी होगा तभी स्वावलंबी होगा। वे कहते थे, हमें देशानुकूल होने के साथ युगानुकूल भी होना है।

मौलिक भारतीय चिंतन के आधार पर विकास के लिये पंडित दीनदयाल जी ने एकात्म मानव दर्शन दिया। एकात्म मानव दर्शन में व्यक्ति के सुख की समग्र परिकल्पना की गई है। इसमें शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा के समन्वय तथा एकात्मता का विचार है। यह दर्शन समस्त मानव के उत्थान पर केंद्रित है। इसमें सहज, सरल और सरस समाज निर्माण का मार्ग है। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का सबका साथ, सबका विकास और सबका कल्याण इसी अवधारणा का प्रकटीकरण है।

पंडित दीनदयाल जी ने अपने व्याख्यानों में विकास और निर्माण का मंत्र दिया। वे कहते थे, स्वाभिमानी बनो! अपने पुरुषार्थ से स्वाभिमानी कैसे बना जाये, वह इसका भी उल्लेख करते थे। उन्होंने देश-दुनिया को चतुर्पुरुषार्थ की संकल्पना दी। ये पुरुषार्थ हैं धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष। यह चतुर्पुरुषार्थ मन, बुद्धि, आत्मा और शरीर के संतुलन से संभव हैं। इससे आदर्श राष्ट्र का निर्माण हो सकता है।

पहला पुरुषार्थ धर्म है जिसमें शिक्षा, संस्कार और व्यवस्था है तो दूसरे अर्थ में साधन, संपन्नता और वैभव आता है। अर्थ उपार्जन सही तरीके से हो, इसके लिये पंडित दीनदयाल जी ने मानव धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। इस तरह धर्मानुकूल, अर्थात उचित मार्ग से अर्थ उपार्जन करने का मार्ग प्रशस्त किया। तीसरा पुरुषार्थ है काम, जिसमें मन की समस्त कामनाएं शामिल हैं। मनुष्य को संतुलित, समयानुकूल और सकारात्मक स्वरूप में कार्य करना चाहिए। चौथा पुरुषार्थ है मोक्ष, अर्थात संतोष की परम स्थिति। यदि व्यक्ति संतोषी होगा तो वह समाज और राष्ट्र निर्माण का आधार बन सकता है। इन चार पुरुषार्थों की अवधारणा के अनुसार, यदि व्यक्ति और समाज को विकास के अवसर दिये जायें तो स्वावलंबी और समर्थ समाज का निर्माण किया जा सकता है।

पंडित दीनदयाल जी की स्वावलंबी समाज निर्माण की अवधारणा को हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी विश्वकर्मा योजना, आत्मनिर्भर भारत, स्टार्टअप इंडिया, वोकल फॉर लोकल, एक भारत-श्रेष्ठ भारत आदि योजनाओं के माध्यम से धरातल पर लाने को प्रयासरत हैं।

अंत्योदय अर्थात समाज के सबसे अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का कल्याण। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने अंत्योदय के लिये जो मार्ग बताया था, वह माननीय प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में धरातल पर दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी गांव, गरीब, किसान, वंचित, शोषित, युवा और महिलाओं के कल्याण के लिये संकल्पित हैं। देश के गरीब से गरीब व्यक्ति के जीवन में सामाजिक सुरक्षा, मुद्रा, जनधन, उज्ज्वला, स्वच्छता मिशन, शौचालय निर्माण, दीनदयाल ग्राम ज्योति, प्रधानमंत्री आवास, जन औषधि केंद्र तथा आयुष्मान भारत जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं से अभूतपूर्व परिवर्तन हुआ है।

मुझे यह बताते हुए संतोष है कि हम समाज के सभी वर्गों की सहभागिता के साथ, सबके विकास को ध्यान में रखते हुए कार्य कर रहे हैं। प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से हम हर जन के कल्याण और प्रदेश के विकास के लिये चार मिशन, युवा शक्ति मिशन, गरीब कल्याण मिशन, किसान कल्याण मिशन और नारी सशक्तिकरण मिशन बनाकर काम करने जा रहे हैं। इससे युवा, गरीब, किसान और महिलाओं के समग्र विकास पर कार्य किया जायेगा।

मध्यप्रदेश में गरीब कल्याण के लिये कई योजनाएं और कार्य अमल में लाये जा रहे हैं। इनमें इंदौर की हुकुमचंद मिल के 4 हजार 800 श्रमिक परिवारों को उनका अधिकार दिया गया है। स्वामित्व योजना के माध्यम से 23 लाख 50 हजार लोगों को भू-अधिकार पत्र वितरित किये गये हैं। मुख्यमंत्री जनकल्याण योजना संबल 2.0 के अंतर्गत 30 हजार 500 से अधिक श्रमिक परिवारों को 670 करोड़ रुपये से अधिक की अनुग्रह सहायता प्रदान की गई है और सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना से प्रतिमाह 55 लाख 60 हजार से अधिक हितग्राहियों को पिछले एक वर्ष में लगभग 4 हजार करोड़ रुपये से अधिक की पेंशन राशि वितरित की गई। इसी तरह तेंदूपत्ता संग्राहकों का मानदेय 3 हजार रुपये प्रति मानक बोरा से बढ़ाकर चार हजार रुपये किया गया।

दीनदयाल जी ने एकात्म मानवदर्शन और अंत्योदय से भारत राष्ट्र के कल्याण का जो मार्ग बताया, वह आकार ले रहा है। गरीब से गरीब व्यक्ति के जीवन में बदलाव आये, उन्हें मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हों और उनका जीवन सफल हो, ऐसे हर संभव प्रयास करना श्रद्धेय पंडित दीनदयाल जी के दर्शन का मूल भाव है। भारत, वर्ष 2047 तक विश्व की महाशक्ति बनने के संकल्प के साथ प्रगति पथ पर अग्रसर है। भारत को सर्वश्रेष्ठ राष्ट्र बनाने के लिये हमें दीनदयाल जी के मौलिक चिंतन और आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा को आत्मसात करना होगा।

हमारे पथ प्रदर्शक, मार्गदर्शक, राष्ट्र निर्माण के दृष्टा, विराट समर्पण के प्रतीक, माँ भारती की सेवा में जीवनपर्यंत समर्पित पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी को एक बार पुनः नमन।

(लेखक, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

आचार्य विद्यासागर मेडिकल कॉलेज होगा, सागर मेडिकल कॉलेज का नाम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सागर में आयोजित क्षमावाणी महोत्सव में शामिल जैन समुदाय के विशिष्टजनों को संबोधित किया

सागर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सागर में आयोजित क्षमावाणी महोत्सव में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि सागर मेडिकल कॉलेज का नाम 'आचार्य विद्यासागर मेडिकल कॉलेज' होगा। उन्होंने जैन धर्मावलम्बियों को बड़ी सौगात देते हुए कहा कि प्रदेश में जैन कल्याण बोर्ड का गठन किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार सर्वोच्च प्राथमिकता से जैन मुनियों को उनके विहार के दौरान नगरीय क्षेत्र या ग्रामीण क्षेत्र में भवन की आवश्यकता होने पर निःशुल्क भवन सुविधा उपलब्ध करायेगी। उन्होंने कहा कि जैन धर्म और संस्कृति का गौरवशाली इतिहास है। देश-प्रदेश के साथ उज्जैन भी जैन धर्म को हजारों सालों से मानने वाली नगरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले दिनों में नीमच, मंदसौर और सिवनी में मेडिकल कॉलेजों का लोकार्पण होगा।

शक्ति का सदुपयोग करके आगे बढ़ें

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी देश उन्नति, प्रगति करता है और सक्षम बनता है तो अपनी संस्कृति का दूसरों पर भी प्रभाव डालना चाहता है। हमें गर्व है कि हमारा देश हमेशा अपनी शक्ति का सदुपयोग करने की दिशा में बढ़ता है, इसमें हमारा दर्शन छुपा है। भारत शक्ति सम्पन्न बनकर अपने नागरिकों का भला करना तथा विश्व के सर्वश्रेष्ठ देशों में शामिल होना चाहता है।

प्रेरणा, संबल और सहारा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हजारों सालों से हमारे देश के शासकों ने 'जियो और जीने दो' की परम्परा का निर्वहन किया। हमने कभी किसी देश पर हमला नहीं किया। किसी को गुलाम नहीं बनाया। यह हमारी परम्परा रही है। कदम-कदम पर हमारी संस्कृति के उदाहरण मिलते हैं। समर्थ, सक्षम और बड़ा आदमी छोटे के प्रति क्षमा का भाव रखे तो सही है। बड़ा आदमी छोटे के प्रति विन्रमता का भाव रखे तो यह वीरता को दर्शाता है। यह भगवान महावीर का दर्शन है।

सोयाबीन उपार्जन के लिये पंजीयन हुआ प्रारंभ

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार प्रदेश में प्राइस सपोर्ट स्कीम में सोयाबीन उपार्जन की प्रक्रिया को प्रारंभ कर दिया गया है। सोयाबीन उपार्जन के लिये किसानों का ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीयन प्रारंभ हो गया है। किसान सोयाबीन विक्रय के लिये आगामी 20 अक्टूबर, 2024 तक अपना पंजीयन करा सकते हैं।

केन्द्र सरकार की प्राइस सपोर्ट स्कीम अंतर्गत सोयाबीन का पंजीकृत कृषकों से उपार्जन, राज्य उपार्जन एजेंसी मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित द्वारा किए जाने का निर्णय लिया गया।

पंजीकृत किसानों से सोयाबीन की खरीदी (उपार्जन) 25 अक्टूबर से 31 दिसम्बर तक की जायेगी। सोयाबीन उपार्जन के लिये 1400 केंद्र बनाये जायेंगे, जिनमें यथा संशोधन भी किया जा सकेगा।

आयुष्मान भारत योजना से नागरिकों को मिला स्वास्थ्य सुरक्षा कवच

भोपाल, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (आयुष्मान भारत) के 6 वर्ष पूर्ण होने पर सभी नागरिकों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदृष्टि से स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में क्रांतिकारी सुधार हुआ है। आयुष्मान भारत योजना से नागरिकों को स्वास्थ्य सुरक्षा कवच मिला है। नागरिकों को उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के क्रम में यह योजना मील का पत्थर साबित हुई है।

पीड़ित मानवता की सेवा का यह अनुपम उदाहरण

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारियों कर्मचारियों के अथक प्रयास से मध्यप्रदेश के 4 करोड़ से अधिक नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाये जा चुके हैं। 20 लाख से अधिक नागरिक योजनांतर्गत लाभान्वित हो चुके हैं। उन्होंने कहा की आज आम नागरिक, गरीब, वंचित वर्ग के नागरिक इस योजना का लाभ प्राप्त कर स्वास्थ्य सेवाओं को प्राप्त कर रहे हैं। पीड़ित मानवता की सेवा का यह अनुपम उदाहरण है। श्री शुक्ल ने इस जनहितैषी योजना के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी को साधुवाद दिया है।

छह करोड़ वरिष्ठ नागरिक इस योजना के दायरे में होंगे शामिल

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा इस योजना में सभी वर्ग के 70 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों को शामिल किया गया है। अब वरिष्ठ नागरिक 5 लाख रुपये प्रतिवर्ष तक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

मध्यप्रदेश सौर ऊर्जा प्रदेश बनने की ओर अग्रसर

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सौर ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश में जहाँ एक ओर विश्व की सबसे बड़ी रीवा सौर परियोजना स्थापित होकर शुरू हो चुकी है। इस परियोजना को हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने केस स्टडी के रूप में शामिल किया है। ओंकारेश्वर में प्रदेश की जीवनदायिनी नर्मदा नदी पर दुनिया की सबसे बड़ी 600 मेगावॉट क्षमता की फ्लोटिंग सोलर परियोजना भी विकसित की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में गुजरात के गांधी नगर में नवकरणीय ऊर्जा को लेकर हुई राष्ट्रीय समिट में अनेक उद्योगपतियों ने मध्यप्रदेश में सोलर प्लांट लगाने की इच्छा जाहिर की है। राजधानी भोपाल में सरकारी भवनों और नागरिकों को अपने घर की छतों पर सोलर पैनल लगाने के लिये अभियान चलाया जायेगा। इन सभी प्रयासों से मध्यप्रदेश, सौर ऊर्जा प्रदेश बनने की अग्रसर हो गया है।

दुनिया की सबसे प्रसिद्ध हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में मध्यप्रदेश स्थित विश्व के सबसे बड़े रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर पॉवर पार्क और प्लांट के उत्कृष्ट प्रबंधन, संचालन और सौर ऊर्जा उत्पादन को आदर्श उदाहरण के रूप में पढ़ाया जा रहा है। रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर पॉवर प्लांट विश्व में सबसे सस्ती दर पर व्यावसायिक ऊर्जा उत्पादन करने वाला प्लांट भी है। यहां से 3 रुपये 30 पैसे प्रति यूनिट बिजली अगले 25 सालों के लिए उपलब्ध हो सकेगी।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

कान्ह डायवर्सन क्लोज डक्ट परियोजना को मिली पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रालय में कैबिनेट बैठक सम्पन्न हुई

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक मंत्रालय में हुई। मंत्रिपरिषद द्वारा अनुबंधित एजेंसी से सिंहस्थ-2028 के आयोजन के लिए समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने की महती आवश्यकता के दृष्टिगत प्रो-रेटा आधार पर 'कान्ह डायवर्सन क्लोज डक्ट परियोजना' लागत राशि 919 करोड़ 94 लाख रुपये की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई।

उल्लेखनीय है कि उज्जैन जिले की कान्ह डायवर्सन क्लोज डक्ट परियोजना की प्रशासकीय स्वीकृति रुपये 598 करोड़ 66 लाख रुपये की प्रदान की गई थी। परियोजना अंतर्गत कान्ह नदी के दूषित जल को 16.70 किलोमीटर की भूमिगत क्लोज डक्ट से उज्जैन शहर की सीमा के बाहर कालियादेह के पास क्षिप्रा नदी में प्रवाह किया जाना प्रस्तावित था। कार्य के लिए मेसर्स वेंसर उज्जैन प्रोजेक्ट के साथ राशि रुपये 479 करोड़ 89 लाख का 15 मार्च 2024 को अनुबंध निष्पादित किया गया। कार्य सितम्बर 2027 तक पूर्ण किया जाना है।

दूषित जल को पवित्र क्षिप्रा नदी में मिलने से रोकने के लिए क्लोज डक्ट के एलाइमेंट का परिवर्तन किया गया। परिवर्तन के बाद 18.5 किलोमीटर कट/कवर एवं 12 किलोमीटर टनल प्रस्तावित किये जाने से राशि रुपये 321 करोड़ 28 लाख की वृद्धि होकर वर्तमान लागत 919 करोड़ 94 लाख हो रही है।

मंत्रिपरिषद द्वारा खरीफ वर्ष 2024 (विपणन वर्ष 2024-25) में केन्द्र सरकार की प्राइस सपोर्ट स्कीम के अंतर्गत सोयाबीन का पंजीकृत कृषकों से उपार्जन, राज्य उपार्जन एजेंसी मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित द्वारा किए जाने का निर्णय लिया गया। मंत्रिपरिषद द्वारा नीमच जिला अंतर्गत भाटखेड़ा से डुंगलावदा तक 4-लेन सीमेंट कांक्रीट सड़क लंबाई 16 किलोमीटर के निर्माण के लिए 133 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गयी।

विधानसभा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष के भत्तों पर देय आयकर सरकार द्वारा भरने का प्रावधान है। विधानसभा अध्यक्ष ने एक जुलाई को सदन में घोषणा की थी कि वे अपना आयकर स्वयं भरेंगे। इसी परिप्रेक्ष्य में मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष (वेतन तथा भत्ता) अधिनियम में संशोधन करने संबंधी विधेयक पर मंत्रिपरिषद ने अनुमोदन प्रदान किया है, जिसे विधानसभा के आगामी सत्र में प्रस्तुत किया जायेगा।

मंत्रिपरिषद की बैठक में नवीन विधायक विश्राम गृह निर्माण के लिए 159 करोड़ 13 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई। उल्लेखनीय है कि वर्तमान विधायक विश्राम गृह का निर्माण वर्ष 1958 में किया गया था। वर्तमान विश्राम गृह के पुराने पारिवारिक खण्ड क्रमांक-1 एवं शापिंग सेंटर के स्थान पर 102 आवास 5 ब्लाकों से निर्मित किये जाना है। प्रत्येक आवास का प्लिंथ एरिया 2615 वर्ग फीट होगा। इसका निर्माण कार्य जल्द शुरू होगा।

मध्यप्रदेश ने नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता के अनूठे उदाहरण प्रस्तुत किये

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने स्वच्छ भारत मिशन को देश भर में व्यापक आंदोलन शुरू कर स्वच्छ भारत की परिकल्पना को साकार करने के जो लक्ष्य निर्धारित किये उन्हें प्राप्त करने में मध्यप्रदेश ने देश में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। स्वच्छता को सर्वोपरि मानते हुए इंदौर ने सफाई की जो अलख जगाई है, वह पूरे देश में उदाहरण बन चुकी है। इंदौर के नाम लगातार 7 बार देश का स्वच्छतम शहर बने रहने का रिकॉर्ड है। इंदौर ही देश का पहला वाटर प्लस शहर भी बना है और भोपाल देश की सबसे स्वच्छ राजधानी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्मदिन 17 सितम्बर से प्रारंभ हुए स्वच्छता ही सेवा अभियान में एक बार फिर मध्यप्रदेश पूरे जुनून के साथ जुट गया है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता के प्रति मंत्रीगण, जन-प्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, समाजसेवी और सामाजिक संगठनों के साथ नागरिक भी सजग होकर महती भूमिका निभा रहे हैं। प्रदेशवासियों और हमारे सफाई मित्रों का मनोबल बढ़ाने के लिये राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने भी अपने उज्जैन प्रवास के दौरान सफाई मित्रों से संवाद कर उन्हें सम्मानित किया और श्रीमहाकाल लोक परिसर में झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया। यह मध्यप्रदेश के लिये गर्व की बात है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छता के सभी आयामों पर मध्यप्रदेश खरा उतर रहा है। राज्य सरकार ने सिंगल यूज प्लास्टिक एवं खुले में मांस-मछली के विक्रय पर प्रतिबंध लगाया है। प्रदेश में जीरो वेस्ट को प्रोत्साहन देने के लिये नगरीय निकायों में जीरो वेस्ट इवेंट भी जारी किये जा रहे हैं। प्रदेश में 401 नगरीय निकायों में सूखे एवं गीले कचरे के प्र-संस्करण के लिये सेंट्रल कम्पोस्टिंग और मटेरियल रिकवरी के लिये इकाइयों की स्थापना की गयी है, जिनसे कम्पोस्ट खाद बनायी जा रही है।

जीएमसी भोपाल में तंबाकू निवारण केंद्र शुरू

भोपाल, गांधी चिकित्सा महाविद्यालय भोपाल में तंबाकू निवारण केन्द्र (टीसीसी) का केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री श्री जाधव प्रतापराव गणपतराव ने वर्चुअली शुभारंभ किया। डीन जीएमसी डॉ. कविता एन सिंह ने बताया कि गाँधी चिकित्सा महाविद्यालय भोपाल में तंबाकू निवारण केन्द्र (टीसीसी) का शुभारंभ किया गया है। उन्होंने बताया कि गांधी चिकित्सा महाविद्यालय में टीसीसी सेंटर, सामुदायिक चिकित्सा विभाग एवं मानसिक रोग विभाग के समन्वय से प्रतिदिन अस्पताल का ओपीडी समय पर संचालित किया जाएगा।

कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र कुमार पटने, सायकेट्रिक सोशल वर्कर श्रीमती दिव्या शुक्ला एवं सामुदायिक चिकित्सा विभाग के चिकित्सक हमीदिया अस्पताल में तंबाकू से होने वाले रोगों के रोगियों एवं तंबाकू छोड़ने के इच्छुक व्यक्तियों के परामर्श एवं उपचार में सहायता करेंगे। तंबाकू निवारण केंद्र (टीसीसी) का उद्देश्य तंबाकू छोड़ने के लिए रोगियों को जागरूक करना और चिकित्सा सेवाएं प्रदान करना है। इसमें तंबाकू उपयोगकर्ताओं के लिए व्यवहारिक हस्तक्षेप, औषधीय उपचार और पुनर्वास रणनीतियां शामिल हैं।

विश्वकर्मा पुरस्कार के लिये चयनित कलाकृतियों को लेकर आपत्ति आमंत्रित

भोपाल, संत रविदास मध्यप्रदेश हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम मर्यादित ने राज्य स्तरीय विश्वकर्मा पुरस्कार के लिए चयनित कलाकृतियों के बारे में 15 अक्टूबर 2024 तक आपत्तियां मंगाई हैं। संत रविदास मध्यप्रदेश हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम मर्यादित के प्रबंध संचालक श्री मोहित बुंदस ने बताया कि वर्ष 2022-23 के राज्य स्तरीय विश्वकर्मा पुरस्कार के लिये चयनित कलाकृतियों के बारे में 15 अक्टूबर तक आपत्ति दर्ज करा सकेंगे।

निवेश प्रोत्साहन के लिए हों सकारात्मक प्रयास

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सागर में आयोजित होने वाली रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव की तैयारियों पर चर्चा की। उन्होंने कहा है कि सरकार की नीति है कि स्थानीय स्तर पर लोगों को अधिकाधिक संख्या में रोज़गार मिले। इसके लिए उद्योगों के विकास और निवेश प्रोत्साहन के लिए राज्य सरकार उद्योगपतियों की पूरी मदद करेगी। लघु उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए बाजार उपलब्ध कराए जाएंगे। सागर संभाग के प्रमुख क्षेत्रीय उद्योगों जैसे पीतल, अगरबत्ती, फूड इंडस्ट्रीज, टूरिज्म, बीड़ी और फर्नीचर के उद्योग को बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएं। हमारा प्रयास है कि उद्योगपतियों का व्यवसाय दोगुना हो जाए। उन्होंने कहा कि उद्योग एवं निवेश प्रोत्साहन के लिए हर जिले में सकारात्मक एवं ठोस प्रयास किए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योग एवं निवेश के लिए लोगों को प्रोत्साहन एवं सहयोग की कमी नहीं रहेगी।

निवेश संभावनाओं की जानकारी ली

मुख्यमंत्री ने कलेक्टर्स और कमिश्नर्स को निर्देशित किया कि कॉन्क्लेव की व्यवस्थाओं में अड़चनें नहीं रहें। उन्होंने सभी जिलों में उद्योग विस्तार एवं निवेश संभावनाओं के संबंध में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए की स्थानीय जन-प्रतिनिधियों और उद्योगपतियों के साथ विस्तृत चर्चा कर कार्य-योजना बनाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पन्ना रामपथ गमन एवं कृष्ण पाथेय में भी शामिल है। इस क्षेत्र के विकास में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी। पन्ना में मिलने वाले हीरे की कटिंग के लिए राज्य सरकार उपयुक्त व्यवस्था करेगी। निवाड़ी के विधायक श्री अनिल जैन ने कहा कि ओरछा में टूरिज्म की अपार संभावनाएं हैं।

नगरीय निकायों में परिवहन कम्पनियों का गठन

भोपाल, प्रदेश में शहरी क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन को प्रोत्साहित करने और सुविधाजनक बनाने के लिये 20 नगरीय निकायों में परिवहन कंपनियों का गठन किया गया है। इन नगरीय निकायों में एफएएमई-1, अमृत 1.0 के अंतर्गत 1505 बसों का संचालन किया जा रहा है। इनमें 1196 शहरी और 309 अंतर्शहरी बसों का संचालन किया जा रहा है। प्रदेश के 3 शहरों भोपाल, इंदौर और जबलपुर में इलेक्ट्रिक वाहनों के संचालन को बढ़ावा दिये जाने के लिये 217 ई-चार्जिंग अधोसंरचना विकास का कार्य किया जा रहा है।

प्रदेश में नव भारत साक्षरता कार्यक्रम में 15 लाख परीक्षार्थियों ने दी परीक्षा

भोपाल, प्रदेश में शिक्षा से वंचित 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोगों को पढ़ना-लिखना सिखाने के लिये नव भारत साक्षरता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम में मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक मूल्यांकन परीक्षा 22 सितम्बर को 52 जिलों में एक साथ सम्पन्न हुई। साक्षरता परीक्षा में 15 लाख से अधिक परीक्षार्थी शामिल हुए। परीक्षा में महिलाओं की भागीदारी ज्यादा रही। प्रदेश में साक्षरता कार्यक्रम स्कूल शिक्षा विभाग संचालित कर रहा है। राज्य में अभी तक उत्तीर्ण नव साक्षर की संख्या 82 लाख 53 हजार से अधिक हो गई है।

नव भारत साक्षरता कार्यक्रम 'उल्लास' में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से प्रदेश में गठित राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण द्वारा एप विकसित किया गया है। डोर-टू-डोर सर्वे एवं साक्षरता कक्षाओं की मॉनिटरिंग जियो टैग के माध्यम से की जा रही है। प्रदेश में असाक्षर व्यक्ति जिन्हें बुनियादी साक्षरता का ज्ञान नहीं है या साक्षरता का प्रमाण-पत्र नहीं है, उन्हें बुनियादी साक्षरता संख्यात्मक के साथ महत्वपूर्ण जीवन-कौशल जैसे वित्तीय साक्षरता, कानूनी जागरूकता, डिजिटल साक्षरता और व्यावसायिक कौशल सिखाने के लिये यह कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। साक्षरता कार्यक्रम में स्वयंसेवी संगठनों, युवाओं, एनसीसी एवं स्काउट गाइड के कैडिट्स की मदद ली जा रही है। प्रदेश में असाक्षर व्यक्ति को 'उल्लास अक्षर पोथी' के माध्यम से पढ़ाई कराई जा रही है। परीक्षा में शामिल परीक्षार्थियों की एंट्री ऑनलाइन पोर्टल पर की गई है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विकसित भारत के लिए नागरिकों के समग्र विकास का किया है कार्य

भोपाल, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने सिविल अस्पताल डॉ. कैलाशनाथ काटजू, भोपाल में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के 6 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयुष्मान पखवाड़े का औपचारिक शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लिए स्वस्थ भारत मूलभूत कड़ी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत के लिए समस्त नागरिकों के समग्र विकास के लिए कार्य किया है। स्वास्थ्य, शिक्षा, कुशलता, रोज़गार-स्वरोज़गार के अवसर सभी क्षेत्रों में जन-हितकारी योजनाओं से सभी नागरिकों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ा गया है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 70 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग

नागरिकों को आयुष्मान भारत योजना में शामिल किया है। उन्होंने कहा कि देश के हर नागरिक की प्रधानमंत्री चिंता करते हैं। बुजुर्ग नागरिकों ने देश के निर्माण में सहभागिता की है, उनके योगदान का सम्मान किया गया है। अब बुजुर्ग नागरिकों के इलाज का खर्चा सरकार वहन करेगी।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

मुख्यमंत्री ने मंदिर और देवालयों में यथायोग्य प्रबंधन के दिए निर्देश

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि धार्मिक भावनाओं और परम्पराओं के अनुरूप आने वाले नवरात्रि एवं दशहरा पर्व के आयोजन के लिए समुचित प्रबंध किये जायें। प्रदेश के सभी देवालय एवं मंदिरों में यथायोग्य प्रबंधन के लिए जिला प्रशासन सक्रियता से कार्य करें। उन्होंने कहा कि इस वर्ष का दशहरा और भी आनंदमयी होगा, क्योंकि अयोध्या में भगवान श्रीराम के मंदिर की स्थापना के बाद यह पहला दशहरा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्राद्ध पक्ष की समाप्ति के बाद आगामी 3 अक्टूबर से नवरात्रि का पर्व आरंभ होने जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की तीसरी बार की सरकार और हमारी सरकार के माध्यम से प्रारंभ कार्यों के साथ हम धूमधाम से नवरात्रि का पर्व मनाएंगे।

गुणवत्तापूर्ण हो देवीलोक का निर्माण

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हमारा प्रयास होना चाहिए कि इन त्योहारों को मनाने के पीछे आमजन की मूल धार्मिक भावना आहत न हो। शक्ति स्वरूप देवी माँ हमको आशीर्वाद दें ताकि सभी सतकर्म कर अच्छे मार्ग पर चल सकें। प्रदेश में देवी लोकों में निर्माण के विविध कार्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे हैं। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिये। देव स्थानों पर आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को सभी प्रकार की सुविधाएं प्रदान की जाएं। उन्होंने कहा कि गणेश चतुर्थी, नवरात्रि, दशहरा, दीपावली और क्रिसमस जैसे पर्वों के क्रमबद्ध आने से प्रदेश में धार्मिक माहौल और उत्सव का वातावरण प्रारंभ हो जाता है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मैहर के शारदा माता मंदिर, दतिया का पीताम्बरा पीठ, नलखेड़ा की बगलामुखी माता, उज्जैन की हरसिद्धि माता, विदिशा की चेतनपुर की माता जी सहित अन्य धार्मिक स्थान पर परिक्रमा स्थल एवं आने-जाने वाले मार्गों के मरम्मत कार्य तत्काल पूरे किये जायें।

नवीन अध्यादेश लागू होने से सभी शिक्षण संस्थानों में एकसमान होगी क्रेडिट प्रणाली

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुसरण में सतत क्रियान्वयन हो रहा है, इससे प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक परिवेश निर्मित हो रहा है एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में महत्वपूर्ण क्रियान्वयन हो रहे हैं। इस अनुक्रम में उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने प्रदेश के समस्त उच्च शिक्षण संस्थानों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में पाठ्यक्रमों में भारतीय ज्ञान परम्परा, मूल्य संवर्धन एवं कौशल विकास के अध्ययन के समावेश के लिए व्यापक कार्ययोजना के साथ क्रियान्वयन के निर्देश दिए थे। उच्च शिक्षा विभाग ने उक्त निर्देशों के अनुपालन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप स्नातक पाठ्यक्रम के लिए नवीन अध्यादेश 14 (1) तैयार किया है। स्नातक पाठ्यक्रम के लिए पृथक-पृथक दो अध्यादेश 14 (ए)-सेमेस्टर प्रणाली और 14 (बी)-वार्षिक प्रणाली को सरलीकृत करते हुए सभी स्नातक पाठ्यक्रम के लिए, मात्र एक अध्यादेश 14 (1) निर्माण किया गया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में 14 (ए) और 14 (बी) को सरलीकृत करते हुए, नवीन अध्यादेश 14 (1) सृजित किया गया है। अध्यादेश में भारतीय ज्ञान परम्परा, मूल्य संवर्धन एवं कौशल विकास के अध्ययन के लिए प्रावधान किये गये हैं। यह शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों को समाज से जोड़ने, प्रतिभावान विद्यार्थियों को अनुसंधान का अवसर दिलाने एवं उनके सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करेगा। विद्यार्थियों का एक से दूसरे संस्थान में स्थानांतरण आसान होगा। नवीन अध्यादेश लागू होने से सभी उच्च शिक्षण संस्थानों में क्रेडिट प्रणाली एकसमान होगी।

विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा, भारिया और सहरिया के लिये बनेगी बटालियन

भोपाल, जनजातीय कार्य विभाग की शौर्य संकल्प योजना के अंतर्गत प्रदेश में निवासरत विशेष पिछड़ी जनजातीय समूह बैगा, भारिया एवं सहरिया के लिये अलग से बटालियन गठित की जायेगी। साथ ही इस समूह के इच्छुक युवाओं को पुलिस, सेना एवं होमगार्ड में भर्ती कराने के लिये इन्हें आवश्यक प्रशिक्षण दिया जायेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) के युवाओं को रोज़गार एवं सेवा से जोड़ने के लिये पीवीटीजी बटालियन बनाने के निर्देश दिये हैं। प्रदेश में बैगा, भारिया एवं सहरिया जनजाति पीवीटीजी समूह में आती हैं। इसी प्रकार आर्मड् फोर्सेस में भर्ती के लिये प्रशिक्षण योजना में जनजातीय कार्य विभाग द्वारा अनुसूचित जाति, जनजाति वर्ग के युवाओं को नेवी, आर्मी, एयरफोर्स, सीआरपीएफ, सीआईएसएफ, आईटीबीपी, बीएसएफ, पुलिस, होमगार्ड एवं अन्य निजी सुरक्षा एजेन्सियों में भर्ती कराने के लिये इन्हें प्रशिक्षण भी दिया जायेगा। इसके लिये कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

जनजातियों के लिये कार्यरत हैं पृथक-पृथक विकास प्राधिकरण

जनजातीय कार्य विभाग में विशेष पिछड़ी जनजातीय समूह (पीवीटीजी) की विकास योजनाओं के क्रियान्वयन के लिये संचालक स्तर के अधिकारी के नेतृत्व में विशेष पिछड़ी जनजातीय समूहों के विकास के लिए योजना बनाने एवं इनका क्रियान्वयन के लिये एजेन्सी भी कार्यरत है। यह एजेन्सी सतत रूप से योजनाओं के अमल की मॉनिटरिंग भी करती है।

एजेन्सी का कार्यक्षेत्र प्रदेश के 15 जिलों में है। विशेष पिछड़ी जनजातियों के विकास के लिये राज्य स्तरीय प्राधिकरण एजेन्सियों का गठन भी किया गया है। हर प्राधिकरण में विशेष पिछड़ी जनजातीय वर्ग के व्यक्ति को अध्यक्ष तथा तीन अशासकीय सदस्यों को मनोनीत किया जाता है। योजनाओं का क्रियान्वयन करने के लिये प्रदेश में 11 प्राधिकरण कार्यरत हैं। बैगा विकास प्राधिकरण के कार्यक्षेत्र में 6 जिले (मण्डला, शहडोल, बालाघाट, उमरिया, डिण्डोरी एवं अनूपपुर) आते हैं।

भारिया विकास प्राधिकरण में (पातालकोट) के कार्यक्षेत्र में छिन्दवाड़ा जिले के तामिया विकासखण्ड के पातालकोट के 12 गांव आते हैं। सहरिया विकास प्राधिकरण के कार्यक्षेत्र में 8 जिले (श्योपुरकलां, मुरैना, भिण्ड, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, ग्वालियर एवं दतिया) आते हैं।

शहीद सैनिकों के परिवार को एक करोड़ अनुग्रह राशि का प्रावधान

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राज्य सैनिक बोर्ड की 20वीं बैठक ली। बैठक में उन्होंने कहा है कि राष्ट्र रक्षा के लिए शहीद हुए सैनिकों के आश्रितों को शासन द्वारा दी जाने वाली आर्थिक सहायता निश्चित समय में प्रदान की जाएगी। सेना द्वारा गठित बोर्ड से सैनिकों के युद्ध या युद्ध के लिए जाते हुए और अन्य कारणों से हादसों में शहादत पर स्वीकृत प्रकरणों में प्रत्येक शहीद सैनिक के परिवार को मध्यप्रदेश सरकार द्वारा एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि भूतपूर्व सैनिकों का कल्याण, उनके परिवार के हितों का संरक्षण राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने बैठक में सैनिकों और सैनिक परिवारों के हित में महत्वपूर्ण स्वीकृतियां प्रदान कीं। इनमें युद्ध या सैनिक कार्यवाही में दिव्यांग होने पर दी जाने वाली राशि 10 लाख रुपये से बढ़ाकर दिव्यांगता प्रतिशत के आधार पर एक करोड़ रुपये तक करने, शहीद के माता-पिता को मिलने वाले मासिक अनुदान को दोगुना करने, शहीद और दिव्यांग सैनिकों की बहन और बेटी के विवाह के लिए 10 हजार के स्थान पर 51 हजार की राशि देने, सैनिक परिवार के मध्यप्रदेश निवासी माता-पिता जिनकी पुत्री सशस्त्र सेना में हो उन्हें भी प्रतिवर्ष 10 हजार के स्थान पर दोगुनी सम्मान निधि देने के निर्णय शामिल हैं।

सचिव श्री अरुण नायर ने राज्य सैनिक बोर्ड की वर्ष 2018 में हुई 19वीं बैठक में लिए गए निर्णयों का पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। मध्यप्रदेश निवासी शौर्य अलंकरण एवं विशिष्ट सेवा पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को दी जाने वाली राशि में शासन द्वारा 30 मार्च, 2023 को आदेश जारी कर वृद्धि की गई है। सैनिक विश्राम गृह बैतूल का निर्माण कार्य भी पूरा किया जा चुका है।

फैक्ट फाइल आयुष्मान भारत - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना

आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को मुफ्त चिकित्सा सुविधा

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना विश्व का सबसे बड़ा स्वास्थ्य कवच है। इस योजना ने हर वर्ग, हर श्रेणी के लोगों का स्वस्थ जीवन सुनिश्चित किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा शुरू की गई, इस योजना को 6 वर्ष हो गए हैं। यह योजना देश के सभी नागरिकों, विशेषकर आर्थिक रूप से गरीब, कमजोर वर्गों के लिए समान स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध करवाने में सफल हुई है। इससे देशवासियों का मुफ्त उपचार होने के साथ उनके स्वस्थ जीवन को सुनिश्चित किया गया है। इससे गरीब वर्ग को बड़ा संबल मिला है। अब वह स्वस्थ जीवन के साथ विकास की संभावनाओं से भविष्य को बेहतर बना सकते हैं।

देशभर के 30 हजार से अधिक अस्पतालों में से 13 हजार से अधिक निजी अस्पताल योजना के तहत सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। योजना से स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच में क्रांति आई है। स्वास्थ्य सेवाओं का नेटवर्क शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में है। भारत सरकार द्वारा योजना को विस्तारित करते हुए 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के नागरिकों को पांच लाख तक के मुफ्त इलाज का निर्णय लिया गया। इस फैसले से 4.5 करोड़ परिवारों के 6 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को लाभ मिलेगा। समग्र स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए सरकार द्वारा आयुष्मान आरोग्य मंदिर से प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती दी जा रही है। आरोग्य मंदिर में सामान्य बीमारियों, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, कैंसर आदि बीमारियों के लिये मुफ्त स्क्रीनिंग निदान और दवाइयां दी जाती हैं। आयुष्मान भारत की उपलब्धियां स्वस्थ भारत को दृढ़ता प्रदान कर रही हैं। यह स्वस्थ, सशक्त और समृद्ध भारत निर्माण की आधारभूत कड़ी है।

- शशांक मणि पांडे

(लेखक, सम सामयिक विषयों के लेखक हैं)

मध्यप्रदेश में आयुष्मान भारत आरोग्य मंदिर

- **11 हजार 800** से अधिक मध्यप्रदेश में आयुष्मान भारत आरोग्य मंदिर संचालित
- वर्ष 2023-24 में आरोग्य मंदिरों में **2 करोड़ से अधिक** व्यक्तियों को उपचार और परामर्श सेवा
- **70 वर्ष** तथा उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को **प्रति वर्ष 5 लाख रुपये** की स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जायेंगी
- भारत आरोग्य मंदिर केंद्र को **104% क्रियाशील करने पर** मध्यप्रदेश को प्रथम पुरस्कार

आयुष्मान भारत योजना

23 सितंबर 2018 को शुरू की गई आयुष्मान भारत योजना

आयुष्मान कार्ड धारक हितग्राही को 5 लाख रुपये तक के मुफ्त उपचार की सुविधा

- **12 करोड़** से अधिक परिवार हुए योजना से लाभान्वित।
- अब तक करीब **53 करोड़** लोगों को डिजिटल हेल्थ आईडी कार्ड हुए जारी।
- **55 करोड़** से अधिक लोग मुफ्त स्वास्थ्य सेवाओं के लिये हैं पात्र।
- **7.5 करोड़** से अधिक मरीजों को मिला सफल उपचार।
- **33 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में** चालू है यह योजना।
- **49 प्रतिशत** आयुष्मान कार्ड महिलाओं को जारी किए गए हैं।
- मध्यप्रदेश में लगभग **4 करोड़ से अधिक** लोगों को जारी हुए हैं **आयुष्मान कार्ड**।
- देश में **1.74 लाख से अधिक** आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की स्थापना।
- देशभर के **30 हजार से अधिक अस्पतालों** में से 13 हजार से अधिक निजी अस्पतालों द्वारा स्वास्थ्य सेवाएं प्रदाय।
- **हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन** का मुख्य केंद्र है योजना।
- योजना से सामाजिक, आर्थिक, जाति जनगणना में चिह्नित वंचित श्रेणी के परिवार, खाद्य सुरक्षा में प्रदाय पर्चीधारी तथा असंगठित श्रेणी के मजदूर लाभान्वित।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम

- गरीबों को मिल रही निःशुल्क डायलिसिस की सेवाएं।
- मध्यप्रदेश के 52 जिलों में 62 हेमोडायलिसिस इकाइयों का संचालन।
- प्रदेश के विभिन्न शासकीय अस्पतालों में 300 से अधिक डायलिसिस मशीनों की सुविधा।
- पिछले एक वर्ष में 2 हजार से अधिक मरीज पंजीकृत।
- 88 हजार 394 मरीजों को डायलिसिस का लाभ।

अल्बर्ट आइंस्टीन

32.7 करोड़ रुपये में नीलाम हुआ पत्र

विख्यात भौतिक विज्ञानी अल्बर्ट आइंस्टीन का हस्ताक्षरित पत्र एक नीलामी में 32.7 करोड़ रुपये में नीलाम हुआ है। यह पत्र आइंस्टीन ने वर्ष 1939 में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति फ्रैंकलिन रुजवेल्ट को लिखा था। पत्र में बताया गया था कि जर्मनी परमाणु हथियारों का विकास कर रहा है। इस पत्र के जरिये आइंस्टीन ने परमाणु हथियारों की भयावहता पर भी विस्तार से लिखा था। यह पत्र लंबे समय तक न्यूयॉर्क के फ्रैंकलिन डी रुजवेल्ट लाइब्रेरी के संग्रह का हिस्सा रहा है।

2024 पीटी5 मून

पृथ्वी को मिला 10 मीटर का नया मिनी चांद

पृथ्वी को करीब ढाई महीने के लिए एक छोटा चांद मिला है। यह उसकी गुरुत्वाकर्षण शक्ति को और बेहतर तरह से समझने में मदद करेगा। यह चांद असल में एक एस्टेरॉयड है, जिसका नाम 2024 पीटी5 है। इसे 7 अगस्त को खोजा गया था। इसका डायमीटर लगभग 10 मीटर है। यह एस्टेरॉयड 9 सितंबर से अर्थ की ऑर्बिट में घूम रहा है और अगले 77 दिन यानी 25 नवंबर तक ऐसा करता रहेगा। यह एस्टेरॉयड चांद की तरह पृथ्वी के चक्कर लगा रहा है, इसलिए इसे मिनी मून नाम दिया गया है। बेहद कम स्पीड होने की वजह से अगले दो महीने में यह एस्टेरॉयड पृथ्वी का एक चक्कर भी पूरा नहीं कर पाएगा।

डॉक्टर स्वाति विजय

अल्जीरिया में भारत की राजदूत नियुक्त

विदेश मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव डॉ. स्वाति विजय कुलकर्णी को अल्जीरिया में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) की वर्ष 1995 बैच की अधिकारी डॉ. स्वाति विजय कुलकर्णी को पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ अल्जीरिया में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो

फॉलोअर्स की संख्या 100 करोड़ के पार

पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो सोशल मीडिया पर एक बिलियन यानी 100 करोड़ फॉलोअर्स का आंकड़ा छूने वाले पहले व्यक्ति बन गए। 39 वर्षीय रोनाल्डो ने हाल ही में यूट्यूब अकाउंट बनाया था। इंस्टाग्राम पर रोनाल्डो के 639 मिलियन यानी 63.9 करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स हैं, जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनके 100 करोड़ फॉलोअर्स का सबसे बड़ा हिस्सा है। क्रिस्टियानो के फेसबुक पर 170.5 मिलियन यानी 17 करोड़ और एक्स पर 113 मिलियन यानी 11 करोड़ फॉलोअर्स हैं।

सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर

स्पेस स्टेशन से अमेरिकी चुनाव में वोट डालेंगे

कई दिनों से अंतरिक्ष में फंसी भारतीय मूल की एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुच विल्मोर ने इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) से एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। सुनीता और बुच ने कई सवालों के जवाब दिए। दोनों ने कहा कि वे अमेरिकी चुनाव में स्पेस से वोटिंग करेंगे। वोटिंग को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में बुच ने कहा कि उन्होंने आज ही वोट देने से जुड़ी चुनावी प्रक्रिया शुरू की है। यह एक जरूरी ड्यूटी है। नासा इस पर काम कर रहा है कि कैसे हम वोट दे सकें। सुनीता विलियम्स ने कहा कि वह स्पेस से वोटिंग करने को लेकर उत्साहित हैं। 400 किलोमीटर दूर स्पेस सेंटर से सुनीता और बुच ने कहा कि उन्होंने अमेरिकी चुनाव में वोट डालने के लिए नासा से पोस्टल बैलेट का अरेंजमेंट करने की रिक्वेस्ट की है। ज्ञात रहे कि सुनीता और बुच ने 5 जून को स्पेस स्टेशन के लिए उड़ान भरी थी। वे 6 जून को अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचे थे। इन्हें 13 जून को वापस आना था, लेकिन नासा के बोइंग स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट में तकनीकी खराबी के कारण वे धरती पर नहीं आ सके हैं।

सांसद तनमनजीत सिंह धेसी

ब्रिटिश रक्षा समिति के अध्यक्ष बने

ब्रिटेन के पहले पगड़ीधारी सिख सांसद तनमनजीत सिंह धेसी को नयी संसद की रक्षा समिति का अध्यक्ष चुना गया है। धेसी को मतदान के बाद चुना गया। स्लो क्षेत्र से लेबर सांसद को 563 वैध वोटों में से 320 वोट मिले। उनके प्रतिद्वंद्वी लेबर सांसद डेरेक ट्विग को 243 वोट मिले। धेसी ने कहा, ''मुझे रक्षा समिति का अध्यक्ष चुने जाने पर खुशी है। मैं सदन के अपने सहयोगियों को मुझ पर भरोसा जताने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं।''

लेल विलकॉक्स

अमेरिकी महिला ने साइकिल से लगाया दुनिया का चक्कर

अमेरिकी महिला लेल विलकॉक्स ने साइकिल द्वारा दुनिया का सबसे तेज चक्कर लगाकर गिनीज बुक में अपना नाम दर्ज करवा लिया है। लेल विलकॉक्स ने अपनी यात्रा शिकागो से शुरू और समाप्त की, जिसमें उन्हें 108 दिन 12 घंटे और 12 मिनट लगे। 29169 किलोमीटर तक साइकिल चलाकर विलकॉक्स ने स्कॉटलैंड की जेनी ग्राहम द्वारा बनाया गया पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया है, जो ग्राहम ने साल 2018 में बनाया था। विलकॉक्स इसी साल की 28 मई को चार महाद्वीपों के 21 देशों को पार करते हुए बीते दिनों शिकागो पहुंची। उन्होंने अपनी यात्रा के दौरान प्रतिदिन 14 घंटे तक साइकिल चलाई है।

एयर मार्शल अमरप्रीत सिंह

वायुसेना प्रमुख नियुक्त

एयर मार्शल अमरप्रीत सिंह को भारतीय वायुसेना का अगला प्रमुख नियुक्त किया गया है। उनके पास 5,000 घंटे से अधिक की उड़ान का अनुभव है। वर्तमान में वायुसेना उप प्रमुख के पद पर कार्यरत सिंह 30 सितंबर को वायुसेना प्रमुख के तौर पर कार्यभार संभालेंगे। सरकार ने वर्तमान में वायुसेना के उप प्रमुख के रूप में कार्यरत एयर मार्शल अमरप्रीत सिंह को एयर चीफ मार्शल के पद पर अगले वायुसेना प्रमुख के रूप में नियुक्त किया है। एयर चीफ मार्शल विवेक राय चौधरी 30 सितंबर को सेवानिवृत्त होंगे। लगभग 40 वर्षों की लंबी और प्रतिष्ठित सेवा के दौरान उन्होंने विभिन्न कमान और स्टाफ में काम किया है।

अराश जेरेहटन

ईरान में 45 सालों में पहली बार सुन्नी गवर्नर नियुक्त

ईरान के सुन्नी मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदाय के अराश जेरेहटन को कुर्दिस्तान प्रांत का गवर्नर बनाया गया है। इस्लामी क्रांति के बाद मुख्यतः शिया बहुल देश में करीब 45 वर्षों में क्षेत्रीय गवर्नर बनने वाले वे पहले सुन्नी हैं। 48 वर्ष के अराश ईरान की संसद में लोकप्रिय सांसद के तौर पर जाने जाते हैं। उन्होंने 2020 से 2024 तक का कार्यकाल सांसद के रूप में पूर्ण किया है।

स्टीव जॉब्स

दस्तखत वाली कैसेट नीलाम होगी

स्टीव जॉब्स के दस्तखत वाला एपल कंप्यूटर कंपनी का एक चेक और कैसेट की नीलामी होने वाली है। 16 जुलाई 1976 की तारीख का 882.45 रुपये का चेक 20 लाख रुपये में बिक सकता है। कैसेट की बोली 8 लाख रुपये लग सकती है। ज्ञात रहे कि 24 मार्च 2024 को स्टीव का बिजनेस कार्ड 1.5 करोड़ रुपये से अधिक में बिका है। इसे आर.आर. ऑक्शन ने नीलाम किया है।

न्यूजीलैंड

होइहो को चुना गया बर्ड ऑफ द ईयर

न्यूजीलैंड में वार्षिक बर्ड ऑफ द ईयर-2024 के चुनाव में होइहो या पीली आंखों वाले पेंगुइन ने जीत हासिल की। इस चुनाव में 50,000 से अधिक लोगों ने मतदान किया। इसे दुनिया का सबसे दुर्लभ पेंगुइन माना जाता है। पिछले 15 वर्षों में इसकी संख्या में 78% की गिरावट आई है। प्रतियोगिता के आयोजकों ने बताया कि होइहो को सर्वाधिक मत प्राप्त हुए। न्यूजीलैंड में पाए जाने वाले होइहो की अनुमानित आबादी 4 से 5 हजार के बीच है।

ध्रुवी पटेल

अमेरिका में बनीं 'मिस इंडिया वर्ल्ड वाइड 2024'

अमेरिका में भारतीय मूल की छात्रा ध्रुवी पटेल को 'मिस इंडिया वर्ल्ड वाइड 2024' घोषित किया गया है। ध्रुवी 'कम्प्यूटर इन्फॉर्मेशन सिस्टम' की छात्रा हैं। मिस इंडिया वर्ल्ड वाइड' भारत से बाहर होने वाली सौंदर्य प्रतियोगिता है। ध्रुवी हिंदी फिल्मों में अभिनेत्री और संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) की दूत बनना चाहती हैं। न्यूजर्सी के एडिसन में मिस इंडिया वर्ल्ड वाइड का ताज पहनाए जाने के बाद ध्रुवी ने कहा, मिस इंडिया वर्ल्ड वाइड का खिताब जीतना अभूतपूर्व सम्मान है। यह ताज से कहीं बढ़कर है।

आईएएस राजेश वर्मा

सीएक्यूएम के अध्यक्ष बने

भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), ओडिशा कैडर के वर्ष 1987 बैच के अधिकारी राजेश वर्मा ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के नए पूर्णकालिक अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाल लिया। राजेश वर्मा को तीन वर्ष की अवधि के लिए या अगले आदेश तक (जो भी पहले हो) के लिए नियुक्त किया गया है। 31 अगस्त, 2024 को राजेश वर्मा भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के सचिव के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। राजेश वर्मा को राष्ट्रपति सचिवालय सहित केंद्र और राज्य सरकारों के विभिन्न विभागों में काम करने का व्यापक अनुभव है।

स्मृति शेष

भारतीय मूल के अफ्रीकी नेता प्रवीण गोरधन का निधन

भारतीय मूल के दक्षिण अफ्रीकी नेता और देश के पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रवीण गोरधन नहीं रहे। कैंसर पीड़ित 75 वर्षीय गोरधन ने अस्पताल में आखिरी सांस ली। यह जानकारी उनके शोक संतप्त परिवार ने दी। वह दक्षिण अफ्रीका की राजनीति में नब्बे के दशक से लगभग चार माह पहले तक सक्रिय रहे। दक्षिण अफ्रीका के प्रमुख समाचार पत्र द मेल एंड गार्जियन के अंग्रेजी संस्करण की खबर के अनुसार, नेशनल असेंबली के पूर्व अध्यक्ष और भारतीय मूल के प्रवीण गोरधन ने रंगभेद-विरोधी आंदोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

गायिका कैटरिना वैलेंटे का 93 वर्ष की आयु में निधन

विश्व प्रसिद्ध गायिका कैटरिना वैलेंटे का 93 वर्ष की आयु में निधन हो गया। स्विस इफो सीएच ने उनके प्रेस प्रवक्ता गुथर ह्यूबर के हवाले से यह खबर दी। ह्यूबर ने बताया कि वह स्विट्जरलैंड के लुगानो में अपने घर पर रहती थीं। उन्हें ऑल पेरिस इज ड्रीमिंग ऑफ लव की प्रस्तुति से दुनिया भर में ख्याति मिली। अपने लंबे कॅरियर में वैलेंटे ने मुख्य रूप से 1950 और 1960 के दशक में सदाबहार गीत गाए। उन्होंने जर्मन, इतालवी, फ्रेंच, अंग्रेजी और कई अन्य भाषाओं में गाने गाए। उन्होंने जैज और पॉप गीतों को नया अंदाज देकर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

विश्व विख्यात बॉडीबिल्डर इलिया गोलेम का निधन

विश्व विख्यात बॉडीबिल्डर इलिया गोलेम येफिमचिक का 36 साल की उम्र में हार्ट अटैक से निधन हो गया। बताया जा रहा है कि गोलेम की बॉडी का ज्यादा साइज ही उनकी मौत का कारण बना। उनका वजन 154 किलो और हाइट 6 फीट 1 इंच थी। उनका चेस्ट 61 इंच और बाइसेप्स 25 इंच थे। गोलेम दिन में 7 बार खाना खाते थे और रोज 16,500 कैलोरी का इनटेक करते थे।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व गेंदबाज फ्रैंक मिसन का निधन

ऑस्ट्रेलिया और न्यू साउथ वेल्स के पूर्व तेज गेंदबाज फ्रैंक मिसन का 85 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। मिसन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 1960-61 की घरेलू सीरीज और 1961 में इंग्लैंड के एशेज दौरे में पांच टेस्ट मैच खेले, लेकिन एड़ी की चोट के कारण उनका टेस्ट कॅरियर छोटा हो गया। उन्होंने 38.50 की औसत से 16 विकेट लिए, जिसमें मेलबर्न में वेस्टइंडीज के खिलाफ 58 रन देकर 4 विकेट लेना भी शामिल है। उन्होंने 1958 से 1964 तक अपने छोटे से कॅरियर में 31.13 की औसत से 177 प्रथम श्रेणी विकेट लिए।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संभाग-सागर माधवराव सप्रे मार्ग, (मुख्य मार्ग क्रमांक-03) भोपाल (म.प्र.) 462003
निविदा आमंत्रण सूचना

नि.आं.सू.क्र.-04/2024-25/712 **भोपाल, दिनांक : 19.09.2024**

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संभाग-सागर की ओर से निम्नलिखित कार्य संपादित करने के लिये निविदा पोर्टल ऑनलाइन (निविदा ई-टेण्डरिंग के माध्यम) से **www.mptenders.gov.in** (Department of Directorate of Health Services) 02 एवं 03 लिफाफा पद्धति से प्रपत्र ''अ'' फार्म में परसेंटेज बेसिस पर उपयुक्त श्रेणी में पंजीबद्ध ठेकेदारों हेतु प्रोजेक्ट डायरेक्टर पीआईयू लोक निर्माण विभाग भोपाल द्वारा जारी भवन एवं विद्युत कार्य हेतु एसओआर दिनांक 01.01.2024 (निविदा सूचना जारी होने तक किये गये समस्त संशोधनों सहित) दरों पर आमंत्रित की जाती है। निविदा का विवरण निम्नानुसार है :–

ई-निविदा सूचना क्रमांक-04/2024-25 (प्रथम एवं चतुर्थ आमंत्रण)

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. जिला चिकित्सालय सागर के फिजियोथेरिपी यूनिट में एल्यूमीनियम पार्टीशन का कार्य। (प्रथम आमंत्रण)

टेण्डर नं. 2024_DHS	अनुमा. लागत राशि रु. लाख में	जमा धरोहर राशि रु. में	टेण्डर दर राशि रु. में	समय सीमा	प्रभावशील एस.ओ.आर.
2024_DHS_370441	3.73	7460/-	2000/-	01 माह वर्षाकाल सहित	दिनांक 01.01.2024

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. जिला छतरपुर के विकासखण्ड गौरिहार एवं बारिगढ़ में 15 नग उपस्वास्थ्य केन्द्र भवनों का सी.एच.ओ. आवास सहित निर्माण कार्य। (चतुर्थ आमंत्रण)

2024_DHS_370442	826.20	826200/-	20000/-	18 माह वर्षाकाल सहित	दिनांक 01.01.2024

1. कार्य से संबंधित एन.आई.टी. वेबसाइट **(http://www.mptenders.gov.in)** पर देखी जा सकती है।
2. निविदा प्रपत्र ऑनलाइन दिनांक 25.09.2024 प्रातः 10.30 से दिनांक 09.10.2024 सायं 17.30 तक क्रय किये जा सकते हैं।
3. धरोहर राशि स्टेट हेल्थ सोसायटी एन.एच.एम. भोपाल के पक्ष में देय होगी।
4. एन.आई.टी. में कोई भी संशोधन होने की स्थिति में वेबसाइट **(http://www.mptenders.gov.in)** पर प्रकाशित किया जावेगा समाचार पत्रों में नहीं।
5. उपरोक्त निविदा को किसी भी स्तर पर निरस्त करने के अधिकार विभाग के पास सुरक्षित है।

कार्यपालन यंत्री

जी-16589/50071/2024 **राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, संभाग-सागर**

कार्यालय प्रमुख अभियंता
जल संसाधन विभाग, भोपाल

ईमेल - ce.tender.wrdmp@gmail.com, फोन - 0755-2767635, फैक्स - 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक-1099/2024-25/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ **भोपाल, दिनांक : 20.09.2024**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 21.10.2024 को 17.30 बजे तक** क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
6.	2024_WRD_369169	**टर्न की पद्धति पर** :– बड़ादेव संयुक्त माईक्रो सिंचाई परियोजना अंतर्गत सानेर बांध एवं सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	जबलपुर	62310.00
7.	2024_WRD_369170	**टर्न की पद्धति पर** :– बड़ादेव संयुक्त माईक्रो सिंचाई परियोजना अंतर्गत टेरिया नाला बांध एवं सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	जबलपुर	26862.00

जी-16694/50078/2024 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण संभाग भोपाल (म.प्र.)
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 03/सेतु/2024-25/का.यं. **भोपाल, दिनांक : 20.09.2024**

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. जिला हरदा में भातपरेटिया से रन्हईकलां मार्ग में अजनाल नदी पर जलमग्नीय पुल का निर्माण।

टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	टीप
2024_PWDRB_370683_1	हरदा	पुल कार्य	द्वितीय	342.17	मूल एफ.डी.आर. का भुगतान ऑनलाइन होगा एवं समस्त दस्तावेज ऑनलाइन जमा होंगे।

क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. जिला हरदा में सॉंगवा से रूनझुन मार्ग में कालीमाचक नदी पर पुल निर्माण।

2024_PWDRB_370691_1	हरदा	पुल कार्य	द्वितीय	362.39	मूल एफ.डी.आर. का भुगतान ऑनलाइन होगा एवं समस्त दस्तावेज ऑनलाइन जमा होंगे।

क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. जिला हरदा में कमताड़ा मरदानपुर-धौलपुर मार्ग के मध्य माचक नदी पर पुल निर्माण कार्य।

2024_PWDRB_370692_1	हरदा	पुल कार्य	द्वितीय	398.16	मूल एफ.डी.आर. का भुगतान ऑनलाइन होगा एवं समस्त दस्तावेज ऑनलाइन जमा होंगे।
			योग -	1102.72	

उपरोक्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि 07.10.2024, (17.30) बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मूल एफ.डी.आर. का भुगतान केवल ऑनलाइन होगा एवं अन्य दस्तावेज ऑनलाइन जमा होंगे। भौतिक रूप से किसी भी प्रकार के दस्तावेज कार्यालय में जमा नहीं किये जायेंगे।

कार्यपालन यंत्री

जी-16719/50080/2024 **लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण संभाग भोपाल (म.प्र.)**

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल

ईमेल - ce.tender.wrdmp@gmail.com, फोन - 0755-2767635, फैक्स - 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक-1098/2024-25/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ **भोपाल, दिनांक : 20.09.2024**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 21.10.2024 को 17.30 बजे तक** क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2024_WRD_369164	**टर्न की पद्धति पर** :– संजय सरोवर परियोजना के विस्तारीकरण, नवीनीकरण एवं आधुनिकीकरण (ई.आर.एम.) के अंतर्गत भीमगढ़ दांयी तट नहर प्रणाली की मुख्य नहर वितरक नहर, माइनर एवं सब माइनर नहरों की रिसेक्शिनिंग एवं सी.सी. लाइनिंग, विभिन्न स्ट्रक्चरों का सुधार और मरम्मत कार्य एवं अन्य कार्य विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं।	सिवनी	9273.59
2.	2024_WRD_369166	**टर्न की पद्धति पर** :– संजय सरोवर परियोजना के विस्तारीकरण, नवीनीकरण एवं आधुनिकीकरण (ई.आर.एम.) के अंतर्गत भीमगढ़ दांयी तट नहर प्रणाली की टेल शाखा नहर वितरक नहर माइनर एवं सब माइनर नहरों की रिसेक्शिनिंग एवं सी.सी. लाइनिंग विभिन्न स्ट्रक्चरों का सुधार और मरम्मत कार्य तथा अन्य कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	सिवनी	5963.40
3.	2024_WRD_369168	**टर्न की पद्धति पर** :– संजय सरोवर परियोजना के विस्तारीकरण, नवीनीकरण एवं आधुनिकीकरण (ई.आर.एम.) के अंतर्गत सिवनी जिले की तिलवारा बांयी तट नहर प्रणाली समस्त मुख्य नहर, वितरक नहर, माइनर नहरों की रिसेक्शिनिंग एवं सी.सी. लाइनिंग विभिन्न स्ट्रक्चरों का सुधार और मरम्मत कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं।	सिवनी	7632.00
4.	2024_WRD_370271	**टर्न की पद्धति पर** :– संजय सरोवर परियोजना के विस्तारीकरण, नवीनीकरण एवं आधुनिकीकरण (ई.आर.एम.) के अंतर्गत बालाघाट जिले की ढूटी बांयी तट नहर प्रणाली की मुख्य नहर चैन क्र. 03 से 1000 तक एवं वितरक नहरों की रिसेक्शिनिंग एवं सी.सी. लाइनिंग विभिन्न स्ट्रक्चरों का सुधार और मरम्मत कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं।	बालाघाट	3800.73
5.	2024_WRD_370733	**टर्न की पद्धति पर** :– संजय सरोवर परियोजना के विस्तारीकरण, नवीनीकरण एवं आधुनिकीकरण (ई.आर.एम.) के अंतर्गत बालाघाट जिले की ढूटी बांयी तट नहर प्रणाली की मुख्य नहर चैन क्र. 1000 से 2730 तक एवं वितरक नहरों की रिसेक्शिनिंग एवं सी.सी. लाइनिंग विभिन्न स्ट्रक्चरों का सुधार और मरम्मत कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं।	बालाघाट	8544.29

जी-16606/50072/2024 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग हरदा

Tele. : 07577-222519, E-mail : eeresharmp@nic.in

निविदा विज्ञप्ति क्रमांक - 06/2024-25

क्रमांक/951/निविदा/बलेलि/2024 **दिनांक : 23.09.2024**

म.प्र. के राज्यपाल की ओर से निम्नांकित कार्य हेतु मोहरबंद निविदायें फार्म ''ए'' (Appendix 2.10) पर म.प्र. के कार्य विभागों में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से सिविल कार्य एवं सेनेटरी कार्य हेतु ग्रामीण यांत्रिकी सेवा में दिनांक 11.04.2022 से प्रभावशील दर अनुसूची तथा निविदा विज्ञप्ति जारी होने की दिनांक तक संशोधित दर अनुसूची के आधार पर इस कार्यालय में दिनांक 14.10.2024 को अपराह्न 5.30 बजे तक आमंत्रित की जाती है एवं कोरे निविदा प्रपत्र दिनांक 01.10.2024 से 14.10.2024 को समय 5.30 बजे तक अधोहस्ताक्षरकर्ता कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है एवं निविदा खोलने का दिनांक 15.10.2024 समय 10.30 बजे रहेगा।

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. फर्श, छत, रंगाई-पुताई एवं शौचालय कार्य।

कार्य स्थल	विकास खंड	अनु. लागत (लाख में)	धरोहर राशि रु.	निविदा प्रपत्र	समय अवधि	निविदा आमंत्रण क्रा क्रम	ठेकेदार की श्रेणी
शासकीय आयुष विंग जिला चिकित्सालय परिसर हरदा में मरम्मत कार्य।	हरदा	143444/-	2870/-	1000/-	02 माह	द्वितीय	सी-श्रेणी या ऊपर की श्रेणी केन्द्रीयकृत पंजीयन

निविदा की शर्तें :–

1. ड्राईंग आदि अभिलेख कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के कार्यालय में कार्य दिवस में कार्यालयीन समय में देखे जा सकते हैं तथा कोरे निविदा प्रपत्र **दिनांक 01.10.2024 से 14.10.2024 तक** अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से अपराह्न 5.30 बजे तक निर्धारित मूल्य अदा कर प्राप्त किये जा सकते हैं।
2. सशर्त एवं ओवर राईटिंग लिखाई निविदा में मान्य नहीं होंगे।
3. डाक द्वारा निविदा प्रपत्र मंगवाने पर रुपये 50/- अतिरिक्त डाक का वास्तविक व्यय देना होगा तथा पोस्ट/स्पीड पोस्ट के द्वारा डाक विलंब से प्राप्त होने पर कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
4. निविदा की अमानत राशि तालिका के कॉलम 6 के अनुसार राष्ट्रीयकृत बैंक का एफ.डी.आर. जो संबंधित कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग-हरदा के पक्ष में देय हो को जमा की जावें।
5. पंजीयन प्रमाण-पत्र की स्वप्रमाणित प्रतिलिपि।
6. ई.पी.एफ.ओ. रजिस्ट्रेशन/मजदूर का जीवित लेबर लायसेंस स्वप्रमाणित प्रतिलिपि।
7. निविदा क्रय करते समय पंजीयन की प्रतिलिपि एवं आयकर एवं जी.एस.टी. विभाग का पंजीयन प्रस्तुत करना आवश्यक होगा एवं उक्त दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर निविदा प्रपत्र विक्रय नहीं किये जावेंगे।
8. निविदा स्वीकृत करने या अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार सक्षम प्राधिकारी के पास सुरक्षित होगा।
9. कार्य में किसी भी प्रकार का विलंब होने पर तथा किन्हीं भी परिस्थितियों में मूल्य वृद्धि देय नहीं होगी।
10. कार्य में विलंब होने पर अनुबंधानुसार कार्यवाही प्रस्तावित की जावेगी।
11. निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का वाद-विवाद होने पर सक्षम प्राधिकारी का निर्णय अंतिम होगा।
12. कार्य करने के दौरान किसी भी श्रमिक की दुर्घटना एवं मृत्यु होने पर उनका समस्त उत्तरदायित्व संबंधित निविदाकार का होगा।
13. निविदा अनुबंध के दस्तावेजों पर न्यूनतम रुपये 500/- तथा अधिकतम रुपये 25000/- के अध्याधीन रहते हुये ऐसे दस्तावेज द्वारा प्रतिभूमि रकम अथवा मूल्य का 0.25 प्रतिशत स्टाम्प शुल्क प्रभावित होगा यदि शासन द्वारा इस शुल्क में कोई परिवर्तन किया जाता है तो ऐसी परिस्थिति में अनुबंध के समय प्रचलित दरों पर स्टाम्प शुल्क प्रभावित होगा।

कार्यपालन यंत्री

जी-16688/50077/2024 **ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग हरदा**

क्रमांक 2715001/2014/ई.डी.पी./ई-टेंडरिंग/406/1502

कार्यालय प्रमुख अभियंता

जल संसाधन विभाग, जल संसाधन भवन, तुलसी नगर, भोपाल

ईमेल - mpwrdetenders@gmail.com, edpcell.encwrd.bpl@mp.gov.in

फोन - 0755-2553402, फैक्स - 0755-2552406

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्रमांक-583/2715001/ई.डी.पी./2021-22/प्र.अ./ई-टेंडरिंग **भोपाल, दिनांक : 20.09.2024**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र वेबसाइट पर दिनांक 07.10.2024 को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	जिला	राशि रु. लाख में
1.	2024_WRD_354503	पंचमनगर वृहद सिंचाई परियोजना के पगरा बांध एवं पंचमनगर बैराज की निगरानी और देखरेख का कार्य।	सागर	9.15
2.	2024_WRD_357578	जावरा उपखण्ड के 15 नंबर बैराजों के गेट्स मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	रतलाम	7.13
3.	2024_WRD_365310	माचक खिरकिया के वर्षाकाल के दौरान क्षतिग्रस्त नहर और संरचना के रखरखाव कार्य।	हरदा	7.35
4.	2024_WRD_365985	सिंचाई कॉलोनी स्थित आवासों एवं संभागीय कार्यालय भवन के वार्षिक रखरखाव एवं मरम्मत कार्य।	रतलाम	14.79
5.	2024_WRD_366005	स्वारा भवन, भोपाल की लिफ्ट का वार्षिक अनुरक्षण कार्य।	भोपाल	2.02
6.	2024_WRD_366240	पार्वती काम्प्लेक्स (श्रृंखलाबद्ध बैराज) का सर्वेक्षण कार्य	सीहोर	8.42
7.	2024_WRD_367208	लाइट मशीनरी एवं वि./यां. उपसंभाग क्र.01 तवानगर हेतु निरीक्षण वाहन किराये पर लेना।	नर्मदापुरम	3.42
8.	2024_WRD_367209	लाइट मशीनरी एवं वि./यां. उपसंभाग क्र.04 बाडी हेतु निरीक्षण वाहन किराये पर लेना।	नर्मदापुरम	3.42
9.	2024_WRD_367439	लाइट मशीनरी एवं वि./यां. उपसंभाग क्र.03 भोपाल हेतु निरीक्षण वाहन किराये पर लेना।	भोपाल	3.42
10.	2024_WRD_367440	कुण्डलिया बांध डूब क्षेत्र के ढाबला डी.एल. एवं रोजड़ी ए.जी. फीडर के एक सेक्शन में 11 के.वी. लाइन शिफ्टिंग का कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	भोपाल	9.72
11.	2024_WRD_367441	मकसूदगढ़ डी.सी. के इम्नाखेड़ी फीडर से शाहपुर फीडर तक डी.टी. आर. 11 के.वी. लाइन शिफ्टिंग का कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	भोपाल	2.52
12.	2024_WRD_367442	लाइट मशीनरी एवं वि./यां. उपसंभाग क्र.01 भोपाल हेतु निरीक्षण वाहन किराये पर लेना।	भोपाल	3.42
13.	2024_WRD_367443	वाहन क्र. एम.पी. 02 ए.व्ही. 5504 का सुधार व मरम्मत कार्य।	भोपाल	0.61
14.	2024_WRD_367445	वि./यां. जल संसाधन मंडल भोपाल एवं ला.म. संभाग भोपाल हेतु लेखन सामग्री का प्रदाय।	भोपाल	0.69
15.	2024_WRD_367769	उपसंभाग भिण्ड के मुख्य नहर के गेटों का मरम्मत कार्य।	ग्वालियर	5.35
16.	2024_WRD_367771	उपसंभाग ग्वालियर के मउ शाखा के नहरों गेट, माइनर गेट का सुधार एवं मरम्मत कार्य।	ग्वालियर	3.33
17.	2024_WRD_367772	भिण्ड मुख्य नहर के गेटों का सुधार एवं मरम्मत कार्य।	ग्वालियर	3.84
18.	2024_WRD_367773	हरसी मुख्य नहर के गेटों का वार्षिक सुधार, मरम्मत, आईलिंग एवं ग्रीसिंग का कार्य।	ग्वालियर	1.98
19.	2024_WRD_367826	अम्बाह शाखा नहर की आर.डी. 31.64 कि.मी.से आर.डी. 81.74 कि.मी. तक सफाई एवं मरम्मत कार्य।	मुरैना	11.11
20.	2024_WRD_367827	अम्बाह शाखा नहर की आर.डी. 0.00 कि.मी. से आर.डी. 31.64 कि.मी. तक सफाई एवं मरम्मत कार्य।	मुरैना	5.14
21.	2024_WRD_367863	साजली सिंचाई बांयी तट मिट्टी बांध में आवश्यक उपकरणों सहित स्ट्रीट लाइट व्यवस्था एवं अन्य कार्य।	सागर	11.48
22.	2024_WRD_367865	सीतानगर सिंचाई बांध में स्थापित 33/6.6 के.व्ही. विद्युत उपकेन्द्र पर आवश्यक उपकरणों का प्रदाय एवं अन्य कार्य।	सागर	11.59
23.	2024_WRD_368282	ला.म.वि./या. महूअर बांध हेतु अकुशल एवं कुशल श्रमिक का प्रदाय।	ग्वालियर	1.36
24.	2024_WRD_368283	अपर ककेटों बांध हेतु अकुशल एवं कुशल श्रमिक का प्रदाय।	ग्वालियर	1.36
25.	2024_WRD_368284	हरसी हाई लेवल के एच.आर. सी.आर. गेटों का आइलिंग, ग्रीसिंग एवं सुधार का मरम्मत कार्य।	ग्वालियर	4.25
26.	2024_WRD_368325	सेंदपा तालाब की नहर का मरम्मत कार्य।	छतरपुर	4.95
27.	2024_WRD_368326	देवपुर द्वितीय तालाब की नहर का मरम्मत कार्य	छतरपुर	4.97
28.	2024_WRD_368390	तवा परियोजना की हंडिया शाखा नहर प्रणाली की हरदा उपनहर की आर.डी. 21 कि.मी. से 33 मी. के मध्य क्षतिग्रस्त लाइनिंग का मरम्मत कार्य।	हरदा	10.34
29.	2024_WRD_368391	तवा परियोजना की हंडिया शाखा नहर प्रणाली की हरदा उपनहर की आर.डी. 21 कि.मी. से 33 मी. के मध्य क्षतिग्रस्त स्ट्रक्चर्स का मरम्मत कार्य।	हरदा	5.13
30.	2024_WRD_368853	मोहनपुरा बांध से प्रभावित ग्राम संजनग्राम को मुख्य मार्ग से जोड़ने हेतु बिटूमन रोड़ का निर्माण कार्य।	राजगढ़	16.65
31.	2024_WRD_369147	नयापुरा बैराज के 66 नग जलद्वार का प्रदाय एवं फेब्रीकेशन का कार्य।	भोपाल	16.92
32.	2024_WRD_369148	सुल्तानपुरा बैराज के 10 नग जलद्वार का एमबेडेड पाट्स प्रदाय का मरम्मत तथा रखरखाव कार्य।	भोपाल	7.02
33.	2024_WRD_369149	जलद्वारों के निर्माण हेतु एम.एस. राउण्ड बार 63 एम.एम. के स्कवेयर ग्रेडिंग का कार्य।	भोपाल	1.76
34.	2024_WRD_369150	विभिन्न जल संसाधन संभागों के जलद्वारों के लिए डब्ल्यू.डब्ल्यू. 90 हेड स्टॉक 56 एमएम डाया नट के प्रदाय, कास्टिंग, मशीनिंग एवं असेम्बली का प्रदाय।	भोपाल	11.15
35.	2024_WRD_369151	रायपानी बैराज के 10 नग जलद्वार का प्रदाय एवं फेब्रीकेशन का कार्य।	भोपाल	12.55
36.	2024_WRD_369174	लाइट मशीनरी एवं वि./यॉ. उपसंभाग धार एवं खरगोन हेतु निरीक्षण वाहन किराये पर लेना।	धार	3.42
37.	2024_WRD_369175	लहार नगर एवं इसकी वितरिकाओं का मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	दतिया	3.64
38.	2024_WRD_369176	भाण्डेर मुख्य नहर एवं इसकी वितरिकाओं का मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	दतिया	3.79
39.	2024_WRD_369177	दतिया सिंचाई नहर एवं इसकी वितरिकाओं का मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	दतिया	7.64
40.	2024_WRD_369187	मडीखेड़ा बांध पर ग्रेन्ट्री क्रेन, लिफ्टिंग बीम, होइस्टिंग अरेन्जमेंट, केट वाक वे का सी.डी., रेलिंग एवं हाईड्रोलिक पाइप का पेंटिंग कार्य।	दतिया	4.21
41.	2024_WRD_369553	समोहा बांध पर 315 के.व्ही. ट्रान्सफार्मर का मरम्मत का कार्य	दतिया	4.21
42.	2024_WRD_369770	डी 50 ए 15 काम्पेक्शन मशीन क्र. 57, जे.सी.बी. 20 के सुधार कार्य।	बालाघाट	1.18
43.	2024_WRD_369771	डी 50 ए 15 काम्पेक्शन मशीन क्र. 61, 83, 08 के सुधार कार्य।	बालाघाट	1.19
44.	2024_WRD_369772	डी 50 ए 15 काम्पेक्शन मशीन क्र. 12, 02, 55 जे.सी.बी. 19, 18 के सुधार कार्य।	बालाघाट	1.58
45.	2024_WRD_369774	डी 50 ए 15 काम्पेक्शन मशीन क्र. 61, 08, 83 के सुधार हेतु कलपुर्जों का प्रदाय।	बालाघाट	2.49
46.	2024_WRD_369778	डी 50 ए 15 काम्पेक्शन मशीन क्र. 57 एवं जे.सी.बी. 20 के सुधार हेतु कलपुर्जों का प्रदाय।	बालाघाट	1.54
47.	2024_WRD_369781	डी 50 ए 15 काम्पेक्शन मशीन क्र. 12, 02, 55, जे.सी.बी. 19, 18 के सुधार हेतु कलपुर्जों का प्रदाय।	बालाघाट	2.54
			कुल योग	**265.74**

जी-16703/50079/2024 नोडल अधिकारी (ई-टेंडरिंग)

alexia COLLEGE OF PROFESSIONAL STUDIES
[Affiliated to DAVV & recognized by Govt of M.P.]
Requires
- Principal
- Associate/Assistant Professors

In the field of Commerce, Managment, Computer, Hindi, English, Social Work. Vocational Course Faculty B.Com. CA-DTP, Tax GST, FT, Retail Marketing Plain, Personality Development

Librarian, Sports Officer, Marketing Excutive, Counsellor (F), Office Assistant, Tally Caller (F) Office (Boys/Girls)

Qualification & Salary as per Norms Apply within 7 days through Email alexiacollege@yahoo.in Call : 0731-4047400

R-50101/2024

CRISP ISO 9001:2015

फ्री-शुल्क रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण कार्यक्रम

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार एवं राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान (NISE), गुरूग्राम के सहयोग से

''सूर्यमित्र'' योजनांतर्गत

सोलर पीवी इन्सटॉलर (सूर्यमित्र)
Solar PV Installer (Suryamitra)

शैक्षणिक योग्यता : आई.टी.आई./डिप्लोमा (इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रॉनिक्स/सिविल/मैकेनिकल/फिटर/इन्सट्रूमेंटेशन/वेल्डर)

पाठ्यक्रम : सौर ऊर्जा से सम्बंधित स्थापना, कमीशनिंग, संचालन, रखरखाव तथा इलेक्ट्रिकल कंट्रोल व इलेक्ट्रॉनिक्स मेंटेनेंस इत्यादि।

कार्यक्रम विशेषता : प्रशिक्षण 3 से 4 माह अवधि का एवं निःशुल्क है। प्रशिक्षणार्थियों हेतु भोपाल में रहने एवं खाने की व्यवस्था निःशुल्क की जावेगी। प्रशिक्षण के उपरान्त सोलर अथवा अन्य उद्योगों में रोजगार उपलब्ध कराने में सहयोग प्रदान किया जायेगा।

(पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना एवं सोलर क्षेत्र में कुशल तकनीशियन के लिए स्वर्णिम रोजगार / स्वरोजगार के अवसर)

इच्छुक आवेदक दिए गए क्यू आर कोड को स्कैन कर रजिस्ट्रेशन करें एवं दिनांक 15 अथवा 16 अक्टूबर को साक्षात्कार हेतु क्रिस्प भोपाल में कार्यालयीन समय में उपस्थित हों।

अधिक जानकारी हेतु www.crispindia.com देखें अथवा सम्पर्क करें : 9893320613, 9425628719, 8319547089

इच्छुक आवेदक ईमेल पर भी आवेदन भेज सकते हैं : antiwari@crispindia.com

प्रशिक्षण दिनांक 04 नवम्बर 2024 से क्रिस्प भोपाल में प्रारंभ होगा। केवल वही युवा आवेदन करें जिन्होंने शिक्षा पूरी कर ली हो एवं रोजगार हेतु भारत में कहीं भी जाने हेतु तैयार हों।

सेन्टर फॉर रिसर्च एण्ड इण्डस्ट्रीयल स्टॉफ परफारमेंस
(तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग मध्यप्रदेश शासन की एक स्वायत्त संस्था है)
श्यामला हिल्स, मानस भवन के सामने, भोपाल, फोन नं. 0755-2661401

R-50100/2024

सरकारी स्कूलों में बच्चों के शत-प्रतिशत नामांकन के लिये जन-भागीदारी से हों प्रयास

नर्मदापुरम, स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने निर्देश दिये हैं कि सरकारी स्कूलों में कक्षा पहली में शत-प्रतिशत बच्चों का प्रवेश हो, यह सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने सरकारी स्कूलों में मिलने वाली सुविधाएं जैसे निःशुल्क गणवेश, पाठ्य-पुस्तकें और मध्याह्न भोजन की जानकारी शिक्षकों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सचिव और रोज़गार सहायक के माध्यम से बच्चों के अभिभावकों के घर-घर तक पहुंचाने के लिये भी कहा। स्कूल शिक्षा मंत्री नरसिंहपुर में जिला अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में गाडरवारा क्षेत्र में सरकारी योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की गई।

बैठक में स्कूल शिक्षा मंत्री ने सरकारी स्कूलों के आकस्मिक निरीक्षण की प्रक्रिया को सतत रूप से किये जाने के लिये भी कहा। उन्होंने कहा कि जो शिक्षक स्कूलों में अनुपस्थित पाये जाते हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। श्री सिंह ने जिले में किसान उपभोक्ताओं के बढ़े हुए बिजली बिल मिलने पर अप्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने ऐसे किसानों की सुनवाई के लिये विशेष व्यवस्था किये जाने के निर्देश दिये। मंत्री श्री सिंह ने गाडरवारा क्षेत्र में जले हुए ट्रांसफार्मर्स शीघ्र बदले जाने की भी बात कही। उन्होंने कहा कि कुछ क्षेत्रों में किसानों को कृषि पम्पों के हॉर्स-पॉवर बढ़ाकर बिल दिये जाने की शिकायतें मिल रही हैं। उन्होंने इसके लिये दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई किये जाने के लिये भी कहा।

वन्य प्राणी सप्ताह

वन और वन्य प्राणियों का भी हृदय प्रदेश है अपना मध्यप्रदेश

...अजगरों से भरे जंगल।
अगम, गति से परे जंगल
सात-सात पहाड़ वाले,
बड़े छोटे झाड़ वाले,
शेर वाले बाघ वाले,
गरज और दहाड़ वाले,
कम्प से कनकने जंगल,
नींद मे डूबे हुए से
ऊंघते अनमने जंगल।...
सतपुड़ा के घने जंगल।।

ये पंक्तियां प्रसिद्ध कवि भवानी प्रसाद मिश्र की कविता 'सतपुड़ा के घने जंगल' से ली गई हैं। ये मध्यप्रदेश के जंगल और वन्य प्राणियों खास तौर पर सतपुड़ा क्षेत्र को दर्शाने के लिए काफी हैं। वन्य प्राणी सप्ताह में इस अद्भुत कविता को हमें जरूर पढ़ना चाहिए। मुझे यकीन है कि हम में से कईयों ने इसे बचपन में जरूर सुना होगा। अब बात करते हैं वन्य प्राणी सप्ताह की। हमारे देश में प्रत्येक वर्ष अक्टूबर माह के पहले सप्ताह में वन्यजीव सप्ताह (Wild-life Week) मनाया जाता है। देश में 2 से 8 अक्टूबर को यह सप्ताह मानाया जाता है। इस सप्ताह को मनाने का उद्देश्य पशु-पक्षियों और वन्य प्राणियों के संरक्षण को बढ़ावा देना है। इसके इतिहास पर नजर डालें तो जब भारतीय वन्यजीव बोर्ड का गठन किया गया, तब भारत के वन्यजीवों की रक्षा के दीर्घकालिक लक्ष्यों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 1952 में वन्यजीव सप्ताह का विचार किया गया था। शुरुआती दौर में 1955 में वन्यजीव दिवस मनाया गया था, आगे चलकर 1957 में इसे वन्यजीव सप्ताह के रूप में मनाया जाने लगा। यानी वन्यजीव सप्ताह की शुरुआत सर्वप्रथम वर्ष 1957 में वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से की गई थी। इस साल 70वां वन्यजीव सप्ताह समारोह का आयोजन देश-प्रदेश में होगा।

पूरे सप्ताह होती हैं विभिन्न गतिविधियां

देश-प्रदेशभर में वन्य प्राणी सप्ताह पर विभिन्न जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस दौरान विभिन्न कार्यक्रमों से स्कूल, कॉलेज के छात्र-छात्राओं एवं जन-सामान्य को प्रकृति एवं प्राकृतिक प्रक्रियाओं को समझने का अवसर मिलता है तथा उनमें वन्य प्राणी संरक्षण की भावना बढ़ती है। सप्ताह भर अलग-अलग तरह की गतिविधियां होती हैं जैसे- बर्ड वॉचिंग कैंप, नेचर टूर, जू विजिट, चित्रकला, मेंहदी प्रतियोगिता, क्विज, वीडियोग्राफी, फोटोग्राफी, वाद-विवाद आदि। मध्यप्रदेश में फिलहाल छह टाइगर रिजर्व हैं- पन्ना, बांधवगढ़, कान्हा, पेंच, सतपुड़ा, संजय दुबरी सीधी। इसके अलावा नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी ने एक बार फिर से केंद्रीय पर्यावरण और वन मंत्रालय की मंजूरी के बाद मध्यप्रदेश के नौरादेही और वीरांगना दुर्गावती अभयारण्य को मिलाकर मध्यप्रदेश में सातवें टाइगर रिजर्व बनाने की मंजूरी प्रदान कर दी है।

वन के साथ वन्य प्राणियों की संपदा से भरपूर है मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश में लगभग 30 प्रतिशत से अधिक फॉरेस्ट कवर उपलब्ध है, साथ ही देश के कुल फॉरेस्ट क्षेत्र में मध्यप्रदेश का 12 प्रतिशत से भी अधिक योगदान है। मध्यप्रदेश वन्यजीवों की दृष्टि से भी संपन्न है। देश का हृदय प्रदेश 12 राष्ट्रीय उद्यानों और 24 वन्यजीव अभयारण्यों के साथ-साथ, विभिन्न पौधों, जानवरों और पक्षियों जैसे प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है। देश में सर्वाधिक टाइगर मध्यप्रदेश में हैं इस वजह से इसे 'टाइगर स्टेट ऑफ इंडिया' कहा जाता है। इसके साथ ही प्रदेश को 'लेपर्ड स्टेट' और 'घड़ियाल स्टेट' का भी गौरव प्राप्त है। देश में एक बार फिर चीते लाए गए और उनके संरक्षण की जिम्मेदारी मध्यप्रदेश को मिली। कूनो राष्ट्रीय उद्यान में चीतों के आने से प्रदेश को चीता स्टेट के रूप में भी मान्यता मिली है। गिद्धों की संख्या बढ़ाने में भी मध्यप्रदेश का अहम योगदान है। मध्यप्रदेश के लिए सबसे खुशी की बात यह है कि यहां टाइगर रिजर्व के बाहर भी बाघों की संख्या बढ़ रही है। मध्यप्रदेश में बाघों की आबादी 526 से बढ़कर लगभग 785 तक हो गई है, यह देश में सर्वाधिक है। प्रदेश में चार-पांच सालों में करीब 259 बाघ बढ़े हैं।

वन्यजीव सुरक्षा के कारण तेंदुओं की संख्या में भी मध्यप्रदेश देश में सबसे आगे है। देश में अनुमानित तौर पर 13 हजार 874 तेंदुए हैं। अकेले मध्यप्रदेश में यह संख्या 3907 से ज्यादा है। देश में तेंदुओं की आबादी औसतन 60 प्रतिशत बढ़ी है जबकि प्रदेश में यह करीब 80 प्रतिशत है। देश में तेंदुओं की संख्या का लगभग 25 प्रतिशत अकेले मध्यप्रदेश में है। कुछ वर्ष पहले वाइल्ड लाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक सबसे अधिक 1859 घड़ियाल चम्बल अभयारण्य में थे। चार दशक पहले घड़ियालों की संख्या खत्म होने की कगार पर थी। तब दुनियाभर में केवल 200 घड़ियाल ही बचे थे। इनमें से भारत में 96 और चम्बल नदी में 46 घड़ियाल बताए गए थे।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में तितलियों का हुआ सर्वे

इस साल बांधवगढ़ में पहली बार तितलियों का सर्वेक्षण हुआ है। यहां अनुमानित तौर पर 100 से अधिक प्रजातियां पाई जाती थीं। इस सर्वे के बाद बांधवगढ़ में बाघ, हाथी जैसे विशालकाय जीवों के अलावा यहां की जैवविविधता की खासियत को सभी के समक्ष लाने का प्रयास होगा। साथ ही वन व वन्यजीवों के प्रति जन जागरूकता भी लाई जा रही है। टाइगर रिजर्व प्रबंधन के अनुसार बांधवगढ़ के सभी 9 रेंज (कोर व बफर रेंज) में यह सर्वेक्षण हुआ। ऐसा कहा गया है कि 1536 वर्ग किलोमीटर में फैले बांधवगढ़ के भीतर करीब 100 तितलियों की प्रजाति पाई जाती है। खास बात यह है कि टीम में शामिल नेचर्लिस्ट, बीटगार्ड व श्रमिकों के साथ कैम्प में रहेंगे। जंगल के भीतर दलदली व जलस्रोतों के समीप पहले से ही तितली के अनुकूल एरिया को चिह्नित कर लिया गया था।

परीक्षा उपयोगी महत्वपूर्ण तथ्य और आंकड़े

- बाघों की गणना हर 4 साल में एक बार होती है। वर्ष 2010 में मध्यप्रदेश में बाघों की संख्या 257 तक हो गई थी।
- मध्यप्रदेश में 785 बाघों की सबसे अधिक संख्या है। इसके बाद कर्नाटक में 563, वहीं 560 बाघों के साथ उत्तराखंड तीसरे नंबर है।
- वर्ष 2010 में सेंट पीटर्सबर्ग बाघ सम्मेलन में बाघ की आबादी वाले 13 देशों ने वादा किया था कि वर्ष 2022 तक वे बाघों की आबादी दोगुनी कर देंगे। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में मध्यप्रदेश में बाघों के प्रबंधन में निरंतरता एवं उत्तरोत्तर सुधार हुए हैं।
- टाइगर स्टेट का दर्जा दिलाने में अति विशिष्ट योगदान देने वाली पेंच टाइगर रिजर्व की 'कालर वाली' बाघिन के नाम सबसे ज्यादा प्रसव और शावकों के जन्म का अनूठा कीर्तिमान है।
- पन्ना टाइगर रिजर्व ने बाघों की आबादी बढ़ाने में पूरे विश्व का ध्यान आकर्षित किया है। यह विश्व के समकालीन वन्य-जीव संरक्षण इतिहास में एक अनूठा उदाहरण है।
- मुरैना जिले के देवरी में घड़ियाल प्रजनन केन्द्र की स्थापना की गई है। यहां घड़ियाल के अण्डों को सुरक्षित तरीके से हैंचिंग की जाती है।
- वर्ष 2019 में पक्षी गणना के मुताबिक 8397 गिद्ध प्रदेश में थे, जो भारत के अन्य राज्यों की तुलना में सबसे अधिक पाए गए थे। भोपाल के केरवा इलाके में वर्ष 2013 से गिद्ध संरक्षण और प्रजनन केन्द्र स्थापित है।
- भोपाल देश की एकमात्र ऐसी राजधानी है जहां नगर निगम सीमा के आसपास बाघ निर्बाध रूप से विचरण करते हैं।
- प्रदेश में चीता प्रोजेक्ट भी गतिशील है और गांधी सागर क्षेत्र में भी चीतों को बसाने के लिए गतिविधियां जारी हैं।
- वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत वर्ष 2003 में राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड का गठन किया गया था।

सतपुड़ा में क्या है खास?

सिनकोना का पौधा जिससे मलेरिया की दवा कुनैन बनती है वह सतपुड़ा में पाई जाती है। इसके अलावा यूनेस्को विश्व धरोहर की संभावित सूची में शामिल सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में शाकाहारी वन्य प्राणियों के भोजन के लिए घास की 15 प्रकार की प्रजातियां पायी जाती हैं। अलग-अलग प्रकार की घास देखना भी पर्यटकों के लिए एक अनूठा अनुभव होता है। इन घासों के विचित्र से नाम हैं जैसे बड़ी चकौड़ा, छोटी भेंड़, गुरजू, डुरसी भाजी, बासिंग घास, छपकी छिप्पा, मुछैल घास, बड़ा चिप्पा, गोल चिप्पा, बड़ी भेंड़, भुरभुसी, भेंस कांही, ममेटी, गुंजी, बड़ी उर्इ, नागरमोथा, आमचारी डछारा, कंसकोरिया, गोगल आदि। हिमालय के

(शेष पृष्ठ 19 पर)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, संभाग क्र. 1, ग्वालियर
निविदा विज्ञप्ति सूचना

निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 10 A **दिनांक : 17.09.2024**

म.प्र. लोक निर्माण विभाग में उचित श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से म.प्र. की ओर से निम्नांकित कार्यों हेतु सड़क/भवन दिनांक 25.03.2022/01.01.2024 तथा निविदा सूचना जारी होने तक उसमें किये गये संशोधन सहित मोहरबन्द निविदायें नवीन निविदा फार्म 2.10 में आमंत्रित की जाती है। प्रपत्र में दर्शाये गये कार्यालय में निविदायें डाक अथवा स्पीड पोस्ट के माध्यम से ही प्राप्त की जावेगी। पोस्टल विलम्ब के लिये विभाग उत्तरदायी नहीं होगा।

क्र. एवं कार्य का नाम : 1. Repairing And Maintenance Work of VIP Circuite House Morar Gwalior Under H.Q.1 Sub Division Gwalior

निविदा प्रपत्र की राशि एवं फार्म	1. ठेके की अनुमा. लागत (लाख में) 2. अमानत राशि	कोरे निविदा प्रपत्र विक्रय का समय एवं दिनांक	1. निविदा प्राप्ति का दिनांक 2. कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लो.नि.वि. स.क्र. 1	1. निविदा खोलने का दिनांक 2. कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. स.क्र. 1	1. कार्य पूर्ण करने की अवधि 2. ठेकेदार की श्रेणी 3. आमंत्रण क्र.
2000/- "अ"	9.99/- 19980/-	30.09.24	01.10.2024	03.10.2024	01 माह केन्द्रीयकृत प्रथम आमंत्रण
क्र. एवं कार्य का नाम : 2. A/R, S/R, Work At New High Court Gwalior Under H. Q.2 2000/- Sub Division Gwalior.					
2000/- "अ"	9.99/- 19980/-	30.09.24	01.10.2024	03.10.2024	01 माह केन्द्रीयकृत प्रथम आमंत्रण
क्र. एवं कार्य का नाम : 3. Renovation of Sofa Set With Foam & Cloth i/c. Polishing of Finishing, Cleaning of Floor, Over Head Tank, Water Storage, PVC Tank New Rest House Gandhi Road Under H. Q.2 Sub Division Gwalior					
2000/- "अ"	9.99/- 19980/-	30.09.24	01.10.2024	03.10.2024	01 माह केन्द्रीयकृत प्रथम आमंत्रण
क्र. एवं कार्य का नाम : 4. Maintenance And Restoration Work of Hon'ble Judges Bunglow At Gandhi Road Gwalior Unde H.Q. 2 Sub Division Gwalior					
2000/- "अ"	9.95/- 19900/-	30.09.24	01.10.2024	03.10.2024	01 माह केन्द्रीयकृत प्रथम आमंत्रण
क्र. एवं कार्य का नाम : 5. P/F, Barricading Work, Construction of Halipad And Maintenance of Road For VIP Program Under Special work Sub Division Gwalior					
2000/- "अ"	9.99/- 19980/-	30.09.24	01.10.2024	03.10.2024	01 माह केन्द्रीयकृत प्रथम आमंत्रण
क्र. एवं कार्य का नाम : 6. P/F, Barricading Work, Construction of Halipad And Maintenance of Road For VIP Program Under Dabra Sub Division Dabra					
2000/- "अ"	10.00/- 20000/-	30.09.24	01.10.2024	03.10.2024	01 माह केन्द्रीयकृत प्रथम आमंत्रण
क्र. एवं कार्य का नाम : 7. Urgent Barricading/Railling Work For VIP Visit Under C-1 Sub Division Gwalior.					
2000/- "अ"	9.96/- 19920 /-	30.09.24	01.10.2024	03.10.2024	01 माह केन्द्रीयकृत प्रथम आमंत्रण
क्र. एवं कार्य का नाम : 8. Maintenance And Repairing Work At Bunglow No. 7 Gandhi Road Gwalior Under H.Q. 2 Sub Division Gwalior.					
2000/- "अ"	9.98/- 19960/-	30.09.24	01.10.2024	03.10.2024	01 माह केन्द्रीयकृत प्रथम आमंत्रण
क्र. एवं कार्य का नाम : 9. Maintenance And Repairing Work At Bunglow No. 15A Gandhi Road Gwalior Under H.Q.2 Sub Division Gwalior.					
2000/- "अ"	9.95/- 19900/-	30.09.24	01.10.2024	03.10.2024	01 माह केन्द्रीयकृत प्रथम आमंत्रण
क्र. एवं कार्य का नाम : 10. Maintenance And Repairing Work At Bunglow No. 16 Gandhi Road Gwalior Under H.Q. 2 Sub Division Gwalior.					
2000/- "अ"	9.98 /- 19960 /-	30.09.24	01.10.2024	03.10.2024	01 माह केन्द्रीयकृत प्रथम आमंत्रण
क्र. एवं कार्य का नाम : 11. Barricading/Railling Work For VIP Programme Under H. Q. 2 Sub Division Gwalior.					
2000/- "अ"	9.89/- 19780/-	30.09.24	01.10.2024	03.10.2024	01 माह केन्द्रीयकृत प्रथम आमंत्रण
क्र. एवं कार्य का नाम : 12. Maintenance And Other Misc. Work in New High Court Gwalior Under H. Q. 2 Sub Division Gwalior.					
2000/- "अ"	9.99/- 19980 /-	30.09.24	01.10.2024	03.10.2024	01 माह केन्द्रीयकृत प्रथम आमंत्रण
क्र. एवं कार्य का नाम : 13. Repair And Maintenance Work of VIP Circuite House And R.C. Road Bunglow Under Agriculture Section H.Q. 1 Sub Division Gwalior.					
2000/- "अ"	9.99/- 19980 /-	30.09.24	01.10.2024	03.10.2024	01 माह केन्द्रीयकृत प्रथम आमंत्रण

कुल कार्य - 13, कुल अनुमानित लागत राशि रुपये 10.00 लाख

टीप :- शेष शर्तें कार्यालयीन समय पर कार्यालय में देखी जा सकती हैं।

कार्यपालन यंत्री

जी-16741/50095/2024 **लोक निर्माण विभाग संभाग क्र.-1, ग्वालियर**

स्वराज संस्थान संचालनालय

मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग

राष्ट्रीय सम्मान

2021–22, 2022–23, 2023–24, 2024–25

चार वर्षों के लिए पृथक–पृथक नामांकन आमंत्रित हैं

वीरांगना लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय सम्मान

राशि रुपये 2.00 लाख

मध्यप्रदेश शासन द्वारा देश की सुरक्षा, कर्तव्य हेतु बलिदान, अदम्य साहस, वीरता, नारी उत्थान, सामाजिक पुनर्जागरण एवं श्रेष्ठतम उपलब्धियों व योगदान के लिए महिला को सम्मानित करने के उद्देश्य से स्थापित **वीरांगना लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय सम्मान।**

अमर शहीद चंद्रशेखर आज़ाद राष्ट्रीय सम्मान

राशि रुपये 2.00 लाख

मध्यप्रदेश शासन द्वारा स्वाधीनता संग्राम के आदर्शों, राष्ट्रभक्ति और समाजसेवा के सर्वोत्कृष्ट मानदंडों की स्थापना के लिए उच्च कोटि के रचनात्मक अवदान, सृजनात्मक शोधकार्य और विशिष्ट उपलब्धियों के लिए व्यक्ति अथवा संस्था को सम्मानित करने के उद्देश्य से स्थापित **अमर शहीद चंद्रशेखर आज़ाद राष्ट्रीय सम्मान।**

महर्षि वेद व्यास राष्ट्रीय सम्मान

राशि रुपये 2.00 लाख

मध्यप्रदेश शासन द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में श्रेष्ठतम उपलब्धियों व योगदान करने वाले साधनारत व्यक्ति अथवा संस्था को सम्मानित करने के उद्देश्य से स्थापित **महर्षि वेद व्यास राष्ट्रीय सम्मान।**

महाराजा अग्रसेन राष्ट्रीय सम्मान

राशि रुपये 2.00 लाख

मध्यप्रदेश शासन द्वारा सामाजिक सद्भाव, सामाजिक समरसता, श्रेष्ठतम उपलब्धियों व योगदान करने वाले साधनारत व्यक्ति अथवा संस्था को सम्मानित करने के उद्देश्य से स्थापित **महाराजा अग्रसेन राष्ट्रीय सम्मान।**

कृपया आवेदन पत्र में प्रत्येक वर्ष का स्पष्ट उल्लेख करते हुए सम्मान के लिये पृथक-पृथक अनुशंसाएँ 30 अक्टूबर, 2024 तक नीचे लिखे पते अथवा ईमेल पर भिजवाने का अनुरोध है :

आयुक्त, स्वराज संस्थान संचालनालय
रवीन्द्र भवन परिसर, भोपाल-462002
फैक्स 0755-2660361 (दूरभाष 2660407, 2660563)
ई-मेल nationalaward76@gmail.com G-16845/50104/2024

उच्च न्यायालय मध्यप्रदेश, जबलपुर

विज्ञापन की संक्षिप्त सूचना

क्रमांक:800/परीक्षा/2024 **जबलपुर, दिनांक : 18.09.2024**

उच्च न्यायालय मध्यप्रदेश में जूनियर ज्यूडिशियल ट्रांसलेटर के पदों की भर्ती 2024

ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ होने की तिथि	18.09.2024 (12.00 PM)
ऑनलाइन आवेदन (भुगतान सहित) करने की अंतिम तिथि	30.09.2024 (11.55 PM)
आवेदन में त्रुटि सुधार करने की प्रारंभ तिथि	03.10.2024 (12.00 PM)
आवेदन में त्रुटि सुधार करने की अंतिम तिथि	03.10.2024 (11.55 PM)
ऑनलाइन प्रारंभिक परीक्षा की दिनांक	बाद में अधिसूचित की जावेगी।

उच्च न्यायालय मध्यप्रदेश के निम्नलिखित पदों पर नियुक्ति हेतु योग्य उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन-पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।

पद का नाम	वर्गवार रिक्तियों की संख्या				कुल पद
	अनारक्षित	ओ.बी.सी.	अनु. जाति	अनु. जनजाति	
जूनियर ज्यूडिशियल ट्रांसलेटर	23 (1PH)	06	07 (1PH)	09 (1PH)	45 (3PH)

उक्त पद की भर्ती का विस्तृत विज्ञापन उच्च न्यायालय मध्यप्रदेश की वेबसाइट **www.mphc.gov.in** पर उपलब्ध हैं, योग्य उम्मीदवार विज्ञापन का अवलोकन कर उपरोक्त लिखित तिथियों में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

जी-16498/50103/2024 **रजिस्ट्रार जनरल**

कार्यालय प्राचार्य

जी.टी. पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, जावरा (म.प्र.)

क्रमांक/जीपीजे/स्वशासी/1732/2024 **जावरा, दिनांक : 23.09.2024**

निविदा सूचना

गो.तो. पॉलीटेक्निक महाविद्यालय जावरा के संस्था परिसर एवं पूर्ण कैम्पस की सुरक्षा व्यवस्था को ठेके/आउटसोर्स पर दिया जाना हैं। निविदा प्रपत्र दिनांक 03.10.2024 से दिनांक 25.10.2024 तक कार्यालय से रुपये 500/- (रु. पांच सौ मात्र) नगद या डिमांड ड्राफ्ट डाक से मंगवाने पर रु. 550/- (रु. पांच सौ पचास मात्र) जो कि प्राचार्य, गो.तो. पॉलीटेक्निक महाविद्यालय जावरा, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, शाखा नीम चौक, जावरा में देय हो, कार्यालय समय में प्राप्त किये जा सकते हैं। निविदा भरकर संस्था में जमा करने की **अंतिम तिथि 25.10.2024 को दोपहर 02:00 बजे तक** है। निविदा उसी दिन दिनांक 25.10.2024 को दोपहर 03:00 बजे निविदाकर्ताओं अथवा उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में (यदि वे उपस्थित रहना चाहें) कार्यालय में खोली जावेंगी।

जी-16859/50106/2024 **प्राचार्य, पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, जावरा**

कार्यालय अधीक्षण यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा

नर्मदापुरम् मण्डल नर्मदापुरम्

Office E-mail ID seresnarmada@mp.gov.in, Office Phone No. 07574-250166

क्र. 1642/निविदा/ग्रा.या.से./2024 **नर्मदापुरम, दिनांक : 25.09.2024**

संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 03/2024-25 (प्रथम आमंत्रण)

म.प्र. के राज्यपाल की ओर से ऑनलाइन मोहरबंद प्रतिशत दर पर निविदायें फार्म 'ए' (Appendix 2.10) पर **ग्रायासे संभाग मुलताई जिला बैतूल** की म.प्र. लोक निर्माण विभाग के केंद्रीयकृत प्रणाली में समतुल्य/सक्षम श्रेणी में पंजीकृत सी श्रेणी ठेकेदारों से 2 कवर पद्धति से **ग्रायासे में प्रचलित एस.ओ.आर. दिनांक 11.04.2022 से प्रभविशील दर अनुसूची (निविदा विज्ञप्ति जारी होने की दिनांक तक संशोधित)** दर के आधार पर अधीक्षण यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा नर्मदापुरम मंडल नर्मदापुरम मंडल नर्मदापुरम के कार्यालय में ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है।

क्र.	सिस्टम टेण्डर नं.	कार्य का नाम	निविदा की अनुमानित लागत (रु. लाख में)	अमानत राशि (रुपये में)	कार्य अवधि वर्षाकाल सहित (माह में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1.	2024_RES_371469	मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत ग्रेवल मार्ग डागरापाठा (गारगुड) से आमढाना लम्बाई 1650 मी. के चैनेज क्र. 780 मी. पर 10 मी. से अधिक स्पान की स्लेब कल्वर्ट निर्माण, ग्रा.पं.- गारगुड, वि.ख.- आठनेर	38.14/-	50000/-	06 माह	5000/-
2.	2024_RES_371470	मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत ग्रेवल मार्ग डागरापाठा (गारगुड) से आमढाना लम्बाई 1650 मी. के चैनेज क्र. 1050 मी. पर व्ही.सी.डब्ल्यू निर्माण, ग्रा.पं. - गारगुड, वि.ख.- आठनेर	23.21/-	47000/-	06 माह	5000/-
		योग	**61.35**	इकसठ लाख पैंतीस हजार रु. मात्र		

उपरोक्तानुसार निर्माण कार्य की निविदा आमंत्रण की निम्नानुसार तिथियां निर्धारित की जाती हैं -

क्र.	विवरण	तिथि	समय
1	निविदा ऑनलाइन प्रकाशित होने की तिथि	01.10.2024	17:30
2	निविदा प्रपत्र ऑनलाइन क्रय करने की प्रारंभिक तिथि	03.10.2024	17:30
3	ऑनलाइन बिड प्रस्तुत करने की प्रारंभिक तिथि	03.10.2024	17:30
4	ऑनलाइन बिड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	14.10.2024	13:30
5	ऑनलाइन निविदा खुलने की तिथि	15.10.2024	13:30

निविदा प्रपत्र (Tender Document) वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर ऑनलाइन प्रकाशित एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे। निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किए जाएंगे। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जाएगा।

अधीक्षण यंत्री

जी-16832/50102/2024 **ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, नर्मदापुरम मण्डल नर्मदापुरम**

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

क्रमांक 8544/30/2023/चयन **इन्दौर, दिनांक : 25.09.2024**

पदनाम - व्याख्याता, शल्य तंत्र

चयन सूची (मुख्य भाग 87 प्रतिशत)

आयोग के विज्ञापन क्रमांक 14/2023 दिनांक 26.06.2023 एवं समय-समय पर जारी शुद्धिपत्रादि, सूचनाओं आदि के संदर्भ में **म.प्र. शासन, आयुष विभाग** के अंतर्गत विज्ञापित पद - व्याख्याता, शल्य तंत्र के कुल 02 पद (अनारक्षित- निरंक, अ.जा. निरंक, अ.ज.जा.-01, अ.पि.वर्ग-01, ई.डब्ल्यू.एस.-निरंक) विज्ञापित किए गए है। उक्त पदों की पूर्ति के लिए अर्ह आवेदकों के साक्षात्कार **दिनांक 03 सितम्बर, 2024** को आयोजित किए गए।

2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक दिनांक 29.09.2022 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग के रूप में घोषित किया जाना प्रावधानित किया गया है। चूंकि उक्त विज्ञापित पदों में अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु विज्ञापित पद की संख्या 01 होने के कारण इस पद हेतु 87 एवं 13 प्रतिशत पदों के विभाजन की आवश्यकता नहीं है। अतएव चयन परिणाम केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) का घोषित किए जाने के प्रावधान के तहत मुख्य भाग हेतु विज्ञापित रिक्तियों का विवरण निम्नांकित तालिका में अंकित है। अन्य पिछड़ा वर्ग के पदों की संख्या 01 होने के कारण प्रावधिक भाग - 13 प्रतिशत हेतु रिक्तियों की संख्या निरंक होने के परिणामस्वरूप पृथक से प्रावधिक भाग का चयन परिणाम जारी किए जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

3. अतएव साक्षात्कार में प्राप्तांकों के गुणानुक्रम के आधार पर निम्नानुसार केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) की चयन सूची घोषित की जाती है :-

व्याख्याता, शल्य तंत्र (म.प्र. शासन, आयुष विभाग)

पद विवरण तालिका (मुख्य भाग - 87 प्रतिशत)

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई.डब्ल्यू.एस.	योग
कुल पदों की संख्या	0	0	1	1	0	2

मुख्य सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	Seat	श्रेणी
1.	14312	SHEKHAR PATEL	M	OBC	OBC

अनुपूरक सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	श्रेणी
1.	14302	SHWETA VERMA	F	OBC

टीप :-

1. चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि आयोग के संज्ञान में आती है तो आयोग के पास चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
2. कुल विज्ञापित 02 पदों में से अ.ज.जा. वर्ग हेतु 01 पद विज्ञापित है। अ.ज.जा. वर्ग के आवेदक उपलब्ध नहीं होने के कारण अ.ज.जा. वर्ग हेतु आरक्षित 01 पद रिक्त रहा है।

(कीर्ति खुरासिया)
प्रभारी सचिव

G-16853/R-50105/2024 **म.प्र. लोक सेवा आयोग, इन्दौर**

कॅरियर की राहें

जल परिवहन क्षेत्र में कॅरियर के तेजी से बढ़ते अवसर

'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों के लिये 'कॅरियर की राहें' नाम से उपयोगी स्तंभ लगातार प्रकाशित किया जा रहा है। अच्छे कॅरियर के लिये जरूरी है कि युवा कॅरियर की विभिन्न विधाओं से परिचित हों और अपनी रुचि, योग्यता और क्षमताओं के अनुरूप अपने लिये उपयुक्त कॅरियर का निर्धारण करें। पिछले 40 वर्षों से नई पीढ़ी के लिये कॅरियर संबंधी विषयों पर नियमित लेखन कर रहे डॉ. जयंतीलाल भंडारी युवाओं को कॅरियर के विभिन्न अवसरों से परिचित कराते हुए आगे बढ़ने का मार्गदर्शन दे रहे हैं।

जैसे-जैसे जल परिवहन से कारोबार तेजी से बढ़ रहा है, वैसे-वैसे जल परिवहन क्षेत्र में रोज़गार और कॅरियर के मौके बढ़ रहे हैं। पीएम गतिशक्ति योजना, नई लॉजिस्टिक नीति और मैरीटाइम इंडिया विजन-2030 के लगातार सफल क्रियान्वयन से जल परिवहन में कॅरियर के मौके बढ़ रहे हैं। यह स्पष्ट है कि जल परिवहन दुनियाभर में माल ढुलाई के लिए वरीयता वाला माध्यम है। यूरोप, अमेरिका, चीन तथा पड़ोसी बांग्लादेश में काफी मात्रा में माल की ढुलाई अंतर्देशीय जल परिवहन तंत्र से हो रही है और उनके कारण रोज़गार के मौके ऊंचाई पर हैं। अब जिस तरह भारत की अर्थव्यवस्था को 2027 में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 2047 तक देश को विकसित देश बनाने के जो लक्ष्य रखे गए हैं, उनके पूरे किए जाने में समुद्री परिवहन अहम भूमिका निभाएगा, ऐसे में जल परिवहन में कॅरियर के मौके और बढ़ेंगे। यही कारण है कि जल परिवहन से संबंधित विभिन्न कोर्सों की अहमियत बढ़ गई है।

परिवहन की नई जीवनरेखा जल परिवहन में बढ़ेंगे रोज़गार

सरकार नई नीतियों के साथ जल परिवहन को भारत के परिवहन की जीवन रेखा बनाने की डगर पर आगे बढ़ती हुई दिखाई दे रही है। जिन जल मार्गों को प्राकृतिक पथ कहा जाता है वे कभी भारतीय परिवहन की जीवन रेखा हुआ करते थे। लेकिन समय के साथ आए बदलावों और परिवहन के आधुनिक साधनों के चलते बीती एक शताब्दी में भारत में जल परिवहन क्षेत्र बेहद उपेक्षित होता चला गया। भारत के पास 7500 किलोमीटर से अधिक तटीय क्षेत्र है। जबकि 14,500 किमी नदी मार्ग है। भारत की समुद्री तटरेखा 9 राज्यों और 4 केंद्र शासित प्रदेशों को समाहित करती है। देश के विशाल समुद्र तटों पर, 13 प्रमुख बड़े और 212 छोटे बंदरगाह हैं। बड़े बंदरगाहों में पूर्वी तट पर हल्दिया, पारादीप, विशाखापट्टनम, कामराज, चेन्नई, तूतीकोरीन और पोर्ट ब्लेयर हैं। पश्चिमी तट पर कोचीन, न्यू मैंगलोर, मोरमुगांव, जवाहरलाल नेहरू, कांडला और मुंबई बंदरगाह हैं। भारतीय बंदरगाह अपनी समृद्ध ऐतिहासिक विरासत और वैश्विक व्यापार के लिए शताब्दियों से महत्वपूर्ण बने हुए हैं और बंदरगाहों से विदेश व्यापार लगातार बढ़ता गया है। इस समय भारत का मात्रा के हिसाब से 95 फीसदी और मूल्य के हिसाब से 70 फीसदी व्यापार बंदरगाहों के माध्यम से होता है।

बंदरगाहों के आधुनिकीकरण और बढ़ते समुद्री व्यापार से बढ़े मौके

देश वैश्विक व्यापार को बढ़ाने और निर्यात के ऊंचे लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए बंदरगाहों के आधुनिकीकरण के साथ उन्हें समुद्री व्यापार के लिए प्रतिस्पर्धी बनाने की रणनीति के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है। विगत 30 अगस्त, 2024 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाराष्ट्र के पालघर जिले में 76,000 करोड़ रुपये की लागत वाली वधावन बंदरगाह परियोजना की आधारशिला रखी। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि वधावन देश का सबसे बड़ा कंटेनर बंदरगाह होगा। इस परियोजना का उद्देश्य भारत में एक विश्व स्तरीय समुद्री प्रवेश द्वार स्थापित करना है, जो बड़े कंटेनर जहाजों की जरूरतों को पूरा करने में अहम भूमिका निभाए। उन्होंने कहा कि वधावन बंदरगाह भारत के सबसे बड़े गहरे पानी के बंदरगाहों में से एक होगा। यह अंतर्राष्ट्रीय नौवहन मार्गों को सीधा संपर्क प्रदान करेगा, जिससे पारगमन समय और लागत कम होगी। यह बंदरगाह भारत की समुद्री कनेक्टिविटी को बढ़ाएगा और वैश्विक व्यापार केंद्र के रूप में भारत की स्थिति को और मजबूत करेगा।

नि:संदेह अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रवेश द्वार होने के कारण भारतीय बंदरगाहों ने समुद्री (तटीय) राज्यों को देश में औद्योगिक विकास के मद्देनजर पसंदीदा स्थल बना दिया है। परिवहन संबंधी न्यूनतम बाधाओं के साथ-साथ लॉजिस्टिक लागत में कमी बंदरगाहों के निकटवर्ती क्षेत्रों में औद्योगिक विकास को बढ़ाने वाला प्रमुख कारण है। बिजली, इलेक्ट्रॉनिक्स, परिधान, चमड़ा, फर्नीचर, रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल्स, सीमेंट, स्टील और खाद्य प्रसंस्करण जैसे उद्योग बंदरगाह क्षेत्रों में तेजी से विकास कर रहे हैं। इसी के चलते महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, गुजरात, आंध्र प्रदेश, केरल जैसे राज्यों के द्वारा देश की विकास गाथा में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा रहा है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) की स्थापनाओं में बंदरगाहों की अहमियत स्पष्ट दिखाई दे रही है। देश में अधिसूचित कोई 378 एसईजेड में से कई समुद्री राज्यों में स्थित हैं।

समुद्री विकास के बहुआयामी अभियानों से रोज़गार की नई दिशाएं

निश्चित रूप से पिछले एक दशक में भारत अपने बंदरगाहों को समुद्री व्यापार की धुरी बनाने के लिए लगातार रणनीतिक रूप से आगे बढ़ रहा है। निजी बंदरगाहों को प्रोत्साहन दिया गया है। भारत कार्गो और जहाजों को संभालने में अपनी दक्षता में सुधार करने के उद्देश्य से अपने बंदरगाहों का तेजी से आधुनिकीकरण कर रहा है। वर्ष 2015 में सागरमाला कार्यक्रम के लॉन्च होने के बाद से बंदरगाह के नेतृत्व वाले विकास को महत्वपूर्ण प्रोत्साहन मिला है। अप्रैल 2024 तक सागरमाला कार्यक्रम के लिए 5.8 लाख करोड़ रुपए की निर्धारित लागत वाली कुल 839 परियोजनाओं में से 1.4 लाख करोड़ रुपये की 262 परियोजनाएं पहले ही पूरी हो चुकी हैं, जबकि अन्य परियोजनाएं विकास के विभिन्न चरणों में हैं। वर्ष 2021 में लॉन्च किए गए पीएम गति-शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के माध्यम से विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को गति प्रदान की जा रही है। पीएम गति-शक्ति मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी परियोजनाओं की समन्वित योजना और निष्पादन पर केंद्रित है जिसमें बंदरगाह भी शामिल हैं। ज्ञातव्य है निजी भागीदारी बंदरगाह आधारित विकास की मुख्य रणनीति है। इस संबंध में 100 करोड़ रुपये से अधिक निवेश की सभी परियोजनाएं नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर

पाइपलाइन (एनआईपी) के तहत सूचीबद्ध हैं।

यह बात भी महत्वपूर्ण है कि जो समुद्री राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स पोर्टल (एनएलजी) जनवरी, 2023 में शुरू हुआ है, वह एक ऐसा वन-स्टॉप प्लेटफॉर्म है जो लॉजिस्टिक्स समुदाय के सभी हितधारकों को आईटी के माध्यम से जोड़ता है। जिसका उद्देश्य लागत और समय की देरी को कम करते हुए दक्षता और पारदर्शिता में सुधार करना है। सरकार ने बंदरगाह निर्माण और रखरखाव परियोजनाओं के लिए स्वचालित मार्ग के तहत 100 प्रतिशत तक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति दी हुई है। इसके अलावा, 11.8 अरब डॉलर के योजनाबद्ध परिवहन के साथ समुद्री क्षेत्र को विकसित करने के लिए राष्ट्रीय समुद्री विकास कार्यक्रम (एनएमडीपी) भी अत्यधिक लाभप्रद है। अब मेरीटाइम इंडिया मिशन 2030 के तहत बंदरगाहों के विकास और लॉजिस्टिक लागत घटाकर समुद्री अर्थव्यवस्था से देश को लाभांवित करने का नया अध्याय आगे बढ़ रहा है।

इन सबके साथ-साथ वैश्विक समुद्री भारत शिखर सम्मेलन (जीएमआईएस) के दौरान तय किए गए व्यापक रोडमैप के साथ समुद्री अमृतकाल विजन 2047 भारत के समुद्री क्षेत्र को नई ऊंचाई देने के लिए तैयार हैं। जिसमें 80 लाख करोड़ रुपये का निवेश शामिल है। इसमें रसद, बुनियादी ढांचे और नौवहन में आकांक्षाओं को शामिल किया गया है, यह भारत की 'ब्लू इकोनॉमी' का आधार स्तम्भ है। इस तरह बंदरगाहों के विकास और समुद्री व्यापार बढ़ाने के अभियानों से इस क्षेत्र में रोज़गार के बहुआयामी मौके बढ़ते जा रहे हैं।

जल परिवहन में बड़े निवेश से बढ़ेंगे रोज़गार

नि:संदेह पीएम गतिशक्ति योजना और नई लॉजिस्टिक नीति के तहत भारी निवेश के कारण अब देश के विशाल जल मार्ग और विशाल नदियों के कारण जल परिवहन के तहत माल ढुलाई संबंधी जरूरतों की पूर्ति के लिए बहुत संभावनाएं हैं तथा रोज़गार के भी अधिक अवसर हैं। देश के अधिकांश बिजलीघर कोयले की कमी से मुश्किल में रहते हैं। सड़क और रेल परिवहन से समय पर कोयला नहीं पहुंच पाता। ऐसे में अंतर्देशीय जलमार्गों के द्वारा कोयला ढुलाई की नियमित तथा किफायती संभावनाएं हैं। हमारी कई बड़ी विकास परियोजनाएं राष्ट्रीय जलमार्गों के नजदीक साकार होने जा रही हैं। बहुत से नए कारखाने और पनबिजली इकाइयां इन इलाकों में खुल चुके हैं। इनके निर्माण में भारी भरकम मशीनरी की सड़क से ढुलाई आसान काम नहीं है। इसमें जल परिवहन की अहम भूमिका है। अनाज और उर्वरकों की बड़ी मात्रा में ढुलाई जल परिवहन से संभव है। अब पीएम गतिशक्ति योजना के तहत असाधारण निवेश के मद्देनजर यह कहा जा सकता है कि भविष्य में इस क्षेत्र में और अधिक रोज़गार के अवसर निर्मित होंगे।

जल परिवहन में कॅरियर के विभिन्न क्षेत्र

निश्चित रूप से जल परिवहन के तहत कॅरियर के बहुआयामी मौके हैं। जल परिवहन के अन्तर्गत वाणिज्यिक कामों से लेकर मैरीन इंजीनियरिंग क्षेत्र में रोज़गार के मौके बूम की स्थिति में हैं। जल परिवहन के तहत मैरीन इंजीनियरों, बंदरगाह प्रचालन इंजीनियरों, लॉजिस्टिक्स एवं नौवहन विशेषज्ञों और इन क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न कार्यों के लिए कर्मचारियों और अधिकारियों की भारी मांग है। सरकारी क्षेत्र तथा निजी क्षेत्र में जल परिवहन डिजाइनरों, जल परिवहन योजनाकारों, जल परिवहन प्रचालन विशेषज्ञों आदि की मांग बढ़ रही है। निजी क्षेत्र में कार्यरत जल परिवहन कंपनियों में भी रोज़गार के अवसर विद्यमान हैं।

गौरतलब है कि आर्किटेक्ट नाव का ढांचा या संरचना बना सकते हैं, लेकिन नाव की सभी आंतरिक शक्ति और मशीनरी प्रणालियों को डिजाइन करने के लिए मरीन इंजीनियरों की आवश्यकता होती है। मरीन इंजीनियरों के बिना, नाव में कोई इंजन, इलेक्ट्रॉनिक्स, हाइड्रोलिक्स, लाइटिंग, रेफ्रिजरेशन या नियंत्रण नहीं होगा। एक अच्छा मरीन इंजीनियर बनने के लिए, आपको बहुत बहुमुखी, रचनात्मक और सीखने के लिए खुला होना चाहिए। मरीन इंजीनियरिंग एक रोमांचक कॅरियर है क्योंकि हर नाव या जहाज अलग होता है और आप जहाज पर हर सिस्टम के लिए जिम्मेदार होंगे। लगभग हर नाव को इंजन, प्रोपेलर, स्टीयरिंग, ट्रांसमिशन, पंप, इलेक्ट्रिकल सिस्टम आदि की आवश्यकता होती है। इंजीनियर के जहाजों पर काम करते हैं। जहाज दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे जटिल इंजीनियर प्रणालियों में से एक है।

इसमें कोई दो मत नहीं है कि महासागर इंजीनियरिंग में भी रोज़गार के मौके बढ़े हैं। महासागरीय वातावरण में प्रत्येक उपकरण, प्रत्येक युक्ति और प्रत्येक प्रक्रिया महासागर इंजीनियरों की रचना और जिम्मेदारी है। महासागरीय वातावरण बहुत संक्षारक, अस्थिर और अक्सर अप्रत्याशित होता है। वे परिवहन प्रणाली विकसित करते हैं, जलमार्गों के लिए नए उपयोगों की योजना बनाते हैं, गहरे पानी के बंदरगाहों को डिज़ाइन करते हैं और भूमि और जल परिवहन प्रणालियों और विधियों को एकीकृत करते हैं।

जल परिवहन में कॅरियर की जरूरी स्किल्स

चूंकि जल परिवहन एक विशेषीकृत क्षेत्र है तथा इसमें तकनीकी कौशल की आवश्यकता होती है ऐसे में इस क्षेत्र में कॅरियर के लिए बंदरगाह प्रचालन, लॉजिस्टिक्स एवं नौवहन आदि से संबंधित क्षेत्रों में रुचि और दक्षता की अहमियत होती है। साहस, आत्मविश्वास, अपने दायित्वों के प्रति जागरूक तथा चुनौतियों का सामना करने में सजग व सशक्त रहने वाले युवाओं के लिए जल परिवहन के क्षेत्र में अच्छे अवसरों की कोई कमी नहीं है।

जल परिवहन का कौनसा पाठ्यक्रम चुनें

जल परिवहन के क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए विभिन्न विशेषज्ञता वाले पाठ्यक्रमों हेतु शैक्षणिक योग्यता भिन्न-भिन्न होती है। जल परिवहन से संबंधित लॉजिस्टिक, बंदरगाह प्रचालन, नौवहन आदि कोर्स देश के विभिन्न मैरी टाइम इंस्टिट्यूट, शिपयार्ड कंपनियों और मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट के द्वारा संचालित होते हैं। सामान्यतया 12वीं के बाद जल परिवहन से संबंधित पाठ्यक्रमों की ओर कदम बढ़ाए जा सकते हैं। ऐसे में जिन युवाओं की रुचि, योग्यता एवं क्षमता जल परिवहन के क्षेत्र में कॅरियर बनाने की हो, वे अपने अनुरूप उपयुक्त रोज़गारोन्मुखी कोर्स का चयन करके जल परिवहन के क्षेत्र में अच्छे कॅरियर की राह पर आगे बढ़ सकते हैं।

- डॉ. जयंतीलाल भंडारी

(लेखक, कॅरियर मार्गदर्शन के लिए लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रतिष्ठित हैं।)

(पृष्ठ 17 का शेष)

क्षेत्र में पाई जाने वाली वनस्पतियों की 26 प्रजातियां और नीलगिरी के वनों में पाई जाने वाली 42 प्रजातियां सतपुड़ा वन क्षेत्र में भी भरपूर पाई जाती हैं। इसलिए विशाल पश्चिमी घाट की तरह इसे उत्तरी घाट का नाम भी दिया गया है।

सचेत करती है संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट

इसी साल फरवरी 2024 में संयुक्त राष्ट्र ने प्रवासी प्रजातियों पर एक रिपोर्ट जारी की थी, जिसमें सामने आया था कि कई प्रवासी जानवरों की संख्या तेजी से कम हो रही है, वहीं कुछ विलुप्त होने की कगार पर हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि दुनियाभर में प्रवासी प्रजातियां गंभीर चुनौतियां का सामना कर रही हैं, ऐसे में उन पर जल्द ध्यान न दिया गया तो इनमें से 22 फीसदी प्रजातियां जल्द विलुप्त हो सकती हैं। इसका मतलब है कि दुनिया की हर पांचवीं प्रवासी प्रजाति पर विलुप्त होने का खतरा मंडरा रहा है। रिपोर्ट का अनुमान है कि 44 फीसदी प्रवासी प्रजातियों की आबादी में गिरावट आ रही है।

- रश्मि रंजन

(लेखिका, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करती हैं)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

हिन्दी

1. 'रमणीयार्थः प्रतिपादकः शब्दः काव्यम्' यह पंक्ति किस आचार्य की है?
अ. मम्मट ब. भरत
स. दंडी द. जगन्नाथ
उत्तर- द. जगन्नाथ

2. अलंकार संप्रदाय के प्रवर्तक कौन हैं?
अ. दंडी ब. भरत
स. मम्मट द. भामह
उत्तर- द. भामह

3. रति, हास, शोक, क्रोध, भय आदि भावों की गिनती इनमें से किस भाव के अंतर्गत आती है?
अ. स्थायी भाव ब. संचारी भाव
स. अनुभाव द. विभाव
उत्तर- अ. स्थायी भाव

4. आचार्य रुद्रट ने किस रीति का आविष्कार किया?
अ. लाटी ब. वैदर्भी
स. गौड़ी द. पांचाली
उत्तर- अ. लाटी

5. 'रस तरंगिनी' और 'रस मंजरी' ग्रंथों के प्रणेता कौन हैं?
अ. जयदेव ब. उत्पम दीक्षित
स. भानुदत्त द. विश्वनाथ
उत्तर- स. भानुदत्त

6. राजाराम मोहन राय ने सन् 1821 में किस पत्रिका का प्रकाशन प्रारंभ किया?
अ. बंगदूत ब. संवाद कौमुदी
स. प्रजा हितौषी द. जागरण
उत्तर- ब. संवाद कौमुदी

7. 'बनारस अखबार' के संपादक कौन थे?
अ. राजा शिवप्रसाद 'सितारे हिंद'
ब. राजा लक्ष्मण सिंह
स. लल्लू लाल
द. भारतेंदु हरिश्चंद्र
उत्तर- अ. राजा शिवप्रसाद 'सितारे हिंद'

8. 'अभ्युदय' के संपादक कौन थे?
अ. भारतेंदु हरिश्चंद्र
ब. बाल मुकुंद गुप्त
स. नंद दुलारे बाजपेयी
द. मदन मोहन मालवीय
उत्तर- द. मदन मोहन मालवीय

9. पं. जवाहर लाल नेहरू किस दैनिक समाचार-पत्र के संस्थापक और निदेशक मंडल के अध्यक्ष थे?
अ. टाइम्स ऑफ इंडिया
ब. नेशनल हेराल्ड
स. हिंदू
द. हिन्दुस्तान टाइम्स
उत्तर- ब. नेशनल हेराल्ड

10. प्रथम हिंदी पत्र 'उदंत मार्तण्ड' का प्रकाशन कब शुरू हुआ?
अ. 30 मई 1826 ब. 30 मई 1824
स. 1 मई 1826 द. 1 मई 1824
उत्तर- अ. 30 मई 1826

11. साहित्य अकादमी की स्थापना कब की गई?
अ. 1948 ई. ब. 1950 ई.
स. 1943 ई. द. 1954 ई.
उत्तर- द. 1954 ई.

12. प्रगतिशील लेखक संघ की स्थापना कब हुई?
अ. 1920 ई. ब. 1930 ई.
स. 1936 ई. द. 1942 ई.
उत्तर- स. 1936 ई.

13. महात्मा गांधी हिंदी साहित्य सम्मेलन के सभापति कब बने थे?
अ. 1936 ई. ब. 1918 ई.
स. 1920 ई. द. 1947 ई.
उत्तर- ब. 1918 ई.

14. 'प्रगतिशील लेखक संघ' का प्रथम अधिवेशन कहां हुआ था?
अ. बनारस ब. पटना
स. लखनऊ द. इलाहाबाद
उत्तर- स. लखनऊ (उत्तरप्रदेश)

15. 'सरहपा' को हिंदी का प्रथम कवि किसने माना?
अ. मिश्र बंधु
ब. चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'
स. राहुल सांकृत्यायन
द. हजारी प्रसाद द्विवेदी
उत्तर- स. राहुल सांकृत्यायन

16. सुमित्रा नंदन पंत को 'चिदंबरा' पर कौन सा पुरस्कार प्रदान किया गया?
अ. ज्ञानपीठ पुरस्कार
ब. साहित्य अकादमी
स. व्यास सम्मान
द. हिंदी अकादमी सम्मान
उत्तर- अ. ज्ञानपीठ पुरस्कार

17. रामधारी सिंह 'दिनकर' को 'उर्वशी' पर किस वर्ष भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला?
अ. 1968 ई. ब. 1980 ई.
स. 1969 ई. द. 1972 ई.
उत्तर- द. 1972 ई.

18. हिन्दी के किस कवि को 'भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार' सबसे पहले मिला?
अ. मैथिलीशरण गुप्त
ब. माखनलाल चतुर्वेदी
स. गया प्रसाद 'शुक्ल' सनेही
द. सुमित्रानंदन पंत
उत्तर- द. सुमित्रानंदन पंत

19. इनमें से कौन सी कृति साहित्य अकादमी द्वारा पुरस्कृत नहीं है?
अ. नीला चांद
ब. कितनी नावों में कितनी बार
स. अकाल में सारस
द. आंगन के पार द्वार
उत्तर- ब. कितनी नावों में कितनी बार

20. हिन्दी कविता के लिए साहित्य अकादमी का पुरस्कार किस कवि को नहीं मिला है?
अ. नागार्जुन
ब. माखनलाल चतुर्वेदी
स. सुमित्रा नंदन पंत
द. अज्ञेय
उत्तर- अ. नागार्जुन

21. हिन्दी साहित्य में 'कलम का सिपाही' किसे कहा गया?
अ. अमृत लाल नागर
ब. राम विलास शर्मा
स. प्रेमचंद
द. बाबूराव विष्णु पराड़कर
उत्तर- स. प्रेमचंद

22. प्रथम विश्व हिन्दी सम्मेलन कहां आयोजित किया गया?
अ. हैदराबाद ब. नागपुर
स. मुंबई द. दिल्ली
उत्तर- ब. नागपुर

23. 'जैसे उड़ि जहाज को पंछी पुनि जहाज पै आवै' यह किसकी पंक्ति है?
अ. सूरदास
ब. इलाचंद जोशी
स. भारतेंदु हरिश्चंद्र
द. जगन्नाथदास रत्नाकर
उत्तर- अ. सूरदास

24. हिन्दी साहित्य में 'ददा' के नाम से प्रसिद्ध कवि कौन हैं?
अ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
ब. सियाराम शरण गुप्त
स. मैथिलीशरण गुप्त
द. माखन लाल चतुर्वेदी
उत्तर- स. मैथिलीशरण गुप्त

25. ब्रज भाषा का विकास अपभ्रंश के किस रूप से हुआ?
अ. मागधी ब. अर्द्धमागधी
स. शौरसेनी द. पैशाची
उत्तर- स. शौरसेनी

26. वेणी संहार किस विद्या की रचना है?
अ. निबंध ब. कहानी
स. नाटक द. लघुकथा
उत्तर- स. नाटक

27. चन्द्रधर शर्मा गुलेरी का जन्म कब हुआ था?
अ. 7 जुलाई, 1883
ब. 15 जुलाई, 1884
स. 9 जुलाई, 1884
द. 10 जुलाई, 1880
उत्तर- अ. 7 जुलाई, 1883

28. मैथिलीशरण गुप्त की कौन सी रचना हिंदी में काव्य का अत्यंत लोकप्रिय प्रबंध काव्य बनी?
अ. भारत भारती ब. साकेत
स. मंगलघट द. पंचवटी
उत्तर- ब. साकेत

29. बरवै रामायण में कितने कांड हैं?
अ. पांच ब. चार
स. सात द. तीन
उत्तर- स. सात

30. 'काबा और कर्बला' किसकी रचना है?
अ. मैथिलीशरण गुप्त
ब. सियाराम शरण गुप्त
स. अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
द. बदरी नारायण चौधरी
उत्तर- अ. मैथिलीशरण गुप्त

31. आंचलिकता को कथा-साहित्य की एक विशेष प्रवृत्ति के रूप में प्रतिस्थापित करने का श्रेय किसे दिया जाता है?
अ. नागार्जुन
ब. प्रेमचंद
स. फणीश्वरनाथ रेणु
द. रामदरश मिश्र
उत्तर- स. फणीश्वरनाथ रेणु

32. 'स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह' किस युग को माना गया?
अ. नई कविता ब. छायावाद
स. प्रगतिवाद द. प्रयोगवाद
उत्तर- ब. छायावाद

33. इन कहानीकारों में साठोत्तरी पीढ़ी का कहानीकार कौन है?
अ. यशपाल ब. प्रेमचंद
स. रांगेय राघव द. ज्ञान रंजन
उत्तर- द. ज्ञान रंजन

34. इनमें से किस उपन्यास को पूरा करने से पूर्व प्रेमचंद का निधन हो गया?
अ. कर्मभूमि ब. कायाकल्प
स. मंगलसूत्र द. प्रेमाश्रम
उत्तर- स. मंगलसूत्र

35. 'राखी की चुनौती' कविता किस रचनाकार की है?
अ. माखनलाल चतुर्वेदी
ब. बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
स. सुभद्रा कुमारी चौहान
द. वृंदावन लाल वर्मा
उत्तर- स. सुभद्रा कुमारी चौहान

36. इनमें से किस निबंधकार ने 'नवभारत टाइम्स' का संपादन किया?
अ. महावीरप्रसाद द्विवेदी
ब. विद्यानिवास मिश्र
स. कुबेर नाथ राय
द. हजारी प्रसाद द्विवेदी
उत्तर- ब. विद्यानिवास मिश्र

37. पाश्चात्य काव्यशास्त्र में नाटक के कितने तत्व माने गए हैं?
अ. बारह ब. चार
स. छः द. तीन
उत्तर- स. छः

38. 'कल सुनना मुझे' कविता संग्रह किसका है?
अ. शमशेर बहादुर ब. दुष्यंत
स. मुक्तिबोध द. धूमिल
उत्तर- द. धूमिल

39. इनमें से कौन से रचनाकार कहानी पत्रिका 'सारिका' के संपादक थे?
अ. मोहन राकेश ब. अज्ञेय
स. रघुवीर सहाय द. निर्मल वर्मा
उत्तर- अ. मोहन राकेश

40. नाटकों में पर्दे के पीछे से दी जाने वाली सूचना को क्या कहा जाता है?
अ. अंकास्य ब. सूत्रधार
स. अंकावतार द. चूलिका
उत्तर- द. चूलिका

41. 'जयतु जयतु घुमक्कड़ पंथा' और चरति भिक्कवे किस रचनाकार का उद्घोष और मूलमंत्र बना?
अ. नागार्जुन
ब. राहुल सांकृत्यायन
स. गणेश शंकर विद्यार्थी
द. अज्ञेय
उत्तर- ब. राहुल सांकृत्यायन

42. 'विराटा की पदमनी' उपन्यास के लेखक कौन हैं?
अ. फणीश्वरनाथ रेणु
ब. वृंदावन लाल वर्मा
स. मनु शर्मा
द. विष्णु प्रभाकर
उत्तर- ब. वृंदावन लाल वर्मा

43. महाभारतकाल की पृष्ठभूमि पर वर्तमान युग के परिवेश को चित्रित करने वाली कृति कौन सी है?
अ. अंधायुग
ब. कामायनी
स. चांद का मुंह टेढा
द. संसद से सड़क तक
उत्तर- अ. अंधायुग

44. 'जंजीरें और दीवारें' पुस्तक के रचनाकार कौन हैं?
अ. उपेन्द्र नाथ 'अश्क'
ब. रामेश्वर शुक्ल अंचल
स. रामवृक्ष बेनीपुरी
द. यशपाल
उत्तर- स. रामवृक्ष बेनीपुरी

45. ब्रजभाषा, खड़ी बोली, हरियाणवी, बुंदेली और कन्नौजी बोलियां हिन्दी की बोलियों के किस वर्ग की हैं?
अ. पूर्वी हिन्दी ब. पश्चिमी हिन्दी
स. राजस्थानी द. पहाड़ी
उत्तर- ब. पश्चिमी हिन्दी

46. देवनागरी लिपि में हिन्दी के अतिरिक्त और कौन सी भाषा लिखी जाती है?
अ. तमिल ब. बंगला
स. पंजाबी द. मराठी
उत्तर- द. मराठी

47. 'द मॉडर्न वर्नाक्युलर लिटरेचर ऑफ हिंदुस्तान' के लेखक कौन हैं?
अ. जॉर्ज ग्रियर्सन ब. गार्सा द ताँसी
स. रैने बैलक द. गिलक्राइस्ट
उत्तर- अ. जॉर्ज ग्रियर्सन

48. 'गार्सा द ताँसी ने' 'हस्त्वार द ला लितरेत्यूर ऐंदुई हरोंदूस्तातीं' ग्रंथ की रचना किस भाषा में की?
अ. अंग्रजी ब. रूसी
स. फ्रेंच द. जर्मन
उत्तर- स. फ्रेंच

49. किस आलोचक ने आदिकाल को 'बीजवपन काल' नाम से अभिहित किया है?
अ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
ब. महावीर प्रसाद द्विवेदी
स. श्याम सुंदर दास
द. राम कुमार वर्मा
उत्तर- ब. महावीर प्रसाद द्विवेदी

- डॉ. राम मनोहर उपाध्याय
(लेखक, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के जनसंचार विभाग में अतिथि शिक्षक हैं।)

खादी उत्सव में मलबरी सिल्क एवं मसलिन खादी की साड़ियां रहेंगी खास

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत बुनकरों एवं अन्य कारीगरों को रोज़गार उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी तारतम्य में कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग अंतर्गत आने वाले मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा हाट बाजार में खादी उत्सव का आयोजन किया जा रहा है, जो यह 12 दिन तक चलेगा।

प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड श्री माल सिंह भयडिया ने बताया कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर एवं आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के अन्तर्गत खादी तथा ग्रामोद्योग के क्षेत्र में ग्रामीण अंचलों में कार्यरत बुनकरों एवं अन्य कारीगरों को सतत रोज़गार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा भोपाल हाट परिसर में 27 सितम्बर से 8 अक्टूबर, 2024 तक खादी उत्सव-2024 का आयोजन किया जा रहा है। इसमें देश के विभिन्न राज्यों द्वारा उत्पादित खादी एवं ग्रामोद्योग सामग्री एक ही परिसर में उपलब्ध रहेगी। हाट बाजार भोपाल में लगने वाले खादी उत्सव में खादी एवं ग्रामोद्योग के क्षेत्र में कार्यरत राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की लगभग 75 से 80 इकाइयां शामिल होंगी। इसमें मध्यप्रदेश सहित राजस्थान, बिहार, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, जम्मू कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली उत्तराखंड, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश की खादी ग्रामोद्योग एवं हैंडीक्राफ्ट की इकाइयों द्वारा स्टॉल लगाया जाएगा।

प्रदर्शनी में प्रदेश एवं अन्य राज्यों की मलबरी सिल्क एवं मसलिन खादी की साड़ियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। साथ ही कपड़ा, शाल, सूट सहित समस्त प्रकार के खादी वस्त्र के रेडीमेड गारमेंट्स, लेडीज कुर्ते एवं ग्रामोद्योग में माटीकला की सामग्री जूट, बैतबांस, लकड़ी के फर्नीचर, चमड़े के बैग, बेल्ट, पर्स, अगरबत्ती, शहद, अचार, पापड़, आटा, बेसन एवं दलिया सहित विभिन्न सामग्रियां उपलब्ध रहेंगी।

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न-उत्तर

इतिहास

प्र. 1 वास्कोडिगामा कालीकट बन्दरगाह पर किस वर्ष पहुंचा था?
(अ) 1350 ई. (ब) 1498 ई.
(स) 1530 ई. (द) 1612 ई.
उत्तर- (ब)

प्र. 2 भारत में पुर्तगाली सत्ता का वास्तविक संस्थापक किसे माना जाता है?
(अ) वास्कोडिगामा
(ब) अल्बुकर्क
(स) अल्मीडा (द) नीनो डी कुन्हा
उत्तर- (ब)

प्र. 3 विलियम हॉकिंस किसके शासन काल में व्यवसाय का अधिकार प्राप्त करने के लिए मुगल दरबार में आए थे?
(अ) अकबर (ब) जहांगीर
(स) शाहजँहा (द) औरंगजेब
उत्तर- (ब)

प्र. 4 निम्नलिखित में से किसे भारत में फ्रांसीसी कम्पनी का संस्थापक माना जाता है?
(अ) रिश्यू (ब) मजारे
(स) कॉल्बर्ट (द) फ्रैंको मार्टिन
उत्तर- (स)

प्र. 5 डचों ने बंगाल में कौन सा कारखाना स्थापित किया था?
(अ) बुंदेल (ब) पीपली
(स) हुगली (द) श्रीरामपुर
उत्तर- (ब)

प्र. 6 ईस्ट इंडिया कम्पनी की प्रथम फैक्ट्री स्थापित की गई थी?
(अ) पुणे में (ब) गोवा में
(स) पांडिचेरी में (द) सूरत में
उत्तर- (द)

प्र. 7 पुर्तगाल उपनिवेश का प्रथम वायसराय भारत में कौन हुआ?
(अ) डियाज
(ब) वास्कोडिगामा
(स) अल्मीडा (द) अल्बुकर्क
उत्तर- (स)

प्र. 8 भारत में ब्रिटिश साम्राज्य का संस्थापक कौन था?
(अ) वारेन हेस्टिंग
(ब) लॉर्ड एमहर्स्ट
(स) रॉबर्ट क्लाइव
(द) विलियम बेटिंग
उत्तर- (स)

प्र. 9 निम्नलिखित में से कौन नीला जल योजना (ब्लू वाटर नीति) से संबंधित है?
(अ) डी अल्मीडा
(ब) अल्बुकर्क
(स) डूप्ले (द) रॉबर्ट क्लाइव
उत्तर- (अ)

प्र. 10 औरंगजेब की मृत्यु के उपरान्त उसका कौन-सा पुत्र सिंहासन पर बैठा?
(अ) मु. आजम (ब) मूअज्जम
(स) कामबख्श (द) मु. अकबर
उत्तर- (ब)

प्र. 11 अधोलिखित को सुमेलित किजिए तथा दिये गये कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए?

सूची 1	सूची 2
(अ) बहादुरशाह	- घृणित कायर
(ब) जहांदारशाह	- शाहेबेखबर
(स) फर्रूखशियर	- लम्पट मूर्ख
(द) मुहम्मद शाह	- रंगीला

कूट :- (अ) (ब) (स) (द)
(अ) 4 1 3 2
(ब) 2 3 1 4
(स) 3 4 1 2
(द) 4 2 1 3
उत्तर- (ब)

प्र. 12 सैय्यद बन्धुओं का अंत किसके समय में हुआ था?
(अ) मुहम्मदशाह (ब) अहमदशाह
(स) फर्रूखशियर (द) जहांदारशाह
उत्तर- (अ)

प्र. 13 हड़प नीति के अन्तर्गत निम्न में से कौन-से भारतीय राज्यों का विलय किया गया था?
(अ) झांसी, नागपुर व ट्रावणकोर
(ब) झांसी, नागपुर व सतारा
(स) झांसी, सतारा व मैसूर
(द) झांसी सतारा व भावनगर
उत्तर- (ब)

प्र. 14 तथाकथित कुशासन के आधार पर किस गवर्नर जनरल ने अवध राज्य के प्रशासन को ले लिया था?
(अ) लॉर्ड वेलेजली ने
(ब) लॉर्ड डलहौजी ने
(स) विलियम बैंटिंग ने
(द) लॉर्ड हार्डिंग ने
उत्तर- (ब)

प्र. 15 किसके समय में कलकत्ता में प्रथम सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना की गई थी?
(अ) रॉबर्ट क्लाइव (ब) वेन्सिटार्ट
(स) वेरेलस्ट
(द) वारेन हेस्टिंग
उत्तर- (द)

प्र. 16 भारत के किस गवर्नर जनरल के समय में सिंध का विलय 1843 में अंग्रेज राज्य में किया गया था?
(अ) लॉर्ड एलनबरों
(ब) लार्ड आकलैंड
(स) लार्ड हार्डिंग (द) लार्ड हेस्टिंग
उत्तर- (अ)

प्र. 17 राज्य अपहरण नीति एक ऐसी नीति थी जिसका उद्देश्य था?
(अ) भारतीय रियासतों में विद्रोह को नियंत्रित करना
(ब) ब्रिटिश सैन्य शक्ति को बढ़ाना
(स) जमींदारों का नियंत्रित करना
(द) अग्रेंजी ईस्ट इंडिया कम्पनी की राज्यक्षेत्रीय सीमाओं को बढ़ाना
उत्तर- (द)

प्र. 18 लॉर्ड वेलेजली की सहायक संधि को सबसे पहले किस शासक ने स्वीकार किया था?
(अ) हैदराबाद के निजाम
(ब) अवध के नवाब
(स) कर्नाटक के नवाब
(द) मराठा पेशवा
उत्तर- (अ)

प्र. 19 लॉर्ड डलहौजी के राज्य विलय सिद्धांत का सर्वप्रथम शिकार कौन-सा राज्य बना?
(अ) झांसी (ब) संभलपुर
(स) सतारा (द) नागपुर
उत्तर- (स)

प्र. 20 तमिल संगम ग्रन्थों के अनुसार निम्नलिखित में से कौन बड़े भूमि स्वामी रहे थे?
(अ) गृहपति (ब) उज्जहार
(स) अडिमाई (द) वेल्लार
उत्तर- (द)

प्र. 21 टीपू सुल्तान की मृत्यु 1799 ई. में कहां हुयी थी?
(अ) मैसूर में (ब) कुर्ग में
(स) श्रीरंगपट्टनम में
(द) वांडीवास में
उत्तर- (स)

प्र. 22 किस अधिनियम के तहत वॉरेन हेस्टिंग बंगाल के प्रथम गवर्नर जनरल बनाये गये?
(अ) 1773 का रेग्यूलेटिंग एक्ट
(ब) 1793 का चार्टर एक्ट
(स) 1813 का चार्टर एक्ट
(द) 1833 का चार्टर एक्ट
उत्तर- (अ)

प्र. 23 भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के सरकारी इतिहासकार कौन थे?
(अ) आर. सी. मजूमदार
(ब) ताराचंद
(स) वी. डी. सावरकर
(द) एस. एन. सेन
उत्तर- (द)

प्र. 24 निम्नलिखित में किसने 1857 के विद्रोह को एक षडयंत्र की संज्ञा दी?
(अ) सर जॉन के
(ब) सर जेम्स आउट्रम एवं डब्ल्यू टेलर
(स) सर जॉन लॉरिंस
(द) टी. आर. होम्स
उत्तर- (ब)

प्र. 25 नाना साहब का कमांडर-इन-चीफ कौन था?
(अ) अजीम उल्लाह
(ब) बिरजिस कादिर
(स) तात्या टोपे
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (स)

प्र. 26 रानी लक्ष्मीबाई का समाधि स्थल कहां स्थित है?
(अ) मंडला (ब) मांडू
(स) जबलपुर (द) ग्वालियर
उत्तर- (द)

प्र. 27 महारानी विक्टोरिया ने भारतीय प्रशासन को ब्रिटिश ताज के नियंत्रण में लेने की घोषणा कब की थी?
(अ) 1 नवंबर, 1858
(ब) 31 दिसम्बर, 1857
(स) 6 जनवरी, 1985
(द) 17 नवंबर, 1859
उत्तर- (अ)

प्र. 28 1857 के विद्रोह के समय भारत का गवर्नर जनरल कौन था?
(अ) लार्ड डलहौजी
(ब) लार्ड मिंटो
(स) लार्ड कैनिंग (द) लार्ड बेंटिक
उत्तर- (स)

प्र. 29 किसके शासन काल में भारत में अंग्रेजी शिक्षा आरम्भ की गई?
(अ) लार्ड विलियम बेंटिग
(ब) लार्ड हार्डिंग
(स) लार्ड मिंटो
(द) लार्ड डलहौजी
उत्तर- (अ)

प्र. 30 पुष्यमित्र शुंग द्वारा अश्वमेध यज्ञ किए जाने के बारे में जानकारी किस लेख से मिलती है?
(अ) सारनाथ लेख
(ब) बेसनगर लेख
(स) अयोध्या लेख
(द) हाथीगुफा लेख
उत्तर- (स)

प्र. 31 प्राचीन भारत की निम्नलिखित पुस्तकों में से किस एक में शुंग राजवंश के संस्थापक के पुत्र की प्रेम कहानी है?
(अ) स्वप्नवासवदत्ता
(ब) मालविकाग्निमित्रम्
(स) मेघदूत (द) रत्नावली
उत्तर- (ब)

प्र. 32 पतंजलि के महाभाष्य के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए?
(1) इसमें कौटिल्य का उल्लेख है।
(2) यह व्याकरण ग्रन्थ है और इसमें ऐतिहासिक व्यक्तित्वों का सन्दर्भ के प्रसंगवश आया है।
उपरोक्त कथनों में से कौन-सा कथन सही है।
(अ) केवल 1
(ब) केवल 2
(स) 1 और 2 दोनों
(द) न तो 1 और न ही 2
उत्तर- (ब)

प्र. 33 शुंग वंश के बाद किस वंश ने भारत पर राज किया?
(अ) सातवाहन (ब) कुषाण
(स) कण्व (द) गुप्त
उत्तर- (स)

प्र. 34 पुराणों में सातवाहनों की पहचान निम्नलिखित में से किस विशेष नाम से की गई है?
(अ) आन्ध्र (ब) शक
(स) क्षत्रश् (द) शुंग
उत्तर-(अ)

प्र. 35 सातवाहनों के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा एक कथन सही नहीं है?
(अ) सातवाहनों का पुराणों के आन्ध्रो के साथ तादात्म्य समझा जाता है।
(ब) सातवाहनों ने ब्राह्मणों वंश का दावा किया और ब्राह्मणी वैदिक परम्परा का अनुसरण किया।
(स) सातवाहन और शक दीर्घकालिन संघर्ष में लगे रहे।
(द) वशिष्ठीपुत्र शातकर्णी ने शक शासक रूद्रदामन को हराया।
उत्तर- (द)

प्र. 36 सातवाहन शासकों के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा कथन सत्य है?
(1) सातवाहन नरेश प्राकृत भाषा के पोषक थे।
(2) सातवाहन काल में कला के लोक पक्ष को अधिक प्रोत्साहन मिला।
कूट:- (अ) केवल 1 (ब) 1 और 2 दोनों
(स) केवन 2
(द) न तो 1 और न ही 2
उत्तर- (ब)

प्र. 37 सातवाहनों से सम्बन्धित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए?
(अ) सातवाहन शासक मातृनामों से पहचाने जाते थे।
(ब) सातवाहनों का सिंहासन का उत्तराधिकार सामान्यत: पितृवंशीय था।
उपरोक्त कथनों में से कौन-सा कथन सही है?
(अ) केवल 1 (ब) केवल 2
(स) 1 और 2 दोनों
(द) न तो 1 और न ही 2
उत्तर- (स)

प्र. 38 कलिंग नरेश खारवेल निम्न में से किस वंश से संबंधित था?
(अ) चेदि (ब) कदम्ब
(स) कलिंग (द) हर्यक
उत्तर- (अ)

प्र. 39 प्राचीनकाल में भारत पर आक्रमणों के सम्बंध में निम्नलिखित में से कौन-सा एक सही कालानुक्रम है?
(अ) यूनानी, शक, कुषाण
(ब) युनानी कुषाण, शक
(स) शक, युनानी , कुषाण
(द) शक, कुषाण यूनानी
उत्तर- (अ)

प्र. 40 निम्न शासकों में से किसके सिक्कों पर संकर्षण एवं वासुदेव दोनों अंकित है?
(अ) हुविष्क (ब) कनिष्क
(स) समुद्रगुप्त (द) आगाथोक्लीज
उत्तर- (द)

प्र. 41 बिना बेगार के किसने सुदर्शन झील का जीर्णोद्धार कराया?
(अ) चन्द्रगुप्त मौर्य (ब) बिन्दुसार
(स) अशोक (द) रूद्रदामन प्रथम
उत्तर- (द)

प्र. 42 शक क्षत्रप काल में सोने-चाँदी के सिक्कों का अनुपात क्या था?
(अ) 1 : 20 (ब) 1 : 25
(स) 1 : 35 (द) 1 : 10
उत्तर- (स)

प्र. 43 भारत में पार्थियन साम्राज्य का वास्तविक संस्थापक कौन था?
(अ) गोण्डफर्नीज
(ब) विम कडफिसस
(स) मिथ्रेडेट्स (द) हुविष्क
उत्तर- (स)

प्र. 44 निम्नलिखित में से कौन-से विद्वान कनिष्क के समकालीन थे?
(1) अश्वघोष (2) नागार्जुन
(3) वसुमित्र (4) चाणक्य
कूट :-
(अ) 1 और 2 (ब) 3 और 4
(स) 2 और 4 (द) 1, 2 और 3
उत्तर- (द)

प्र. 45 निम्नलिखित में कौन एक तमिल देश के संगम युग का राजवंश नहीं था?
(अ) चेर (ब) चोल
(स) पल्लव (द) पाण्ड्य
उत्तर- (स)

प्र. 46 संगमकालीन किस चोल शासक ने श्रीलंका पर विजय प्राप्त की थी?
(अ) एलारा (ब) करिकाल
(स) नेडियोन (द) मरूदम
उत्तर- (अ)

प्र. 47 चेर वंश का राजकीय प्रतीक चिन्ह क्या था?
(अ) धनुष (ब) मछली
(स) बाघ (द) हाथी
उत्तर- (अ)

प्र. 48 उदियन जेरल किस वंश से संबंधित था?
(अ) चेर वंश (ब) पाण्ड्य
(स) चोल (द) होल्कर
उत्तर- (अ)

प्र. 49 पाण्ड्य राज्य की जीवन रेखा कौन-सी नदी थी?
(अ) गोदावरी (ब) कृष्णा
(स) तुंगभद्रा (द) वेंगी (वेंगई)
उत्तर- (द)

- इमरतलाल खरते
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं।)

इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज (डीआरडीओ)

पद का नाम - ग्रेजुएट अप्रेंटिस, टेक्निशियन (डिप्लोमा) अप्रेंटिस
पदों की संख्या - 54
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 07 अक्टूबर 2024
वेबसाइट - https://www.drdo.gov.in

कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड

पद का नाम - सीनियर सेक्शन इंजीनियर (सिविल), सीनियर सेक्शन इंजीनियर (इलेक्ट्रिकल), स्टेशन मास्टर, कमर्शियल सुपरवाइजर, गुड्स ट्रेन मैनेजर, टेक्निशियन-III (इलेक्ट्रिकल), टेक्निशियन-III (मैकेनिकल), ईएसटीएम-III (एस&टी), असिस्टेंट लोको पायलट, प्वाइंट मैन और ट्रैक मेन्टेनर
पदों की संख्या - 190
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 06 अक्टूबर 2024
वेबसाइट - https://konkanrailway.com

कर्मचारी चयन आयोग

पद का नाम - केंद्रीय सशस्त्र बलों में कॉन्सटेबल (जीडी), असम राइफल्स में राइफलमैन (जीडी) और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो में सिपाही
पदों की संख्या - 39481
योग्यता - मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय से मैट्रिक या 10वीं कक्षा उत्तीर्ण
अंतिम तिथि - 14 अक्टूबर 2024
वेबसाइट - https://ssc.gov.in

रेलवे भर्ती बोर्ड, दक्षिण रेलवे

पद का नाम - खेल कोटा के अंतर्गत खिलाड़ियों की नियुक्ति
पदों की संख्या - 67
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 06 अक्टूबर 2024
वेबसाइट - https://www.rrcmas.in

सैनिक स्कूल झांसी

पद का नाम - पीजीटी गणित, पीजीटी अंग्रेजी, पीजीटी भौतिकी विज्ञान, पीजीटी रसायन विज्ञान, पीजीटी कम्प्यूटर विज्ञान, शारीरिक शिक्षा शिक्षक (पीईटी), टीजीटी सामाजिक विज्ञान, कला शिक्षक, पुस्तकालयाध्यक्ष, काउंसलर, संगीत शिक्षक, प्रयोगशाला सहायक (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान) और पीईएम/पीटीआई-सह मेट्रन (महिला)
पदों की संख्या - 15
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 04 अक्टूबर 2024
वेबसाइट - https://www.sainikschooljhansi.com

उत्तर पूर्वी इंदिरा गांधी क्षेत्रीय स्वास्थ्य एवं आयुर्विज्ञान संस्थान

पद का नाम - वरिष्ठ रेजिडेंट डॉक्टर
पदों की संख्या - 64
योग्यता - मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया से मान्यता प्राप्त विषय में पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री या डिप्लोमा
अंतिम तिथि - 04 अक्टूबर 2024
वेबसाइट - https://neigrihms.gov.in

प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त कार्यालय, तमिलनाडु एवं पुडुचेरी

पद का नाम - मेधावी खिलाड़ियों की भर्ती- इनकम टैक्स इंस्पेक्टर, टैक्स असिस्टेंट, मल्टी टास्किंग स्टाफ
पदों की संख्या - 33
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 05 अक्टूबर 2024
वेबसाइट - https://itcp.tninco-metax.gov.in

राष्ट्रीय केमिकल एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड

पद का नाम - सहायक अधिकारी
पदों की संख्या - 09
योग्यता - नियमित और पूर्णकालिक बी.कॉम. स्नातक और सीए इंटरमीडिएट/आईपीसीसी/सीएमए इंटरमीडिएट उत्तीर्ण
अंतिम तिथि - 07 अक्टूबर 2024
वेबसाइट - https://www.rcfltd.com

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम लिमिटेड

पद का नाम - समूह महाप्रबंधक/इलेक्ट्रिकल, कार्यपालक/सिस्टम, सहायक प्रबंधक/वित्तीय
पदों की संख्या - 06
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 04 अक्टूबर 2024
वेबसाइट - https://ncrtc.in

इंडिया एक्जिम बैंक

पद का नाम - प्रबंधन प्रशिक्षु (बैंकिंग परिचालन)
पदों की संख्या - 50
योग्यता - न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक की डिग्री, वित्त/अंतर्राष्ट्रीय व्यापार/विदेशी व्यापार विषय के साथ स्नातकोत्तर डिग्री (एमबीए/पीजीडीबीए/पीजीडीबीएम/एमएमएस) या चार्टर्ड एकाउंटेंट की डिग्री
अंतिम तिथि - 07 अक्टूबर 2024
वेबसाइट - https://www.eximbankindia.in/Hindi/careers

भारतीय प्रबंध संस्थान उदयपुर

पद का नाम - एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर, एक्जीक्यूटिव ईआरपी, जूनियर इंजीनियर (इलेक्ट्रिकल), जूनियर असिस्टेंट ग्रेड-I, ऑफिस असिस्टेंट
पदों की संख्या - 06
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 06 अक्टूबर 2024
वेबसाइट - https://www.iimu.ac.in

एडमिशन अलर्ट

राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लिमिटेड

प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम - एडवांस ट्रेनिंग ऑन ईवी, सोलर एनर्जी ट्रेनिंग सॉफ्टवेयर के साथ, इलेक्ट्रिकल ऑटो कैड, होम एप्लायंस रिपेयर एंड मेंटेनेंस और सीसीटीवी इंस्टॉलेशन
योग्यता - प्रशिक्षण कार्यक्रम के अनुसार अलग-अलग
अंतिम तिथि - उल्लेखित नहीं
वेबसाइट - https://www.nsic.co.in

स्कॉलरशिप अलर्ट

डीएक्ससी प्रोग्रेसिंग माइंड्स स्कॉलरशिप- 2024

संस्थान का नाम - डीएक्ससी टेक्नोलॉजी
योग्यता - विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग तथा गणित (स्टेम) से संबंधित क्षेत्रों में स्नातक की पढ़ाई करने वाली महिला और ट्रांसजेंडर विद्यार्थी। इसके अलावा 13 से 25 वर्ष की आयु की महिला खिलाड़ी।
छात्रवृत्ति राशि - 50 हजार रुपये तक
अंतिम तिथि - 06 अक्टूबर 2024
वेबसाइट - https://dxc.com

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित)

हमारा जिला-अशोकनगर

ऐतिहासिक, सांस्कृतिक तथा अर्थव्यवस्था की दृष्टि से समृद्ध रहा है अशोकनगर

मध्यप्रदेश विविधता से समृद्ध है। प्रदेश के हर क्षेत्र की अपनी विशेषता है, क्षमता है और दक्षता है। यहां का प्रत्येक जिला अपना इतिहास, कला, संस्कृति, परंपरा, उपज और अन्य क्षेत्रीय विशेषताएं लिए हुए है। 'रोज़गार और निर्माण' के हमारा जिला स्तम्भ में हम मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से आपको परिचित करवा रहे हैं। इस अंक में प्रस्तुत है अशोक नगर जिले का परिचय-

अशोकनगर, काली सिंध और बेतवा नदियों के बीच मध्यप्रदेश के उत्तरी भाग पर स्थित है। यह मालवा पठार के उत्तरी भाग में आता है, हालांकि जिले का मुख्य भाग बुंदेलखंड के पठार में स्थित है। जिले की पूर्वी और पश्चिमी सीमाएं नदियों के द्वारा अन्य जिले की सीमाओं से अलग हैं, बेतवा जिले के पूर्वी भाग में बहती है जो सागर जिला एवं उत्तरप्रदेश के ललितपुर जिले से इसे अलग करती है तथा सिन्ध मुख्य नदी के रूप में पश्चिमी सीमा के साथ बह रही है। अशोकनगर देशभर में बड़ी अनाज मंडी और शरबती गेहूं (गेहूं का प्रकार) के लिए जाना जाता है। 2003 तक मध्यप्रदेश में अशोकनगर, गुना जिले का एक हिस्सा था। प्रशासनिक क्षेत्र के आधार पर गुना जिला बड़ा होने के कारण 15 अगस्त, 2003 को अशोकनगर को अलग जिला घोषित किया गया। जिला मुख्यालय अशोकनगर में ही है।

अशोकनगर अपनी अनाज मंडी और "शरबती गेहूं" के लिए प्रसिद्ध है। निकटतम शहर गुना 45 किलोमीटर दूर है। अशोकनगर को पहले पछार के नाम से जाना जाता था। अशोकनगर सड़क और रेलवे द्वारा मध्यप्रदेश के मुख्य शहरों से जुड़ा हुआ है। जिले का चन्देरी नगर साड़ियों के लिये प्रसिद्ध है।

जिले में सात तहसीलें अशोकनगर, चंदेरी, ईसागढ़, मुंगावली, नई सराय, पिपरई तथा शाहौरा हैं। अशोकनगर जिला मध्यप्रदेश के शिवपुरी, गुना, विदिशा और सागर जिलों की सीमाओं से घिरा हुआ है, जिले को उत्तरप्रदेश की सीमा भी छूती है। यह समुद्र स्तर से 507 मीटर (1640 फीट) ऊपर की औसत ऊंचाई पर है। इस क्षेत्र की मिट्टी काली, भूरी और भाटोरी (पाषाणमय) है। यहां की मिट्टी में नमी बनाए रखने की क्षमता है, इसलिए यहां कम सिंचाई की आवश्यकता होती है।

अन्य दो प्रकार की मिट्टियां हल्की तथा अधिक रेत अनुपात में हैं। यहां गर्मी, बारिश और सर्दी तीनों ऋतुओं का प्रभाव है। मध्य मार्च के महीने से मई तक गर्मी का मौसम रहता है। सर्दी का मौसम तीनों मौसमों में सबसे लंबे समय तक चलता है जो लगभग पांच महीने तक अक्टूबर से मध्य मार्च तक रहता है। अशोकनगर की जलवायु उप उष्णकटिबंधीय है। गर्मियों में तापमान 47 डिग्री सेल्सियस से अधिक तक पहुँचता है, जबकि सर्दियों में तापमान 4 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाता है।

इतिहास

वर्तमान अशोकनगर जिले का क्षेत्र महाभारत काल में शिशुपाल के चंदेरी राज्य का हिस्सा था। जनपद काल में चेदि जनपद था, मध्ययुगीन काल में चंदेरी राज्य का भाग था। छठवीं शताब्दी ई. पूर्व में चंदेरी क्षेत्र (अशोकनगर जिला क्षेत्र) अवंती, दर्शाण एवं चेदि जनपदों में आता था। यह नन्द, मौर्य, शुंग एवं मगध राज्यों का भाग रहा। यह माना जाता है कि महान सम्राट अशोक, उज्जैन को जीतकर जाते समय एक रात इस क्षेत्र में रुके थे, इसलिए इस क्षेत्र का नाम अशोकनगर पड़ा। नागा राजवंश, मगध, शुंग एवं शकों का शासन पूर्ण होने के पश्चात, गुप्त एवं मौखारी के शासन के बाद यह हर्षवर्धन सम्राज्य का भाग बना। 8वीं से 9वीं शताब्दी में यहां प्रतिहार राजपूत वंश ने शासन किया। प्रतिहार राजवंश के 7वे वंशज राजा कीर्तिपाल ने 10वीं-11वीं शताब्दी ई. में चंदेरी शहर की स्थापना की और इसे अपनी राज्य की राजधानी बनाया। प्रतिहार राजवंश के समाप्त होने के बाद जेजाक भुकटी चंदेल ने भी यहां शासन किया। चंदेरी राज्य 11वीं शताब्दी ई. में महमूद गजनवी के हमलों से बार-बार प्रभावित हुआ। दिल्ली सल्तनत की स्थापना के बाद तुर्क अफगान और मुगलों ने यहां शासन किया। बुंदेला शासक मोरध्रहलाद के शासन काल के दौरान जनरल जॉन बैप्टिस्ट ने इस पर हमला किया था। उसने चंदेरी, ईसागढ़ और आसपास के इलाकों पर कब्जा कर लिया। चंदेरी के अंतिम बुंदेला शासक राजा मर्दन सिंह ने सन् 1857 की क्रांति में यहां का नेतृत्व किया, स्वाधीनता संग्राम में सक्रिय रहे और अंतत: बलिदान दिया।

अर्थव्यवस्था

जिले की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि पर आधारित है, इसलिए यहां अधिकतर लोगों का व्यवसाय कृषि है। कई लोग अनाज का व्यापार भी करते हैं। वस्त्र और प्रॉविजन के क्षेत्र में भी काफी व्यापार होता है। वर्तमान में यहां रसद व्यापार के साथ कमोडिटी एक्सचेंज बाजार भी होता है। अशोकनगर वस्त्र, मोटर वाहन, बर्तन, सीमेंट, सोने के गहने आदि के लिए भी प्रसिद्ध है। यह एक, व्यापारिक केन्द्र है यहां आस-पास के क्षेत्र के सभी लोग व्यवसाय के लिए आते हैं।

सांस्कृतिक स्थल

अशोकनगर का त्रिकाल चौबीसी जैन मंदिर देश भर में प्रसिद्ध है, यहां 24 जैन तीर्थंकरों की मूर्तियां विराजमान हैं। जिला एक छोटे ऐतिहासिक शहर चंदेरी के लिये प्रसिद्ध है, जो अशोकनगर से लगभग 60 किलोमीटर दूर स्थित है। चंदेरी में बड़ी संख्या में प्राचीन मूर्तियां हैं।

अशोकनगर जिले में एक अन्य प्रसिद्ध स्थान श्री आनंदपुर है, जो कि श्री अद्वैत परमहंस संप्रदाय का वैश्विक मुख्यालय है। दुनिया भर से वर्ष में दो बार बैशाखी एवं गुरु पूर्णिमा के दिन शिष्य तथा भक्त अपने गुरु से आशीर्वाद लेने आनंदपुर आते हैं। अशोकनगर जिले का एक छोटा सा गांव कदवाया भी प्राचीन शिव मंदिर, गढ़ी और बीजासन माता मंदिर के लिये प्रसिद्ध है।

उत्पादन

शरबती गेहूं - यहां मुख्य रूप से शरबती गेहूं का उत्पादन होता है। शरबती गेहूं स्वाद में मीठा होता है। शरबती गेहूं के दाने आकार में बड़े होते हैं और यह सुनहरी चमक लिए होते हैं। वर्षा जल से सिंचित होने के कारण शरबती गेहूं के लिए मिट्टी में उच्च पोटाश मात्रा और निम्न आर्द्रता होती है। शरबती गेहूं में प्रोटीन की मात्रा अन्य गेहूं की तुलना में लगभग 2 प्रतिशत अधिक होती है।

करीला उत्सव

अशोकनगर से 35 किलोमीटर दूर स्थित है करीला। जहां प्रसिद्ध जानकी माता का मंदिर है। इस स्थान को लव-कुश के जन्म स्थान के रूप में भी जाना जाता है। रंगपंचमी पर यहां मेले का आयोजन होता है जिसमें प्रसिद्ध राई नृत्य की प्रस्तुति होता है।

जिला एक नजर में

कुल जनसंख्या - 844979
(वर्ष 2011 की जनगणना अनुसार)
पुरुष - 444651, महिला - 400328
कुल साक्षर 480957
पुरुष - 299409, महिला - 181548

पर्यटन स्थल

चंदेरी - चंदेरी अशोकनगर जिले की एक तहसील है। यह विश्व विख्यात ऐतिहासिक एवं पर्यटन स्थल है। चंदेरी के लोग हस्तकला पर निर्भर हैं। चंदेरी की साड़ियां दुनियाभर में प्रसिद्ध हैं। यह साड़ियां खटका के द्वारा हाथ से कपास एवं रेशम से बनाई जाती हैं। खटका एक स्व-निर्मित साड़ी तैयार करने की मशीन है।

चंदेरी शहर बुंदेलखंड और मालवा की सीमाओं पर मध्यप्रदेश के अशोकनगर जिले में स्थित है, यह शहर 11वीं शताब्दी से 18वीं शताब्दी तक के ऐतिहासिक स्थलों से समृद्ध है। चंदेरी मालवा सुल्तानों और बुंदेला राजपूतों के समय से ऐतिहासिक महत्व का शहर है। जिन्होंने 15वीं और 16वीं शताब्दी में इस क्षेत्र पर शासन किया था। सुन्दर पहाड़ियों, झीलों और जंगल से घिरा, यह आकर्षक स्थल है। हर साल यहां बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। इसके अलावा, महान जैन स्मारकों, प्रसिद्ध त्रिकाल चौबीसी, खंडारजी और उनकी आकर्षक संस्कृति चंदेरी को मध्यप्रदेश के सबसे प्रचलित पर्यटन स्थलों में से एक बनाती है। चंदेरी में चंदेरी किला, चंदेरी संग्रहालय, जैन मंदिर और सुन्दर झीलें पर्यटकों को आकर्षित करती हैं।

आनंदपुर

आनंदपुर अशोकनगर जिले के ईसागढ़ तहसील का एक गांव है। यह जिला मुख्यालय अशोकनगर से उत्तर की ओर 42 किलोमीटर दूर स्थित है। ईसागढ़ से 12

किलोमीटर तथा मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से 217 किलोमीटर दूर श्री आनंदपुर भक्ति और अध्यात्म के मुख्य केंद्र के रूप में प्रसिद्ध है। यहां साधक आध्यात्मिक ज्ञान और शांति प्राप्त करते हैं।

- देवेन्द्र गोरे
(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

इंडिया ए ने जीता दलीप ट्रॉफी का खिताब

मुंबई, इंडिया-ए टीम ने दलीप ट्रॉफी का खिताब अपने नाम कर लिया है। टूर्नामेंट में इंडिया-ए ने अपने तीनों मैच जीतकर 12 अंक प्राप्त किए और अंक तालिका में पहले स्थान पर रहते हुए खिताब पर कब्जा किया। वहीं इंडिया-सी टीम 9 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रही। इंडिया ने अपने अंतिम मुकाबले में इंडिया-सी टीम को 132 रन से हराया। मैच में शाश्वत रावत (124) के शानदार शतक की बदौलत इंडिया-ए ने पहली पारी में 297 रन बनाए, इसके जवाब में इंडिया-सी टीम 234 रन ही बना सकी। दूसरी पारी में इंडिया-ए ने 8 विकेट खोकर 286 रन बनाकर पारी घोषित की। शाश्वत ने दूसरी पारी में अर्धशतक (53) बनाया। इंडिया-सी को जीत के लिए 350 रनों का लक्ष्य मिला। दूसरी पारी में साई सुदर्शन (111) के शतक के बावजूद इंडिया-सी 217 रन ही बना सकी।

शतरंज ओलिंपियाड

भारत ने पहली बार जीते स्वर्ण पदक

बुडापेस्ट, भारतीय खिलाड़ियों ने शतरंज ओलिंपियाड में इतिहास रच दिया है। भारत ने 45वें शतरंज ओलिंपियाड में पहली बार ओपन और महिला टीम वर्ग में स्वर्ण पदक जीते हैं। यह पहला अवसर है जब भारत ने एक ही शतरंज ओलिंपियाड में दोनों ओपन और महिला वर्गों में स्वर्ण पदक जीते हैं।

भारत ने ओपन कैटेगरी के ग्यारवें राउंड में स्लोवेनिया को 3.5-0.5 से हराया। वहीं महिला टीम ने अजरबेजान को भी 3.5-0.5 के अंतर से मात दी। ओपन कैटेगरी में भारत ने 10वें राउंड में ही शीर्ष पर रहना सुनिश्चित कर लिया था, लेकिन महिला वर्ग में भारत का स्वर्ण पदक 11वें राउंड में पक्का हुआ। महिला वर्ग में दूसरे स्थान पर मौजूद कजाकिस्तान ने अमेरिका के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला, जिसके बाद भारत ने 19 अंक हासिल कर पहला स्थान प्राप्त किया।

भारतीय महिला टीम ने 11वें राउंड में अजरबेजान को हराया। भारतीय टीम में हरिका द्रोणावल्ली, दिव्या देशमुख और वंतिका अग्रवाल ने अपने-अपने मैच जीते, जबकि आर. वैशाली ने ड्रा खेलकर भारत को 3.5 अंक तक पहुंचाया। भारतीय महिला टीम ने अपने वर्ग में लगातार सात राउंड जीते, वहीं आठवें राउंड में भारतीय टीम को पोलैंड के हाथों हार का सामना करना पड़ा। नौवें राउंड में भारतीय टीम ने अमेरिका से ड्रॉ खेला, जबकि भारत ने 10वें राउंड में चीन और 11वें राउंड में अजरबेजान को हराकर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया।

- शतरंज ओलिंपियाड हंगरी में आयोजित किया गया था।
- इस प्रतियोगिता में 195 देशों की पुरुष और महिला टीमों ने हिस्सा लिया था।
- प्रतियोगिता में भारत की पुरुष टीम ने बिना एक भी मैच गवाएं 22 में से 21 अंक लेकर स्वर्ण पदक जीता।
- भारतीय महिला टीम ने 19 अंक लेकर शीर्ष स्थान हासिल किया।

ओपन वर्ग में भारत का दबदबा रहा। प्रतियोगिता में भारतीय टीम ने एक भी मैच गवाएं बिना खिताब अपने नाम किया। भारतीय टीम ने लगातार 8 राउंड जीतने के बाद नौवें राउंड में उज्बेकिस्तान के खिलाफ ड्रॉ खेला। इसके बाद भारतीय टीम ने 10वें राउंड में अमेरिका और 11वें राउंड में स्लोवेनिया को हराया। ओपन वर्ग में भारतीय टीम 2753 रेटिंग प्वाइंट के साथ 21 अंक लेकर पहले स्थान पर रही।

भारत ने बदला पदक का रंग

शतरंज ओलिंपियाड में भारत ने भले ही पहली बार स्वर्ण पदक जीता है, लेकिन इससे पहले भी भारतीय टीमों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। भारतीय पुरुष टीम ने इससे पहले दो बार वर्ष 2014 और 2022 में कांस्य पदक जीता है।

अनमोल खरब ने जीता पोलैंड इंटरनेशनल टूर्नामेंट

ल्यूबलिन, भारत की प्रतिभाशाली बैडमिंटन खिलाड़ी अनमोल खरब ने पोलैंड इंटरनेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया है। अनमोल ने टूर्नामेंट के फाइनल में स्विट्जरलैंड की मिलिना श्नाइडर को हराकर खिताब पर कब्जा जमाया। मैच में अनमोल ने पहला गेम 21-12 से जीता, दूसरे गेम में भी अनमोल का दबदबा रहा। दूसरे गेम में अनमोल के सामने श्नाइडर ज्यादा देर तक टिक नहीं सकी। अनमोल ने यह गेम 21-8 के स्कोर से जीता। यह अनमोल का लगातार दूसरा खिताब है।

कमल चावला ने जीती रेड स्नूकर चैम्पियनशिप

उलनबाटोर, भारत के अनुभवी खिलाड़ी कमल चावला ने मंगोलिया में आयोजित आईबीएसएफ वर्ल्ड सिक्स रेड स्नूकर चैम्पियनशिप का खिताब जीत लिया है। कमल चावला ने प्रतियोगिता के फाइनल में पाकिस्तान के असजाद इकबाल को 6-2 से हराया। असजाद ने मुकाबले के पहले दो फ्रेम जीते, इसके बाद कमल ने जबरदस्त वापसी की और लगातार 6 फ्रेम जीतकर खिताब अपने नाम किया। कमल के कॅरियर का यह 15वां अंतर्राष्ट्रीय खिताब है। पंकज आडवाणी, लक्ष्मण रावत और एस श्रीकृष्णा के बाद कमल चौथे भारतीय खिलाड़ी हैं, जिसने यह टूर्नामेंट जीता है।

टीम वर्ल्ड को हराकर टीम यूरोप ने पांचवीं बार जीता लेवर कप

बर्लिन, स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अलकराज के शानदार प्रदर्शन के दम पर टीम यूरोप ने लेवर कप का खिताब अपने नाम किया है। टीम यूरोप ने टीम वर्ल्ड को 13-11 से हराया। टूर्नामेंट के आखिरी मुकाबले में टीम यूरोप के अलकराज ने टीम वर्ल्ड के टेलर फ्रिट्ज को सीधे सेटों में 6-2, 7-5 से मात दी। टीम यूरोप ने पांचवीं बार लेवर कप का खिताब जीता है। इससे पहले टीम यूरोप ने 2017, 2018, 2019 और 2021 में भी यह प्रतिष्ठित खिताब जीता था। वहीं टीम वर्ल्ड वर्ष 2022 और 2023 में चैम्पियन बनी थी।

टूर्नामेंट के तीसरे और अंतिम दिन टीम यूरोप 4-8 से पीछे थी। दिन के पहले युगल मुकाबले में टीम यूरोप के कार्लोस अलकराज और कैस्पर रूड की जोड़ी ने टीम वर्ल्ड के बेन शेल्टन और फ्रांसिस टियाफोए की जोड़ी को 6-2, 7-6 (8-6) से हराया।

टीम वर्ल्ड के बेन शेल्टन ने डेनिल मेदवेदेव को हराकर स्कोर 11-7 कर दिया। इसके बाद एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने फ्रांसिस टियाफोए को तथा कार्लोस अलकराज ने टेलर फ्रिट्ज को हराकर टीम यूरोप को यादगार जीत दिलाई।

- लेवर कप का नाम ऑस्ट्रेलिया के महान टेनिस खिलाड़ी रॉड लेवर के नाम पर किया गया।
- इस टूर्नामेंट की शुरुआत वर्ष 2017 में हुई थी।
- यह टूर्नामेंट यूरोपीय देशों की टीम और शेष विश्व की टीम के बीच खेला जाता है।

जीवन और विजय की जोड़ी ने जीता हांगझोउ ओपन

हांगझोउ, भारतीय टेनिस खिलाड़ी जीवन नेदुनचेझियान और विजय सुंदर प्रशांत की जोड़ी ने हांगझोउ ओपन टेनिस टूर्नामेंट में पुरुष युगल वर्ग का खिताब अपने नाम किया है। टूर्नामेंट के फाइनल में जीवन और विजय की भारतीय जोड़ी ने जर्मनी के कांस्टेंटिन फ्रांटजेन और हेंड्रिक जेबेंस की जोड़ी को रोमांचक मुकाबले में 4-6, 7-6 (7-5), 10-7 से हराया। फाइनल मुकाबले में जर्मन जोड़ी ने पहला सेट 6-4 से जीततकर भारतीय जोड़ी को दबाव में ला दिया था। इसके बाद भारतीय जोड़ी ने अगले दो सेट टाइब्रेकर में जीतकर खिताब अपने नाम किया। जीवन और विजय की जोड़ी का यह पहला एटीपी खिताब है। जीवन नेदुनचेझियान इससे पहले रोहन बोपन्ना के साथ मिलकर वर्ष 2017 में चेन्नई ओपन का खिताब जीत चुके हैं, वहीं विजय सुंदर प्रशांत का यह पहला एटीपी टूर खिताब है। उल्लेखनीय है कि हांगझोउ ओपन में पुरुष एकल वर्ग का खिताब क्रोएशिया के मारिन सिलिक ने जीता है।

पैरालंपिक पदक विजेताओं को

शासकीय नौकरी के साथ मिलेगी एक करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि

भोपाल, मध्यप्रदेश सरकार दिव्यांग खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए संकल्पबद्ध है। दिव्यांग खिलाड़ियों की प्रतिभा को देखते हुए प्रगति के पूरे अवसर दिए जाएंगे। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वैश्विक पटल पर देश और मध्यप्रदेश का गौरव बढ़ाने वाले पैरालंपिक-2024 खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश के जिन दिव्यांग खिलाड़ियों ने पेरिस पैरालंपिक में पदक हासिल किए हैं, उन्हें एक करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि और शासकीय नौकरी देने का निर्णय लिया गया है। साथ ही जिन दिव्यांग खिलाड़ियों ने पेरिस पैरालंपिक में भाग लिया है, उन्हें प्रोत्साहन स्वरूप 10-10 लाख रुपये की राशि प्रदान की जाएगी।

रिकी पोंटिंग बने पंजाब किंग्स के मुख्य कोच

मोहाली, आईपीएल की टीम पंजाब किंग्स ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग को टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। वह ट्रेवर बेलिस की जगह लेंगे। पोंटिंग को आईपीएल में कोचिंग का वृहद अनुभव है। इससे पहले वह सात वर्ष तक दिल्ली कैपिटल्स टीम के मुख्य कोच के रूप में काम कर चुके हैं। पोंटिंग के मार्गदर्शन में दिल्ली कैपिटल्स वर्ष 2020 के आईपीएल में फाइनल में पहुंची थी। वह मुंबई इंडियंस के कोच भी रह चुके हैं। अपनी कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया को दो बार आईसीसी वन-डे विश्वकप और दो बार चैम्पियंस ट्रॉफी जीताने वाले पोंटिंग अभी कई ट्वेंटी-20 लीग से जुड़े हुए हैं। वह बिग बैश लीग की होबार्ट हैरिकंस टीम के स्ट्रेटजी कोच है, वहीं अमेरिकी क्रिकेट लीग में वॉशिंगटन फ्रीडम के मुख्य कोच भी हैं।

टेस्ट मैच

भारत ने बांग्लादेश को 280 रन से हराया

चेन्नई, भारत और बांग्लादेश के बीच खेली जा रही दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मैच भारत ने जीत लिया है। भारतीय क्रिकेट टीम ने चेन्नई में खेले गए टेस्ट मैच में बांग्लादेश को 280 रनों की करारी शिकस्त दी। भारत की जीत के हीरो ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन रहे। अश्विन ने मैच की पहली पारी में शानदार शतक बनाया, वहीं दूसरी पारी में 6 विकेट लेकर भारत को जीत दिलाई।

मैच में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। मैच में भारत की शुरुआत खराब रही। भारत के 6 विकेट महज 144 रन के स्कोर पर गिर गए। इसके बाद रविंद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने सातवें विकेट के लिए 199 रनों की साझेदारी की। अश्विन ने 113 रन बनाए, जबकि जडेजा ने 86 रनों की पारी खेलकर भारत को 376 रन तक पहुंचाया।

- भारत की बांग्लादेश पर यह लगातार छठवीं और कुल 12वीं टेस्ट जीत है।
- अश्विन 38 वर्ष की आयु में टेस्ट मैच में शतक बनाने और पांच विकेट लेने वाले दुनिया के पहले क्रिकेटर हैं।
- अश्विन ने एक टेस्ट मैच में शतक बनाने और पांच विकेट लेने का कारनामा चौथी बार किया है।
- अश्विन के टेस्ट कॅरियर का यह छठवां शतक है।

पहली पारी में बांग्लादेश के बल्लेबाजों का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। बांग्लादेश की टीम पहली पारी में 149 रन बनाकर ऑलआउट हो गई।

पहली पारी के आधार पर 227 रनों की बढ़त हासिल करने के बाद भारतीय बल्लेबाजों ने दूसरी पारी में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। शुभमन गिल (119) और ऋषभ पंत (109) ने शानदार शतक लगाए। भारत ने 4 विकेट खोकर 287 रन बनाकर पारी घोषित की। जीत के लिए मिले 515 रनों के लक्ष्य के जवाब में बांग्लादेश के ओपनिंग बल्लेबाजों ने सधी हुई शुरुआत की, लेकिन अश्विन की घातक गेंदबाजी के सामने बांग्लादेशी बल्लेबाज टिक नहीं पाए और 234 रन पर ऑलआउट हो गए। बांग्लादेश के लिए कप्तान नजमुल हसन शंतो ने सबसे ज्यादा 82 रन बनाए। अश्विन ने 6, जडेजा ने 3 और बुमराह ने एक विकेट लिया।

सिंगापुर ग्रांप्री

लैंडो नॉरिस ने जीती रेस

सिंगापुर, ब्रिटेन के स्टार कार रेसर लैंडो नॉरिस ने इस सत्र में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए सिंगापुर ग्रांप्री फॉर्मूला-वन रेस अपने नाम कर ली है। नॉरिस ने 62 लैप की इस रेस को एक घंटा 40 मिनट 52.571 सेकेंड में पूरा किया। इससे पहले नॉरिस ने क्वालिफाइंग रेस में शानदार प्रदर्शन कर पोल पोजिशन हासिल की। रेस के दौरान ऑस्ट्रेलिया के डेनियल रिकियार्डो ने नॉरिस को कड़ी टक्कर दी, लेकिन वह नॉरिस को पछाड़ नहीं सके।

रेस में मौजूदा विश्व चैम्पियन मैक्स वर्स्टापेन दूसरे स्थान पर रहे। वहीं ऑस्कर पिएस्त्री तीसरे, जॉर्ज रसेल चौथे और चार्ल्स लेक्लर्क पांचवें स्थान पर रहे। इस जीत के साथ नॉरिस इस सत्र की ड्राइवर्स चैम्पियनशिप में दूसरे स्थान पर आ गए हैं। नॉरिस के 279 अंक है, जबकि 331 अंकों के साथ मैक्स वर्स्टापेन पहले स्थान पर है।

इस वर्ष फॉर्मूला-वन चैम्पियनशिप में अब

तक 18 रेस आयोजित हो चुकी हैं, जबकि 6 रेस आयोजित होना बाकी हैं। नीदरलैंड्स के कार रेसर मैक्स वर्स्टापेन ने सबसे ज्यादा सात रेस जीती हैं, जबकि लैंडो नॉरिस ने तीन, चार्ल्स लेक्लर्क, लुईस हैमिल्टन और ऑस्कर पिएस्त्री ने 2-2 तथा कार्लोस सेंज और जॉर्ज रसेल ने 1-1 रेस जीती है।

- लैंडो नॉरिस ने इस सत्र में तीन रेस जीती हैं।
- नॉरिस ने इससे पहले मियामी ग्रांप्री और डच ग्रांप्री रेस भी जीती है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

तीन अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर पृथ्वी पर लौटा सोयुज

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से तीन अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर सोयुज कैप्सूल कजाकिस्तान में उतरा। इसके साथ ही रूस के दोनों अंतरिक्ष यात्रियों का लंबा प्रवास समाप्त हो गया। आईएसएस से अलग होने के लगभग साढ़े तीन घंटे बाद कैप्सूल कजाकिस्तान में उतरा। रूस के ओलेग कोनोनेंको और निकोलाई चूब 374 दिन बिताने के बाद वापस लौटे। यह उनका अंतरिक्ष में सबसे लंबा निरंतर प्रवास था।

उपराष्ट्रपति ने ग्रेटर नोएडा में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय व्यापार शो-2024 का किया शुभारंभ

दुनिया की सबसे तेज अर्थव्यवस्था बन रहा भारत

आने वाले दशकों में 8 प्रतिशत अर्थव्यवस्था बढ़ने की संभावना

भारत अब दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक और वैश्विक निवेश के लिए एक पसंदीदा स्थान है। यह बात उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय व्यापार शो-2024 के शुभारंभ अवसर पर कही। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत लगभग 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था है, जिसमें आने वाले दशकों में 8 प्रतिशत की वृद्धि की संभावना है।

उपराष्ट्रपति श्री धनखड़ ने देश के बुनियादी ढांचे के विकास की प्रशंसा करते हुए कहा कि 8 नए हवाई अड्डों के जुड़ने, मेट्रो प्रणालियों के तेजी से विस्तार और प्रतिदिन 28 किलोमीटर राजमार्ग के निर्माण ने हमें प्रगति दी है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आकार ले रहे 12 नए औद्योगिक क्षेत्रों की चर्चा करते हुए कहा कि यह क्षेत्र विनिर्माण को बढ़ावा देंगे और भारत को एआई, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और सेमीकंडक्टर जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाने की स्थिति में लाएंगे। उन्होंने भारत के बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण प्रगति पर जोर देते हुए कहा, "हमारे पास दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क है, और हवाई अड्डों वाले शहरों की संख्या 70 से बढ़कर दोगुनी हो गई है।

उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ अंतर्राष्ट्रीय व्यापार शो-2024 के शुभारंभ अवसर पर

आत्मनिर्भर दृष्टिकोण के अनुरूप है

उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह आयोजन प्रधानमंत्री श्री मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण के अनुरूप है और 'स्थानीय से वैश्विक' के आदर्श वाक्य को अपनाता है। पहले यह "वोकल फॉर लोकल" था और अब हम इसे "लोकल से ग्लोबल" के साथ अगले स्तर पर ले जा रहे हैं। भारत की प्रगति विभिन्न क्षेत्रों में स्पष्ट है।

रोहिंग्या मुसलमानों को नहीं रखना चाहता बांग्लादेश

रोहिंग्या मुसलमानों से अब बांग्लादेश परेशान होता नजर आ रहा है। इसके संकेत हाल ही में संयुक्त राष्ट्र महासभा के इतर हुई बैठक से मिले हैं, जहां अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने रोहिंग्याओं को वापस भेजने की पेशकश तक कर दी। उनका दावा है कि बांग्लादेश का खुद का विकास दांव पर लग गया है। ज्ञात रहे कि बांग्लादेश में रोहिंग्या मुसलमानों की संख्या 12 लाख से ज्यादा है। न्यूयॉर्क में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक के दौरान बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने रोहिंग्याओं की वजह से सामने आ रहीं चुनौतियों पर बात की। उन्होंने कहा, 'सहानुभूति के साथ रोहिंग्याओं की मेजबानी के बावजूद घनी आबादी वाला बांग्लादेश सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरण के लिहाज से बहुत खर्च कर रहा है।' उन्होंने कहा, 'साफ है कि बांग्लादेश अपनी हद पर पहुंच गया है। ऐसे में बांग्लादेश जितना मानवीय पहलुओं या न्याय सुनिश्चित करने में शामिल है, रोहिंग्याओं को वापस भेजना ही इस संकट का एक समाधान है।'

जापान और रूस के बीच दिखे तनाव के आसार

जापान ने कहा कि रूस के गश्ती फाइटर जेट ने उसके हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया है। टोक्यो ने कहा है कि तीन बार रूसी जेट होक्काइडो के मुख्य द्वीप पर जापान के हवाई क्षेत्र में आए। इस पर जापानी जेट ने उनको चेताया और फ्लेयर्स का इस्तेमाल भी किया। ये पहली बार है जब जापान ने रूसी जहाजों को चेतावनी देने के लिए फ्लेयर्स का इस्तेमाल किया है। लड़ाकू जेट फ्लेयर्स यानी तेज रोशनी का इस्तेमाल विरोधी को वापस जाने के लिए कड़ी चेतावनी देने के तौर पर करते हैं। जापान सरकार के प्रवक्ता योशिमासा हयाशी ने कहा कि जापान ने घुसपैठ के विरोध के लिए राजनयिक तरीका भी अपनाया है। रूस की स्टेट मीडिया ने इस घटना पर कोई रिपोर्ट नहीं की है। ये घटना ऐसे समय हुई है जब रूसी और चीनी युद्धपोत जापान के उत्तरी तट के पास अभ्यास कर रहे हैं।

इजरायल का हिजबुल्लाह के 1600 ठिकानों पर हमला

गाजा के बाद अब लेबनान को खत्म करने में जुटे इजरायल ने हिजबुल्लाह के आतंक के खिलाफ एक्शन शुरू कर दिया है। इजरायली सेना ने दो दशक में सबसे बड़ा अटैक किया और लेबनान में हिजबुल्लाह के 1600 ठिकानों पर एक साथ धावा बोला। इजरायली हमले में इतनी तबाही मच गई कि लोग जान बचाकर भागते नजर आए। इजरायली हमले में मरने वालों की संख्या 500 पहुंच गई है, जिसमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। घायलों की संख्या हजारों में हैं। लेबनान स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि मरने वालों की संख्या अभी और बढ़ सकती है। उधर, हिजबुल्लाह के खिलाफ युद्ध का बिगुल फूंक चुके इजरायल ने अपने यहां भी एक हफ्ते की इमरजेंसी जारी कर दी है। इजरायल पर हिजबुल्लाह के भी काउंटर अटैक का खतरा मंडरा रहा है। इजरायली सेना ने हमले के बाद बयान में कहा कि उसने हिजबुल्लाह के 1600 ठिकानों को निशाना बनाया। आईडीएफ ने तस्वीरों के साथ बयान जारी किया कि लेबनान में हिजबुल्लाह ने आम लोगों के घरों को अपना शस्त्रागार बनाकर रखा था। सेना पहले ही आम लोगों को चेतावनी दे चुकी थी।

फ्रांस में राष्ट्रपति मैक्रों ने नियुक्त की नई सरकार

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने नई सरकार की घोषणा कर दी। इस सरकार का नेतृत्व प्रधानमंत्री मिशेल बार्नियर करेंगे। यह कदम संसदीय चुनावों के 11 हफ्ते बाद आया है, जिनमें किसी को भी स्पष्ट बहुमत हासिल नहीं हुआ था। राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा यह जानकारी दी गई। प्रधानमंत्री बार्नियर को दो सप्ताह पहले ही नियुक्त किया गया था। उनका पहला बड़ा काम 2025 की बजट योजना को प्रस्तुत करना होगा। इस योजना का उद्देश्य फ्रांस की वित्तीय स्थिति को संबोधित करना है, जिसे बार्नियर ने इस हफ्ते "बहुत गंभीर" बताया था। यह नई सरकार दक्षिणपंथी झुकाव के संकेत दे रही है, जो मैक्रों के पिछले शासन की तुलना में नीतियों में बदलाव की ओर इशारा करती है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

www.sgsuniversity.ac.in

SCOPE GLOBAL SKILLS UNIVERSITY

CENTRAL INDIA'S 1st SKILLS UNIVERSITY

TRANSFORM YOUR CAREER

INDUSTRY INTEGRATED PROGRAMS OF SGSU

IBM	nasscom	Hero & HYUNDAI	NRAI	BFSI
B.Tech Computer Science	B.Tech | BCA B.Com | BBA B.Sc. | BA	DIPLOMA Mechanical (Automotive)	BBA (Hospitality & Restaurant Management)	3 Years Industry Integrated Degree Program

COURSES OFFERED

FACULTY OF ENGINEERING & TECHNOLOGY SKILLS
School of Computer Science & Software Engineering - B.Tech | M.Tech | M.C.A. | School of Electronics & Telecommunication Engineering - B.Tech | M.Tech | School of Electrical & Electronics Engineering - Diploma Electrical and Electronics | B.Tech | M.Tech | School of Mechanical Engineering & Industry 4.0 - Diploma ME | B.Tech | M.Tech

FACULTY OF INFORMATION TECHNOLOGY
School of Information Technology - B.Sc. | BCA | M.Sc. | PGDCA

FACULTY OF AGRICULTURE & ALLIED TECHNOLOGIES
School of Agriculture - B.Sc.

FACULTY OF FUTURE SKILLS
School of Computing & Future Skills
BCA | B.Sc. |BBA | M.Sc. | MBA
School of Animation, Multimedia, Gaming and Visual Effects
BFA / B.Sc. | B.Sc. | MFA/M.Sc.

FACULTY OF EDUCATION & TRAINING
School of Sports, Physical Education, Fitness & Leisure Skills
B.P.E.S. | M.P.E.S. | Diploma in Yoga | Strength & Sports coaching
Diploma Course in Nursery Teacher Training Course |
Diploma Course in Guidance & Counselling

FACULTY OF EMERGING TECHNOLOGIES
School of Automotive Studies - Diploma - Mechanical (Automotive Technology / Welding Technology / Manufacturing Technology) | School of Energy - Diploma - Electrical and Electronics (Renewable Energy)

FACULTY OF SCIENCE
School of Modern Sciences - B.Sc. | M.Sc | School of Life Sciences - B.Sc. | M.Sc. | School of Polymer Science - B.Sc

FACULTY OF MANAGEMENT STUDIES
School of Management Skills - BBA | MBA
School of Tourism and Hospitality - BBA/B.Voc | BBA | MBA
School of Logistics - BBA

FACULTY OF HUMANITIES & LIBERAL ARTS
School of Social Sciences - BA | BFA | B.Lib | MA | MFA | M.Lib
Diploma in Fashion Designing with CAD
Diploma in Interior Designing with CAD

FACULTY OF BANKING, FINANCE & COMMERCE
School of Banking, Finance & Commerce - B.Com | M.Com

FACULTY OF PHARMACY
School of Pharmacy - D.Pharma

INDUSTRY AND PLACEMENT PARTNERS

IBM cognizant Microsoft Infosys HCL HYUNDAI wipro EICHER SUZUKI Honeywell Hero BOSCH AISECT

CALL: +91 78801 00790, 0755-2432903/904

SGSU Campus, NH-12, Near Misrod, Hoshangabad Road, Bhopal - 462047 (M.P.)
AISECT, Sarnath Complex, 3rd Floor, Opp. Board Office, Bhopal, (M.) +91 8109347769

R-50099/2024

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक- डॉ. सुदाम खाड़े, मुद्रक- डॉ. सुदाम खाड़े द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।